@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 355 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सिवान में जंगलराज की वापसी नहीं होने देना है: अमित शाह

● 20 सालों तक लालू-राबड़ी के शासनकाल में सिवान की भूमि ने जंगलराज को सहा है: शाह

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार ने अब रफ्तार पकड़ ली है। शुक्रवार को एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समस्तीपुर और बेगूसराय में जनसभाओं को संबोधित किया, वहीं देंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वान में जनसभा को संबोधित किया।

सिवान में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि उन्होंने नामांकन के बाद पहली सभा सिवान में रखने कि इच्छा जताई थी। क्योंकि 20 सालों तक लालू-राबड़ी के शासनकाल में सिवान की भूमि ने जंगलराज को सहा है। शहाबुद्दीन के खौफ, अत्याचार और हत्याओं के दौर को सिवान ने झेला है। यहां की भूमि लहूलुहान हो गई, लेकिन सिवान वालों ने झुकना स्वीकार नहीं किया और लालू-राबड़ी शासन को समाप्त कर दिया।शहाबुद्दीन के दौर में हुई हत्या की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी को एकजुट होना है, क्योंकि एक बार फिर से लालू यादव ने शहाबुद्दीन के बेटे को रघुनाथपुर से टिकट देने का काम किया है। आप सभी को शहाबुद्दीन के बेटे को हराना है और सिवान को जंगलराज से बचाना है। उन्होंने कहा कि हम यह चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ रहे हैं। नीतीश कुमार और नरेन्द्र मोदी मिलकर बिहार को विकास की पटरी पर दौड़ा रहे हैं।

अमित शाह ने सिवान जिले में सरकार के द्वारा सड़क, रेल, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज और बिजली के लिए पावर ग्रिड निर्माण कार्य का जिक्र करते हुए कहा कि लालू यादव को बताना चाहिए की

उन्होंने क्या कार्य किए। लालू यादव केवल अपने परिवार के लिए कार्य करते हैं, जबकि नीतीश सरकार ने 125 यूनिट बिजली फ्री किया, पटना को मेट्रो दिया। जीविका दीदियों और आशाओं के मानदेय में वृद्धि की।

केंद्रीय गृह मंत्री ने सभा के दौरान महागठबंधन के सीटों के बंटवारे में झगड़े पर भी तंज कसा और कहा कि अंत समय तक सीटों का बंटवारा नहीं सुलझा, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार कि जनकल्याणकारी योजनाओं को गिनाया। उन्होंने सभी से पूछा कि अयोध्या में राम मंदिर बनना चाहिए था या नहीं? भगवान टेंट में थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूमि पूजन भी किया और प्राण प्रतिष्ठा भी की।

गृह मंत्री ने पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर कहा कि कांग्रेस की सरकार में आतंकवादियों को बिरयानी खिलाया जाता था। लेकिन मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्हें सबक सिखाने का काम किया है। घुसपैठियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि घुसपैठिए देश विरोधी गतिविधि में संलिप्त हैं। हमारा संकल्प है एक-एक घुसपैठियों को बाहर भगाएंगे।

इस दौरान सिवान से उम्मीदवार मंगल पाण्डेय, जीरादेई से उम्मीदवार भीष्म प्रताप कुशवाहा, दुरौंधा से उम्मीदवार कर्णजीत सिंह, बरहड़िया से उम्मीदवार इंद्रदेव सिंह पटेल और हथुआ से उम्मीदवार रामसेवक सिंह आदि उपस्थित थे।

साथ ही मंच पर सिवान सांसद विजयलक्ष्मी कुशवाहा, पूर्व सांसद ओमप्रकाश यादव, पूर्व सांसद कविता सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी, पूर्व विधान पार्षद मनोज कुमार सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो. अभिमन्यु सिंह, नगर परिषद की पूर्व सभापति अनुराधा गुप्ता सहित बड़ी संख्या में राजग के नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश नया मौसम अलर्ट : 4 दिनों से भारी बारिश..

एजेंसी

अमरावती। उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक पर बने गहरे दबाव के क्षेत्र के कम दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील होने से अगले सोमवार तक इसके चक्रवात में तब्दील होने की संभावना है। इसे देखते हुए आंध्र प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने गुरुवार को नया अलर्ट जारी किया है। इसके अनुसार अगले 24 घंटे में उत्तर-पश्चिम से दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक की ओर बढ़ने की उम्मीद है, जिससे पूरे आंध्र प्रदेश में व्यापक वर्षा होगी। इसके बाद राज्य सरकार ने सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। राज्य की गृह मंत्री वंगालापुडी अनीता ने आज शाम को आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एमडी प्रखर जैन, कार्यकारी निदेशक दीपक और अन्य अधिकारियों के एक समीक्षा बैठक की। बैठक में एमडी प्रखर जैन ने बताया कि सोमवार को बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य में निम्न दबाव क्षेत्र अब चक्रवात में तब्दील हो सकता है। उन्होंने बताया कि राज्य में शनिवार को भारी बारिश और

सोमवार व मंगलवार को बहुत भारी बारिश का अनुमान है। इस पर गृह मंत्री अनीता ने चक्रवात की तीव्रता का आकलन करने और प्रभावित जिलों को और जिलाधीशों को अलर्ट रहने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने एहतियाती उपायों को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया है। गृहमंत्री अनीता ने सचिवालय से ही वर्चुअली बैठक कर जिलाधीशों से किसी भी तरह की जानमाल की हानि को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। चक्रवात की जानकारी समय-समय पर अधिकारियों और जनता को दी जानी चाहिए। राहत कार्यों के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें भेजी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्तर पर अधिकारियों को और अधिक सतर्क रहना चाहिए। नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाने चाहिए और 24/7 चालू रहने चाहिए। ज़रूरत पड़ने पर लोगों को राहत शिविरों में स्थानांतरित करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसके लिए जगह-जगह पुनर्वास केंद्र स्थापित करें और उन्हें अच्छा भोजन उपलब्ध कराना चाहिए। गृह मंत्री ने राज्य के नागरिकों से कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर विश्वास न करें।

समाज में आज हिंदू को हिंदू से लड़ाने का हो रहा प्रयास, जागरूक करने की जिम्मेदारी हमारी: मिलिंद परांडे

● काशी में विहिप के भवन के नए तल का हुआ लोकार्पण

एजेंसी

वाराणसी। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री संगठन मिलिंद परांडे ने हिंदू समाज को अपनी संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज में आज हिंदू-हिंदू से लड़ाने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे वातावरण को पहचान कर उसे नाकाम करना हमारी जिम्मेदारी है।

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री संगठन मिलिंद परांडे शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी इंग्लिशिया लाइन कैंट स्थित विश्व हिंदू परिषद काशी के कार्यालय हिंदू भवन के नवनिर्मित तल का लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे। यह भवन अब नंदकिशोर रुंगटा हिंदू भवन के नाम से जाना जाएगा। इस अवसर पर विहिप के केंद्रीय महामंत्री परांडे ने कहा कि नंदकिशोर रुंगटा हिंदू भवन केवल निवास के लिए नहीं, बल्कि काशी आने वाले लोगों और संगठन की

गतिविधियों के केंद्र के रूप में कार्य करेगा। परांडे ने कहा कि यह भवन व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सार्वजनिक रूप से समाज के कार्य के लिए है और इसके संचालन के लिए हमें अपने नागरिक कर्तव्यों का अहसास करना चाहिए। यह भवन उन पूर्ण आत्माओं के प्रयासों का परिणाम है, जो हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित रही हैं। परांडे ने कहा कि आज सैकड़ों वर्षों के बाद हिंदू धर्म और संस्कृति के लिए समाज में अनुकूल वातावरण बना हुआ है, लेकिन हिंदू समाज को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हमें यह सिद्ध करना होगा कि हम हिंदू हैं, जाति, मत, पंथ या संप्रदाय से ऊपर उठकर। समाज में आज हिंदू-हिंदू से लड़ने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे वातावरण को पहचान कर उसे नाकाम करना हमारी जिम्मेदारी है।

सीमावर्ती देशों से आ रही ड्रग्स एक बड़ी साजिशउन्होंने चेतावनी दी कि आजकल समाज में शारीरिक हिंसा और साम्यवादी, जेहादी विचारधाराओं के बीच एक हिंसक माहौल बनाया जा रहा है। इसके अलावा, घटती प्रजनन दर और जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों पर भी समाज को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि

हमारे बच्चों को सीमावर्ती देशों जैसे पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, वर्मा और थाईलैंड से ड्रग्स की आपूर्ति की जा रही है। सालाना करीब 40 हजार करोड़ रुपये का ड्रग्स पकड़ा जाता है, जो हमारे संस्कारों को समाप्त करने की बड़ी साजिश का हिस्सा है।

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में हुए पहले राज्य सभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने तीन और भाजपा ने एक सीट जीती

एजेंसी

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर से राज्य सभा की चार में से तीन सीटें जीत लीं जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक सीट जीतने में कामयाब रही। यह चुनाव कड़े राजनीतिक दांव-पेंच से भरा रहा। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव हुए। यह पहली बार है जब केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से संसद के ऊपरी सदन के सदस्य चुने गए हैं। इससे पहले दिन में श्रीनगर स्थित विधानसभा परिसर में मतदान हुआ, जहां विधायकों ने तीन मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। एनसी के चौधरी मुहम्मद रमजान, सज्जाद किचलू और गुरविंदर सिंह ओबेरॉय विजयी हुए जबकि भाजपा के सत शर्मा ने चौथी सीट जीती।

ऑल इज नॉट वेल इन यूएन : एस जयशंकर ने यूएन सदस्यों पर आतंकी समूहों को बचाने का लगाया आरोप

● संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ मनाइ गई

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इस मौके पर भारत की राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपना संबोधन दिया। संबोधन के दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्यों पर आतंकी समूहों को बचाने का आरोप लगाया।भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, ÷हमें यह मानना होगा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है। उसके फैसले लेने का तरीका न तो उसके सभी सदस्य देशों की सही नुमाइंदगी करता है और न ही वह दुनिया की मुख्य जरूरतों पर ध्यान दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र में होने वाली बहसें अब बहुत ज्यादा बंटी हुई हैं और उसका कामकाज साफ तौर

पर रुका हुआ दिख रहा है। आतंकवाद के प्रति इसकी प्रतिक्रिया विश्वसनीयता की कमियों को उजागर करती है, और वैश्विक दक्षिण में विकास धीमा पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस उल्लेखनीय वर्षगांठ पर हमें आशा नहीं छोड़नी चाहिए। बहुपक्षवाद के प्रति प्रतिबद्धता, चाहे कितनी भी त्रुटिपूर्ण क्यों न हो, मजबूत बनी रहनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र का समर्थन किया जाना चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में हमारे विश्वास को नवीनीकृत किया जाना चाहिए। आज यहां हुई यह बैठक एकता और साझा उद्देश्य का संदेश देती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, बहुत ही अफसोस की बात है कि आज के दौर में भी हम कई बड़े विवाद देख रहे हैं। यह केवल मानव जीवन पर ही प्रभाव नहीं डाल रहे हैं, बल्कि इसका असर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पर भी देखने को मिल रहा है। ग्लोबल साउथ ने इस पीड़ा को महसूस किया है। यूएन में बदलाव आज के समय में बड़ी चुनौती बन गया है। यूएन सदस्यों पर आतंकी समूहों को बचाने का आरोप लगाते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया से ज्यादा, कुछ उदाहरण संयुक्त राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों को दर्शाते हैं। जब सुरक्षा परिषद का एक मौजूदा सदस्य पहलगाम जैसे बर्बर आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी लेने वाले संगठनों का खुलेआम बचाव करता है, तो इससे बहुपक्षीय संस्थाओं की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ता है? इसी तरह, अगर वैश्विक रणनीति के नाम पर आतंकवाद के पीड़ितों को ही बराबर का दर्जा दिया जाए, तो दुनिया और कितनी ज्यादा स्वार्थी हो सकती है?

एनडीए सरकार के लिए विकास सबसे बड़ी प्राथमिकता, राजद ने बिहार को पलायन का अभिशाप दिया : पीएम मोदी

● एनडीए सरकार के लिए विकास सबसे बड़ी प्राथमिकता है: प्रधानमंत्री

एजेंसी

बेगूसराय। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में उतरे और चुनावी रैलियों को संबोधित किया।उन्होंने बेगूसराय में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए सरकार के लिए विकास सबसे बड़ी प्राथमिकता है। जब औद्योगिकीकरण होगा तो नौकरियां भी आएंगी। उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि जंगलराज ने फैक्ट्रियां बंद कर दी थीं और बेगूसराय और बरौनी को पीछे धकेल दिया था, लेकिन आज बेगूसराय औद्योगिक हब बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने जंगलराज को सुशासन में बदला और अब सुशासन को समृद्धि में बदलने का समय है। बेगूसराय में बड़े-बड़े शोरूम खुल रहे हैं। बरौनी बंद हो गया था। इसके लिए गैस की जरूरत थी, गैस बिहार में नहीं थी। हमने गैस लाने की योजना बनाई।

रिफाइनरी में हजारों करोड़ का निवेश किया गया और यहां अब पेट्रोकेमिकल्स प्लांट बन रहा है। इससे छोटे उद्योग लगेंगे। उन्होंने कहा कि बरौनी का खाद कारखाना जंगलराज में पश्चिम बंगाल से बिहार के लिए पाइपलाइन बिछाई ताकि नौजवानों को रोजगार मिल सके और किसानों को खाद मिल सके। पीएम मोदी ने महागठबंधन को लठबंधन बताते हुए कहा कि महागठबंधन में एक-दूसरे की खाल खींच रहे हैं। इसमें झटक दल है, लटक दल है, पटक दल है, भटक दल है। ये लोग कैमरे के सामने आकर भले कुछ भी बोल लें। ?राजद पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि इन लोगों ने जेएमएम को पटक दिया। लेफ्ट के दल को लटका दिया। राजद को बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार बताते हुए कहा कि ये कोर्ट से जमानत पर बाहर हैं।

कांग्रेस की भी यही स्थिति है। बिहार ऐसे लोगों पर भरोसा नहीं करता है। कांग्रेस पर हमला करते हुए पीएम ने कहा कि कांग्रेस आज बिहार में राजद की पिछलग्गू है। बेगूसराय में लोगों से मोबाइल फोन निकालकर लाइट जलाने को कहा और फिर कहा कि जब लाइट है।

मैं भारत को लेकर बहुत पॉजिटिव हूं : एयरबस के चेयरमैन रेने ओबरमैन

एजेंसी

नई दिल्ली । एयरबस के चेयरमैन रेने ओबरमैन ने शुक्रवार को कहा मैंने भारत में एक हफ्ता बिताया और मैं भारत में एक्सीलेंस, इंजीनियरिंग एक्सीलेंस और क्वालिटी के लेवल से पूरी तरह हैरान रह गया।बर्लिन ग्लोबल डायलॉग (बीजीडी) के 'लीडर्स डायलॉग : ग्रोइंग टूगेदर- ट्रेड एंड अलायंस इन अ चेंजिंग वर्ल्ड' टाइटल के सेशन में ओबरमैन ने कहा कि एयरबस के लिए भारत एक स्ट्रेटेजिक लॉन्ग-टर्म पार्टनर है और हमारी बातचीत का हिस्सा यह भी था कि भारतीय टेक्नोलॉजी और देश के टेक टैलेंट की क्षमताओं का लाभ लेकर चीजों को किस प्रकार बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'भारत के साथ पार्टनरशिप को किस प्रकार आगे बढ़ाया जाए यह भी हमारी बातचीत का हिस्सा था।' ओबरमैन ने भारत को लेकर अपने विचार पेश करते हुए कहा, मैं भारत को लेकर बहुत पॉजिटिव हूं। क्या आपको लगता है कि यह चीन को पीछे छोड़ देगा इसका जवाब उन्हें देना है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने जो एम्बिशन महसूस किया, एंटरप्रेन्योरियल लेवल पर जो

एम्बिशन था, वह उससे कहीं अधिक था, जो मैंने हाल ही में दुनिया में कहीं भी एंटरप्रेन्योरियल लेवल पर सुना था, क्योंकि वे एक ऐसी स्थिति से आ रहे हैं जहां अभी भी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है।' इस बीच, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बर्लिन ग्लोबल डायलॉग (बीजीडी) के 'लीडर्स डायलॉग : ग्रोइंग टूगेदर- ट्रेड एंड अलायंस इन अ चेंजिंग वर्ल्ड' पर पैनल डिस्कशन का हिस्सा बनने पर खुशी जताई। केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पैनल डिस्कशन में हिस्सा लेकर बहुत खुशी हुई। मैंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने व्यापारिक पार्टनरशिप को लंबे समय तक आपसी ग्रोथ के नजरिए से किस प्रकार देखता है।'उन्होंने पैनल डिस्कशन को लेकर आगे जानकारी देते हुए बताया कि देश में ग्लोबल कंपनियों के लिए भविष्य में हिस्सा लेने और निर्माण करने के लिए बड़े अवसरों को भी चर्चा में शामिल किया गया।

लालू यादव के समय बिहार में जंगलराज था, जो सबने देखा है : अर्जुनराम मेघवाल

एजेंसी

जोधपुर। बिहार में एनडीए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास और सुशासन पर चुनाव लड़ रहा है। वहां एनडीए चुनाव भी जीतेगा। लालू यादव के समय बिहार में जंगलराज था, जो सबने देखा है। नीतीश कुमार के सुशासन में वहां विकास हुआ है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने यह बात जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए कही। वह शुक्रवार को जोधपुर प्रवास पर थे। अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि भाजपा सभी वर्गों की पार्टी है। इसमें सभी को समान अवसर मिलते हैं। चाहे वह युवा हों, महिला हों या कोई अन्य। लोक गायिका मैथिली ठाकुर के चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनका प्रचार अच्छा चल रहा है और वे चुनाव जीतेंगी। महागठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित

किए जाने के सवाल पर मेघवाल ने कहा, इस मामले में जो मैं पढ़ रहा हूं, वह कुछ और है। कई कांग्रेसी मित्र इसको लेकर अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं, लेकिन यह उनका अंदरूनी मामला है। मेघवाल ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बिहार को दिए गए फंड का विकास में उपयोग किया है, जो आज नजर भी आ रहा है। लालू प्रसाद यादव के राज में वहां प्रति व्यक्ति आय भी खत्म हो गई थी, जो अब बढ़ चुकी है। इसलिए बिहार का चुनाव एनडीए जीतने जा रहा है और वहां एनडीए सरकार बनेगी। क्या एनडीए मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित करेगा, इस पर मेघवाल ने कहा कि अभी हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं।

पटाखों से बच्चों में आंखों की चोट में बढ़ोतरी, अखिल भारतीय नेत्र रोग विशेषज्ञ संघ ने की कार्बाइड गन पर तत्काल प्रतिबंध की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय नेत्र रोग विशेषज्ञ संघ (एआईओएस) ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से कार्बाइड-आधारित और अस्थायी विस्फोटक पटाखों पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की अपील की है। एआईओएस ने चेतावनी दी है कि इस त्योहारी मौसम में ऐसे खतरनाक 'कार्बाइड बम' या 'कार्बाइड गन' के कारण बच्चों सहित अनेक लोगों में गंभीर नेत्र चोटें, स्थायी अंधापन और चेहरे की विकृति के मामले तेजी से बढ़े हैं। संघ ने शुक्रवार को सरकार से अपील करते हुए कार्बाइड गन पर राष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने एवं इन्हें बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। संघ ने मांग की कि केंद्र, राज्य और जिला प्रशासन प्रतिबंध को संख्ती से लागू करें। इसके साथ ही सरकार जनजागरूकता अभियान चला कर लोगों को इसके खतरों से अवगत कराएं। अखिल भारतीय नेत्र रोग विशेषज्ञ संघ के अध्यक्ष डॉ. पार्थ बिस्वास ने मडिया को जारी अपने बयान में कहा कि पटाखों से नेत्र चोटों में चिंताजनक वृद्धि चिंताजनक है। हम सरकार से तुरंत और निर्णायक कार्रवाई की अपील करते हैं ताकि दृष्टि और जीवन दोनों की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार और स्थायी विकृति का कारण बनते हैं। आने वाले छठ पूजा और अन्य त्योहारों में इन उपकरणों का उपयोग जारी रहा तो रोकथाम योग्य अंधत्व और चेहरे की गंभीर चोटों की एक

को अस्पतालों में भी इसके उपचार के लिए व्यापक व्यवस्था करनी चाहिए। नेत्र शल्य चिकित्सा उपकरण और ट्रॉमा प्रबंधन सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। एआईओएस के अध्यक्ष (निर्वाचित) डॉ. जीवन सिंह टिटियाल ने कहा कि कार्बाइड गन पारंपरिक पटाखे नहीं बल्कि रासायनिक विस्फोटक हैं, जो नेत्र जलन, कॉर्निया नष्ट होने, अंधत्व, नई लहर आ सकती है। इसलिए इसके बिक्री पर रोक लगाने की तुरंत जरुरत है।

एआईओएस के मानद सचिव डॉ. संतोष जी. होनावर ने अपील की कि सभी प्रशासनिक निकायों, विद्यालयों और अभिभावकों कार्बाइड पटाखों पर रोक लगाएं और जनजागरूकता फैलाएं। मिलकर सुनिश्चित करें कि प्रकाश पर्व अंधकार का कारण न बने।

महिला डॉक्टर ने की आत्महत्या... पुलिस सब इंस्पेक्टर पर 4 बार बलात्कार करने का आरोप

-हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में हुआ खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सतारा के फाल्टण जिला अस्पताल में एक महिला डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली। मृतका का नाम संपदा मुंडे था। अपने हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में मृतका महिला डॉक्टर मुंडे ने लिखा कि पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) गणेश बडने ने 4 बार उनका बलात्कार किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टर और जिला पुलिस के बीच एक मेडिकल एक्जामिनेशन को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। हथेली पर लिखे नोट में उन्होंने पीएसआई गणेश के अलावा एक और पुलिस कर्मी प्रशांत बांकर पर भी शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। घटना के बाद सतारा के गार्जियन मंत्री शंभूराज देसाई ने जांच का आश्वासन देकर कहा है कि दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। मामला समाने आने का बाद अब पुलिन ने पीएसआई गणेश को सस्पेंड किया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का कहा ही कि गणेश को सीधे मुख्यमंत्री फडणवीस के आदेश पर सस्पेंड किया गया है। डॉक्टर मुंडे ने मामले और पुलिस से हो रही दिक्कत के बारे में पहले भी अपने सीनियर डॉक्टरों से शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि उनके साथ गलत व्यवहार हो रहा है। अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तब वे आत्महत्या कर लेंगी। संपदा महाराष्ट्र के बीड की रहने वाली थीं और फाल्टण जिला अस्पताल में काम करती थीं। उनके साथ काम कर रहे लोगों ने बताया कि पुरानी मेडिकल जांच की वजह से बहुत प्रेशर में थी। संपदा हमेशा स्ट्रेस में रहती थी। इस मामले का संज्ञान महाराष्ट्र महिला आयोग ने भी ले लिया है। आयोग प्रमुख रुपाली चंद्राकर ने कहा है कि जांच के लिए अलग टीमें बना ली गई हैं।

गुजरात के राजकोट में महसूस किए गए भूकंप के झटके

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट जिले के गोंडल शहर और आस-पास के इलाकों में दोपहर 12ः37 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। खबरों में तीव्रता 3.6 (नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी -एनसीएस और अन्य स्रोतों के अनुसार) और 3.4 (एनसीएस के एक अन्य उल्लेख के अनुसार) बताई गई है। गांधीनगर स्थित भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार, केंद्र गोंडल से 24 किमी दूर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में एक खेत में दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। भूकंप के झटके राजकोट जिले के गोंडल शहर, जेतपुर और सौराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में महसूस किए गए। इन झटकों से किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप का एहसास होते ही लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता और दहशत का माहौल बन गया।

शराबी पति ने अपने तीन माह के बच्चे को खाई में फेंका...फिर खुद कूदकर आत्महत्या की

पौड़ी (एजेंसी)। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के पौड़ी जिले में एक मजदूर ने शराब के नशे में जो किया वह दिल दहला देने वाला है। मजदूर ने अपने 3 महीने के बेटे को कथित तौर पर खाई में फेंककर मार डाला और फिर खुद भी खाई में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। यह घटना तब हुई जब डबोली गांव निवासी मृतक 30 साल का ललित और उसकी पत्नी के बीच तीखी बहस हुई। अधिकारियों के अनुसार, ललित शराब का आदि था और इस बात पर पत्नी कमला से बहस हुई। इसके बाद पत्नी गुस्से में यह कहकर घर से निकल गई कि वह अपने तीन महीने के बच्चे के साथ अपने गांव वापस जा रही है। ये देखकर गुस्से में आए ललित ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की गोद से बच्चे को छीनकर सड़क के किनारे एक खाई में फेंक दिया। घटना के बाद, दंपति ने अपने बच्चे को खोजने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि हताश होकर ललित ने भी खाई में छलांग लगा दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने ललित को बचाया और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन वहां पहुंचने पर मजदूर को मृत घोषित किया गया। कमला के भाई प्रकाश ने बताया कि ललित और कमला का प्रेम विवाह हुआ था, लेकिन ललित कथित तौर पर शराब के नशे में कमला को पीटता था।

बिकिनी पहन महिला ने गंगा में किया स्नान, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

रिष्किकेश (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो इतने ज्यादा वायरल हो जाते हैं कि उनपर बहस छिड़ जाती है। ऐसा ही एक वीडियो अब वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में गुस्सा भड़क गया। एक विदेशी महिला बिकिनी पहनकर गंगा नदी में कूदती नजर आ रही है। अब सही और गलत पर बहस छिड़ गई। कई लोग महिला को बुरा-भला बोल रहे हैं, तो कई उसका पक्ष ले रहे हैं। एक शख्स ने कहा कि आदमी लोग कच्छा पहनकर नहाते हैं तब अनादर नहीं होता। ऋषिकेश के फेमस लक्ष्मण झूला के पास बिकिनी पहनकर गंगा में डुबकी लगाती एक विदेशी पर्यटक का वीडियो वायरल हो गया है। इससे बहस छिड़ गई है। सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर इस वीडियो ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के बीच की रेखा पर सवाल उठाए हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसमें देखा जा सकता है कि महिला बिकनी पहने खड़ी है। गले में फूलों की माला और माथे पर रोली का तिलक लगा है। वह पहले हाथ जोड़कर गंगा में स्नान करने उतर जाती है। सारी मालाओं को गंगा में बहा देती है फिर प्रार्थना कर डुबकी लगाती है। इसके बाद वह तैरने लगती है। देखा जा सकता है कि महिला किसी बुरी सोच से ऐसा नहीं कर रही बल्कि सम्मान देते हुए ही वह प्रार्थना कर रही थी। लोगों ने उसके कपड़ों पर सवाल उठा दिया। कुछ लोगों ने इसे भारत की सबसे पूजनीय नदियों में से एक की पवित्रता के प्रति अनादरपूर्ण बताते हुए इसकी आलोचना की। कुछ ने महिला का पक्ष लेते हुए जो वीडियो रिकॉर्ड कर रहा उसकी गलती बताई। एक यूजर ने लिखा कि 'मां गंगा एक पवित्र नदी है, कोई समुद्र तट या स्विमिंग पूल नहीं। सम्मान दिखाएं, सभ्य कपड़े पहनें, बिकिनी नहीं। वहीं, एक ने कहा कि लड़की के इरादे नहाते समय गलत नहीं थे। एक अन्य ने कहा कि आदमी लोग कच्छा पहन कर नहाते हैं तो वो बेइज्जती नहीं होती? उनके बारे में भी कुछ बोलना चाहिए।

1956 से पहले पिता की मृत्यु हुई तो बेटी को संपत्ति में हिस्सा नहीं: छग हाईकोर्ट

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कहा कि यदि पिता की मृत्यु 1956 से पहले हुई है, तो बेटी को उनकी पैतृक संपत्ति में हिस्सा नहीं मिलेगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 से पहले मिताक्षरा कानून लागू होगा। यह फैसला सरगुजा जिले की रघमनीया के मामले में आया, जिन्होंने 2005 में अपने पिता की संपत्ति में हिस्सा मांगा था। उनके पिता सुधिन की मृत्यु 1950-51 में हुई थी। निचली और अपील अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। 13 अक्टूबर को जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने फैसला बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि 1956 से पहले मिताक्षरा कानून के तहत केवल बेटे को संपत्ति मिलती थी। बेटी को अधिकार तभी मिलता, जब कोई बेटा न हो। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि 1956 से पहले की संपत्ति पुरुष उत्तराधिकारियों को मिलती थी। चूंकि रघमनीया के पिता की मृत्यु 1956 से पहले हुई और उनके एक बेटे थे, इसलिए रघमनीया को हिस्सा नहीं मिलेगा। यह फैसला पुरानी संपत्ति पर बेटियों के दावों को स्पष्ट करता है।

यह मामला सरगुजा जिले की रहने वाली रघमनीया का है, जिन्होंने 2005 में अपने पिता की पैतृक संपत्ति में हिस्सा मांगते हुए दीवानी वाद दायर किया था। उनके पिता, सुधिन की मौत करीब 1950-51 में हुई थी. उन्होंने कहा कि वह अपने पिता की संपत्ति की कानूनी उत्तराधिकारी हैं, लेकिन निचली अदालत और अपील अदालत दोनों ने उनकी याचिका खारिज कर दी। 13 अक्टूबर को जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की बेंच ने इन फैसलों को बरकरार रखते हुए कहा कि अगर कोई हिंदू पुरुष, जो मिथाक्षरा कानून के अधीन है, 1956 से पहले मरता है, तो उसकी संपत्ति केवल पुत्र को मिलेगी. बेटी को अधिकार तभी मिलेगा जब कोई बेटा न हो। कोर्ट ने इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के दो बड़े फैसलों का हवाला भी दिया अर्शनूर बनाम हरपाल कौर 2020 और एक अन्य केस, जिनमें कहा गया था कि 1956 से पहले विरासत में मिली संपत्ति का हक़ केवल पुरुष उत्तराधिकारियों को ही मिलेगा। चूंकि रघमनीया के पिता की मौत 1956 से पहले हुई थी और वह अपने पीछे एक बेटा छोड़ गए थे, इसलिए अदालत ने कहा कि रघमनीया को संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं बनता। हाईकोर्ट ने निचली अदालतों के फैसलों को सही ठहराते हुए कहा कि उन्होंने ÷कानून का सही अनुप्रयोग÷ किया है। यह फैसला उन तमाम मामलों पर रोशनी डालता है जहाँ बेटियाँ अपने पिता की पुरानी संपत्ति पर दावा करती हैं। अब साफ है 1956 से पहले हुई मौतों के मामलों में बेटी का हक़ लागू नहीं होगा।

ज्ञानवापी विवाद: सीलिंग कपड़ा बदलने पर जिला अदालत ले सकती है फैसला

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी जिला न्यायालय ज्ञानवापी स्थल के संबंध में एक अहम फैसला सुना सकती है, जहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वेक्षण के दौरान कथित तौर पर एक शिवलिंग पाया गया था। इस सुनवाई में यह तय होने की उम्मीद है कि विवादित क्षेत्र को ढकने वाले खराब हो चुके सीलिंग कपड़े को बदला जाना चाहिए या नहीं। ज्ञानवापी परिसर में कोर्ट के आदेश पर हुई सर्वेक्षण में शिवलिंग मिलने के बाद उस क्षेत्र को सील कर दिया गया था। कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सील किए गए हिस्से में मौजूद मछलियों को वुजूखाने में स्थानांतरित किया जाए, लेकिन अब, सीलिंग कपड़ा पूरी तरह खराब हो चुका है। ऐसे में, वराणसी जिला अदालत से उम्मीद है कि वह क्षेत्र की सुरक्षा बनाए रखने और विवादों को रोकने के लिए नया कपड़ा लगाकर दोबारा सील करने का फैसला लेगी। बता दें 12 सितंबर 2022 को वाराणसी जिला न्यायालय ने विवादित परिसर में हिंदू देवी-देवताओं की दैनिक पूजा-अर्चना की अनुमति मांगने वाली पांच हिंदू महिलाओं की याचिका पर आपत्तियों को खारिज कर दिया था। आदेश में स्थल की धार्मिक पहचान पर प्रश्न उठाने वाली सुनवाई जारी रखने की अनुमति दी गई, जिससे प्रभावी रूप से पूजा स्थल के बारे में चर्चा पुनः शुरू हो गई, यह कानून पूजा स्थलों के धार्मिक चरित्र को उसी रूप में बनाए रखने के लिए बनाया गया था, जैसा कि वे 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में थे। यह मामला अगस्त 2021 में शुरू हुआ, जब पांच हिंदू महिलाओं ने वाराणसी सिविल कोर्ट में एक याचिका दायर कर ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर कथित रूप से स्थित मूर्तियों की पूजा करने की अनुमति मांगी। याचिका के बाद, एक जांच आयोग ने मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण किया, जिसमें हिंदू याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि वजूखाना के अंदर एक शिवलिंग था।

केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब को लेकर जो कहा वह बर्दाश्त नहीं कर सकते

-आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर के संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को लेकर दिए बयान पर आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा है कि केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब के लिए जो बातें कही हैं, उन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते है। खट्टर का बयान सिर्फ एक नेता का बयान नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की दलित विरोधी सोच और नफरत को दिखाता है। आप प्रवक्ता ढांडा ने कहा कि बाबा साहब को संविधान निर्माता के रूप में छोटा दिखाने की कोशिश सीधा-सीधा दलित समाज का अपमान है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का इतिहास बाबा साहब और दलित समाज के अपमान से भरा पड़ा है। संसद में आंबेडकर को ट्रेंड बताकर उनका मजाक उड़ाया गया। संविधान बदलने की बात कर उनके बनाए संविधान को ठुकराने की कोशिश की गई। इतना ही नहीं दलित समाज से आने वाले जज पर हमला कर उन्हें बदनाम करने की मुहित चलाई गई।

उन्होंने कहा कि अब केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब की भूमिका पर सवाल उठाकर वहीं बीजेपी की गंदी सोच दोहरा दी है। आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि खट्टर की सोच बेहद घटिया और नफरत से भरी हुई है। हरियाणा में मुख्यमंत्री रहते हुए खट्टर ने दलित समाज को कमजोर करने, बांटने और उनके अधिकारों को खत्म करने की हर कोशिश की। उन्होंने कहा कि अब वह (खट्टर) बाबा साहब पर टिप्पणी कर अपनी छोटी मानसिकता और बीजेपी की विचारधारा को सामने ले आए हैं।

धर्मांतरण विरोधी कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल, कहा- भारत की धर्मनिरपेक्षता का ध्यान रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लागू धर्मांतरण विरोधी कानून को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने सवाल उठाए। न्यायालय ने कहा कि इस कानून के जरिए धर्म बदलने की इच्छा रखने वालों के लिए प्रक्रिया को जटिल किया गया है। इन सबके बाद भी हमें ये ख्याल रखना होगा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में सरकारी अधिकारियों की भागीदारी और हस्तक्षेप पर चिंता जताई। पीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह कानून धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में सरकारी मशीनरी की दखलअंदाजी बढ़ाने के लिए बनाया गया है। हालांकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस कानून की वैधता पर अभी विचार नहीं किया जा सकता। पीठ ने याद दिलाया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा से धर्म परिवर्तन कर सकता है। पीठ ने कहा कि इस मामले में उत्तर प्रदेश धर्मांतरण अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता पर विचार करना हमारे क्षेत्र में नहीं है। फिर भी, हम यह मानने से खुद को रोक नहीं सकते कि धर्म परिवर्तन से पहले और बाद में घोषणा से संबंधित नियम व्यक्ति के लिए धर्म परिवर्तन की औपचारिकता को जटिल करते हैं। यह स्पष्ट है कि इन नियमों के जरिए धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में अधिकारियों का हस्तक्षेप बढ़ाया गया है। यहां तक कि जिला मजिस्ट्रेट को प्रत्येक धर्म परिवर्तन मामले में पुलिस जांच का निर्देश देने के लिए बाध्य किया गया है। न्यायालय ने धर्म परिवर्तन के बाद घोषणा की अनिवार्यता पर भी सवाल उठाए। कोई व्यक्ति किस धर्म को अपनाता है, यह उसका निजी मामला है। इस संबंध में घोषणा की बाध्यता निजता के खिलाफ है। यह विचारणीय है कि किसी को यह बताने की क्या जरूरत है कि उसने धर्म परिवर्तन किया और अब वह किस धर्म को मानता है। इस पर विचार करना होगा कि क्या यह नियम निजता के प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता। राज्य में धर्म परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया को लेकर पीठ ने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना और धर्मनिरपेक्ष प्रकृति पर ध्यान देना जरूरी है। न्यायालय ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे इसकी महान और दिव्य दृष्टि के आधार पर पढ़ा जाना चाहिए। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि हालांकि 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द 1976 में संशोधन के माध्यम से संविधान में जोड़ा गया, फिर भी धर्मनिरपेक्षता संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा है, जैसा कि 1973 के केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के फैसले में कहा गया था।

पाकिस्तान में बैठी 'शातिर हसीना' ने भारतीय अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कई हनीट्रैप कांड हो चुका हैं। ये हरकत पाकिस्तान ने ही करवाई थी, जिसमें एक 'शातिर हसीना' का नाम सामने आया था। इस हसीना ने भारत के बड़े-बड़े पदों पर बैठे 98 अधिकारियों को फंसाया था। ये जासूस इतनी चालाकी से काम करती थी कि किसी को कानों-कान खबर तक नहीं होती थी। फिर एक दिन शातिर हसीना की पोल खुली और सामने आया कि वो किस तरह अपने मिशन को अंजाम देती थी। ये पाकिस्तानी स्पाई असल में एक हैकर थी, जो ऑनलाइन अपने शिकार को फंसाती थी। इस शातिर हसीना का नाम सेजल कपूर था। इस स्पाई ने भारतीय रक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों को टारगेट किया था। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ये काम पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) से जुड़े उन पाकिस्तानी जासूसों का था, जो भारतीय लड़कियों के नाम से फेसबुक आईडी बनाते थे, जिसमें से एक का नाम सेजल कपूर था। सेजल तीन सालों तक एक्टिव थी और इस दौरान उसने 98 भारतीय अधिकारियों को फंसाया, जिसमें से आर्मी, नेवी, एयरफोर्स, पुलिस विभाग में काम करने वाले ऑफिशियल्स शामिल थे। साल 2015 से 2018 के बीच मिशन के दौरान वह ऑनलाइन चैटिंग करते-करते अधिकारियों के कंप्यूटर्स को हैक करती थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो चैटिंग के दौरान वह शिकार को 'विस्पर' नाम का मैसेंजर डाउनलोड करने के लिए कहती थी, जो असल में एक मैलवेयर है। इस चैट करने के लिए एक कोड का इस्तेमाल किया जाता था, जो सेजल को जाता था। सॉफ्टवेयर और कोड के जरिए वह सारा डेटा हैक कर लेती थी।

राज्यसभा चुनाव में एनसी उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे कांग्रेसी विधायक

तीन सीटों पर एनसी प्रतिद्वंदी को तो चौथी पर बीजेपी को मिल सकती है बढ़त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सभी कांग्रेस विधायक राज्यसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) की गुरुवार देर शाम श्रीनगर में हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया था। एनसी को समर्थन देने के अपने फैसले की घोषणा करके, कांग्रेस ने पार्टी के साथ अपने राजनीतिक गठबंधन की पुष्टि की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने घोषणा की कि सभी छह कांग्रेस विधायक एनसी उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करेंगे।

बैठक के बाद कर्रा ने इस बात पर जोर दिया कि बीजेपी को हराना कांग्रेस-एनसी गठबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ हमारा गठबंधन मजबूत और सैद्धांतिक है। हमारा लक्ष्य यह तय करना है कि इन चुनावों में बीजेपी को हार का सामना करना पड़े। राज्यसभा चुनाव गठबंधनों की ताकत की परीक्षा लेगा और पार्टियों में किसी भी दरार को उजागर कर सकता है। दोनों पक्ष निर्णायक दिन के लिए तैयार हैं; अब सबकी नजरें आंकड़ों पर हैं। एनसी ने चार उम्मीदवार उतारे हैं जिनमें मोहम्मद रजवान चौधरी, सजाद किचलू, शमी ओबेरॉय और इमरान नबी डार। वहीं बीजेपी ने तीन सीटों के लिए तीन उम्मीदवार उतारे हैं। चौथी सीट के लिए बीजेपी ने अपने केंद्र शासित प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सत शर्मा को मैदान में उतारा है। एनसी को तीन सीटों पर प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त है, जबकि चौथी सीट पर बीजेपी को एनसी गठबंधन पर बढ़त है, 28 वोटों के मुकाबले एनसी के 24 वोट। पीडीपी ने तीसरी सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन देने की घोषणा की है। 90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सभी निर्वाचित विधायक राज्यसभा चुनाव में मतदान करने के पात्र हैं। ये चुनाव करीब 10 सालों के बाद हो रहे हैं और फरवरी 2021 के बाद जम्मू-कश्मीर में कोई सक्रिय विधानसभा नहीं होने के कारण ये चुनाव नहीं हो पाए थे।

जयशंकर ने यूएन को दिखाया आइना... सुरक्षा परिषद का एक सदस्य देश आंतक का समर्थक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की आतंकवाद के प्रति प्रतिक्रिया पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा परिषद का एक सदस्य देश खुलेआम उस संगठन की रक्षा करता है, जो भारत में पहलगाम जैसे बर्बर आतंकी हमलों की जिम्मेदारी लेता है, तब इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर गहरा असर दिखाता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना अधिक निंदनीय बना देता है। जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तब इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है।

केंद्रीय मंत्री जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए आतंकवाद के प्रति उसकी प्रतिक्रिया एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने चिंता जाहिर कि सुरक्षा परिषद का एक स्थायी सदस्य खुले तौर पर उन संगठनों का बचाव करता है जो पहलगाम जैसे भयानक आतंकवादी हमलों की जिम्मेदारी लेते हैं।

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा, हमें मानना होगा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है। इसकी निर्णय प्रक्रिया न इसके सदस्यों को प्रतिबिंबित करती है और न ही वैश्विक प्राथमिकताओं को संबोधित करती है। इसकी बहसें तेजी से ध्रुवीकृत हो गई हैं और इसका कामकाज स्पष्ट रूप से अवरुद्ध हुआ है। किसी भी सार्थक सुधार को सुधार प्रक्रिया के माध्यम से ही बाधित होता है। अब, वित्तीय बाधाएं एक अतिरिक्त चिंता के रूप में उभरी हैं। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र के 80वीं वर्षगांठ के मौके पर कहा कि दुनिया आज कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें सामाजिक-आर्थिक प्रगति, व्यापारिक नियम और सप्लाई चेन पर निर्भरता शामिल है। उन्होंने कहा कि इन मुश्किलों के बावजूद, बहुपक्षवाद के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत रहनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र का समर्थन किया जाना चाहिए।

दिल्ली में रेखा गुप्ता सरकार ने महिला कर्मचारियों को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में महिला कर्मचारी अब दुकानों और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में राम में काम कर सकेंगी। दिल्ली सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी औपचारिक मंजूरी दे दी है। हालांकि, इसके लिए महिला कर्मचारियों की लिखित सहमति अनिवार्य होगी।

दिल्ली सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हर कर्मचारी को ओवरटाइम पर सामान्य वेतन का दोगुना भुगतान मिलेगा और साप्ताहिक कार्य की अधिकतम सीमा 48 घंटे तय की गई है। इसके साथ ही सभी प्रतिष्ठानों में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) बनाना भी अनिवार्य किया गया है।

महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति देने के प्रस्ताव को साल की शुरुआत में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंजूरी दी थी। इसके बाद श्रम विभाग ने दिल्ली दुकानदार एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम, 1954 में दो नए प्रावधान जोड़े हैं, जो महिलाओं की नियुक्ति और उनके कार्य की शर्तों से संबंधित हैं। महिला कर्मचारियों को नाइट शिफ्ट में तभी लगाया जा सकेगा जब वे इसके लिए लिखित रूप से सहमत हों। कोई भी कर्मचारी किसी भी दिन 9 घंटे से अधिक (भोजन-विश्राम सहित) और सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम नहीं कर सकेगा। लगातार 5 घंटे से ज्यादा काम करवाने की अनुमति नहीं होगी। नाइट शिफ्ट या ओवरटाइम करने वाले कर्मचारियों के लिए सुरक्षा, परिवहन और उपयुक्त सुविधाओं की व्यवस्था नियोक्ता को करनी होगी। ओवरटाइम का भुगतान दोगुना वेतन दर पर किया जाएगा। शिफ्ट प्रणाली इस तरह बनाई जाएगी कि किसी भी कर्मचारी को सिर्फ नाइट शिफ्ट में ही काम करने के लिए मजबूर न किया जाए। सुरक्षा और निगरानी के लिए भी प्रावधान नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हर प्रतिष्ठान जहां महिलाएं कार्यरत होंगी, वहां यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून, 2013 के तहत आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) गठित की जाएगी। साथ ही इसतरह के सभी वर्क प्लेस में सीसीटीवी लगाए जाएंगे और उनकी फुटेज कम से कम एक महीने तक सुरक्षित रखी जाएगी। जरूरत पड़ने पर यह रिकॉर्डिंग मुख्य निरीक्षक (शॉप्स विभाग) को प्रस्तुत करनी होगी।

दोस्त से थी रंजिश, युवक पर किया जानलेवा हमला

नई दिल्ली। मधु विहार में दोस्त से रंजिश का बदला लेने के लिए कुछ हमलावरों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावर युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर भाग गए। पीड़ित की पहचान अभिजीत के रूप में हुई है। उसकी हालत गंभीर है और अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के जरिये हमलावरों की पहचान कर एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पकड़ लिया है। इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर हुआ है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि 22 अक्टूबर को देर रात पुलिस को पश्चिम विनोद नगर में एक युवक को चाकू मारे जाने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अभिजीत को लाल बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित के गर्दन, छाती, पीठ और हाथ पर चाकू के घाव थे। उसने पुलिस को बताया कि वह खोड़ा कॉलोनी का रहने वाला है और मंडावली में टेंट और लाइट लगाने का काम करता है। रात में वह साथियों के साथ गाड़ी पर सामान लादने के लिए सड़क पर खड़ा होकर बातचीत कर रहा था। तभी स्कूटी पर चार युवक आए। इन लड़कों की उसके दोस्त से रंजिश चल रही है। पीड़ित को देखते ही उनलोगों ने जान से मारने की बात कही। वह डरकर गली में भाग गया। चारों ने उसका पीछा कर उसपर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी अरुण कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरे की जांच की। फुटेज के जरिये पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली। उसके बाद पुलिस ने तकनीकी जांच कर एक नाबालिग के साथ दो आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों की पहचान वेस्ट विनोद नगर निवासी रोहन चौधरी और हर्ष के रूप में हुई। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चाकू बरामद कर लिया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि? रोहन चौधरी बीसीए की पढ़ाई कर रहा है, वहीं हर्ष पेशे से फोटोग्राफर है।

फिदायीन हमले की ट्रेनिंग ले रहे थे पुलिस के हत्थे चढ़े संदिग्ध आतंकी

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़े संदिग्ध आतंकी मोहम्मद अदनान (दिल्ली) और अदनान खान (भोपाल) फिदायीन हमले की ट्रेनिंग ले रहे थे। ये दोनों दिल्ली में फिदायीन हमले की फिराक में थे। दिल्ली पुलिस ने संदिग्धों को दबोच कर दिल्ली को दहलाने से बचा लिया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने बताया कि मोहम्मद अदनान ने सीरिया स्थित हैंडलर के माध्यम से वर्तमान आईएसआईएस खलीफा अबू हफ्स अल-हाशिमी अल-कुरैशी से बैयाह (वफादारी की शपथ) लेने की बात स्वीकार की है। सबूत के तौर पर इंस्पेक्टर सुनील राजैन और इंस्पेक्टर धीरज महलावत ने इनसे वीडियो भी जब्त की है। बैयाह का वीडियो उस समय रिकॉर्ड किया गया था जब संदिग्ध आईएसआईएस की पोशाक पहने हुआ था। यह मॉड्यूल संपादित जिहादी वीडियो प्रसारित करके युवाओं की भर्ती के लिए सोशल मीडिया चैनल चलाता था। दोनों कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय थे और उनका इस्तेमाल चरमपंथी सामग्री फैलाने, अनुयायियों की भर्ती करने और गतिविधियों का समन्वय करने के लिए कर रहे थे। भोपाल के संदिग्ध को पहले यूपी एटीएस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। 2024 में जमानत मिलने के बाद उसने मुख्य रूप से ऑनलाइन भर्ती और दुष्प्रचार प्रसार के माध्यम से आतंकवाद से संबंधित गतिविधियां फिर से शुरू कर दीं। इंस्पेक्टर मान सिंह व इंस्पेक्टर धीरज महलावत की टीम ने विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए 16 अक्तूबर को दक्षिण दिल्ली के सादिक नगर में घेराबंदी कर मोहम्मद अदनान खान को उसके घर के पास सड़क पर से हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ में उसने कई अहम खुलासे किए। उसने बताया कि वह सोशल मीडिया के जरिए भोपाल के एक युवक के संपर्क में था। दिल्ली के मोहम्मद अदनान ने आईएसआईएस के लिए बैअत लेते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड करने और उसे अपने विदेशी हैंडलर को भेजने की बात स्वीकार की। उसने आईएसआईएस खलीफा अबू हफ्स अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति निष्ठा की शपथ लेने की भी बात स्वीकार की। उसके घर की तलाशी के दौरान तीन मोबाइल बरामद किए गए। इनमें आईएसआईएस से जुड़ी सामग्री, तस्वीरें और रिमोट डेटोनेशन सिस्टम, प्लास्टिक बम और मोलोटोव कॉकटेल बनाने के निर्देश, एक पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, एक आईएसआईएस झंडा, बैअत के दौरान इस्तेमाल किए गए कपड़े और एक आईईडी में इस्तेमाल के लिए बनाई गई टाइमर घड़ी शामिल है। अदनान खान को मध्य प्रदेश पुलिस (भोपाल एटीएस) के सहयोग से 18 अक्तूबर को करोंद, भोपाल, मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि ऑनलाइन जिहादी सामग्री देखने के बाद वह कट्टरपंथी हो गया था और उसने अपने इंस्टाग्राम चैनल पर धमकी भरी सामग्री पोस्ट की थी। इनमें एक अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश को धमकी देने वाला पोस्ट भी शामिल था। जब न्यायाधीश ने ज्ञानवापी का वीडियो सर्वेक्षण करने का आदेश दिया था। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के एटा का रहने वाला आरोपी मोहम्मद अदनान खान मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखता है। उसके पिता सलीम खान दूरदर्शन में ड्राइवर के रूप में कार्यरत हैं और उसकी मां अंजुम खान गृहिणी हैं। उसकी तीन बड़ी बहनें हैं, सभी विवाहित हैं। उसने एटा में दसवीं कक्षा की पढ़ाई पूरी की। 2022 में उसके पिता के तबादले के बाद परिवार दिल्ली आ गया। मोहम्मद अदनान ने दिल्ली में पढ़ाई फिर से शुरू करने की कोशिश की लेकिन परीक्षा पास नहीं कर पाया। 2025 में डेटा सूचना प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा पूरा किया। मोहम्मद अदनान ने बताया कि 2023 में सादिक नगर में सरकारी आवास मिलने के बाद इंस्टाग्राम पर कट्टरपंथी पेजों को फॉलो करना शुरू कर दिया। वह एक कट्टरपंथी ग्रुप में शामिल हो गया। इसमें शुरुआत में 25-30 सदस्य थे। मध्य प्रदेश के भोपाल के करोंद निवासी अदनान खान भी मध्यमवर्गीय परिवार से है। इसके पिता सलाम विभिन्न निजी फर्मों में अकाउंटेंट के रूप में काम करते हैं और मां एक अंशकालिक अभिनेत्री हैं। भोपाल से 12वीं कक्षा पूरी की और वर्तमान में ईदगाह, भोपाल में एक व्यक्ति के मार्गदर्शन में चार्टर्ड अकाउंटेंसी की पढ़ाई कर रहा था। 12वीं कक्षा के बाद अदनान खान ने जिहादी पेजों और चैनलों को फॉलो करना शुरू कर दिया और आईएसआईएस की विचारधारा से प्रभावित हो गया। इन दोनों संदिग्ध आतंकियों के पाकिस्तानी आईएसआईएस से भी लिंक उजागर हुए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या ये आतंकी पाकिस्तानी आईएसआईएस के इशारे पर ही दिल्ली को दहलाने की साजिश रच रहे थे? सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि एक महीने के भीतर मध्य प्रदेश से आईएसआईएस मॉड्यूल में दूसरी गिरफ्तारी हुई है। इससे पहले राजगढ़ जिले के ब्यावरा कस्बे से कमरान कुरैशी को स्पेशल सेल ने पकड़ा था।

डीआरआई ने दिल्ली-एनसीआर में पकड़ी ड्रग की बड़ी खेप

ग्रेटर नोएडा। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने एक बार फिर मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सक्रिय एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग निर्माण और वितरण नेटवर्क को ध्वस्त किया है। तीन दिन तक चले इस विशेष अभियान में डीआरआई ने करीब 108.81 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ और रासायनिक सामग्री जब्त की है। जबकि 26 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई की सूचना के मुताबिक 21 से 23 अक्टूबर के बीच दिल्ली, गुरुग्राम और ग्रेटर नोएडा में एक साथ कार्रवाई की गई। डीआरआई को खुफिया सूचना मिली थी कि एनसीआर क्षेत्र में विदेशी नागरिकों का एक गिरोह मेथामफेटामाइन और अन्य सिंथेटिक ड्रग्स का निर्माण कर उन्हें विदेशों में सप्लाई कर रहा है। सूचना के आधार पर डीआरआई की टीम ने ग्रेटर नोएडा के ओमिक्रॉन-1 स्थित बहुमंजिला इमारतों से दूर एक सुनसान खेत में बने गुप्त ठिकाने पर छानबीन की। यहां से 11.40 किलोग्राम एम्फेटामाइन और 110.923 किलोग्राम रासायनिक पदार्थ बरामद किए गए। जिनका उपयोग मेथ बनाने में किया जा रहा था। यहां से ड्रग्स बनाने में उपयोग हो रहे सामान को जब्त कर लिया गया। टीम ने मौके से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर गिरोह के मुख्य सरगना को गुरुग्राम स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके कब्जे से 1.33 किलोग्राम एम्फेटामाइन और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए। डीआरआई अधिकारियों ने बताया कि गुरुग्राम में गिरफ्तारी के बाद पश्चिमी दिल्ली में एक अन्य ठिकाने की पहचान की। यहां भी नशीले पदार्थों का भंडारण और वितरण किया जा रहा था। संकरी गलियों और घनी आबादी वाले क्षेत्र में अभियान चलाना टीम के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। जब टीम ने परिसर में प्रवेश किया, तो बड़ी संख्या में असामाजिक तत्वों ने विरोध करने और साक्ष्य नष्ट करने की कोशिश की। इसके बावजूद डीआरआई ने दिल्ली पुलिस के सहयोग से शांत और रणनीतिक तरीके से क्षेत्र की घेराबंदी कर तलाशी अभियान को अंजाम दिया। तलाशी के दौरान वहां से 7.79 किलोग्राम कोकीन, 1.87 किलोग्राम हेरोइन, 3.54 किलोग्राम एम्फेटामाइन, 2 किलोग्राम गांजा, 0.15 किलोग्राम मेथाक्वालोन और 4.50 किलोग्राम रासायनिक पदार्थ बरामद हुए। इसके अलावा टीम को परिसर से 37 लाख रुपये नकद भी मिले। जिनके बारे में संदेह है कि यह रकम ड्रग तस्करी से अर्जित की गई थी। तीन दिन तक चले इस अभियान के दौरान डीआरआई ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी करते हुए कुल 16.27 किलोग्राम एम्फेटामाइन, 7.9 किलोग्राम कोकीन, 1.8 किलोग्राम हेरोइन, 2.13 किलोग्राम गांजा और 115.42 किलोग्राम रासायनिक पदार्थ जब्त किए। इन सभी नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में अनुमानित कीमत 108.81 करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारियों के मुताबिक गिरफ्तार किए गए 26 विदेशी नागरिकों में अधिकांश अफ्रीकी मूल के हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह लोग भारत में किराए के घरों और फार्म हाउसों में ड्रग निर्माण और पैकिंग का काम करते थे। जबकि नेटवर्क के अन्य सदस्य वितरण और अंतरराष्ट्रीय ट्रांसपोर्टेशन में शामिल थे। डीआरआई के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में चलाया गया। कई बार स्थानीय तत्वों ने बाधा डालने की कोशिश की, लेकिन एजेंसी ने संयम और सटीक रणनीति से सभी ऑपरेशनों को सफलतापूर्वक पूरा किया। मामले की जांच अभी जारी है। डीआरआई अब गिरफ्तार विदेशी नागरिकों से पूछताछ कर उनके अंतरराष्ट्रीय संपर्कों, सप्लाई चैनल और धन के स्रोतों की पड़ताल कर रही है।

झगड़े में पत्नी पर किया चाकू से हमला

नई दिल्ली। आईपी एस्टेट इलाके में घरेलू विवाद में पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान मोहम्मद याकूब के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि 19 अक्तूबर को आईपी एस्टेट थाना पुलिस को माता सुंदरी रोड स्थित झुग्गी में एक महिला को चाकू मारे जाने की जानकारी मिली। पुलिस ने घायल महिला को तुरंत लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया। महिला के छाती के नीचे चाकू लगा था और वह बयान देने की हालत में नहीं थी। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया। छानबीन में पता चला कि महिला पर उसके पति याकूब ने हमला किया है। घटना से पहले उसकी पत्नी से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। घटना के बाद आरोपी पति भाग गया था। पुलिस को आरोपी की लोकेशन महावत खान रोड के पास मिली। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी और बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

पानी से भरे प्लॉट में डूबने से छह साल की बच्ची की मौत

नई दिल्ली। प्रेमनगर के रामा विहार इलाके में पानी से भरे प्लॉट में डूबने से छह साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की शिनाख्त प्रियांशी के रूप में हुई है। घटना के समय बच्ची घर से खेलने के लिए निकली थी और उसके बाद गायब हो गई थी। पुलिस ने बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि 23 अक्तूबर की शाम छह बजे रामा विहार निवासी मनोज कुमार ने 112 नंबर पर अपनी छह साल की बेटी प्रियांशी के गायब होने की शिकायत की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मनोज ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी शाम को घर से खेलने के लिए निकली थी। काफी देर तक वापस नहीं आने पर परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन वह नहीं मिली। छानबीन के दौरान पुलिस ने पाया कि मनोज के घर के पास का इलाका जलमग्न था। वहां खाली प्लॉट में जलभराव था। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर वहां की तलाशी ली। कुछ देर बाद बच्ची का शव पानी में तैरता हुआ मिला। पानी से निकालने के बाद पुलिस बच्ची को लेकर संजय गांधी अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि माता-पिता और रिश्तेदारों ने पोस्टमार्टम कराने में अनिच्छा दिखाई लेकिन बाद में वह मान गए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। परिवारवालों ने बताया कि मनोज जूता की फैक्टरी में काम करता है। प्रियांशी पहली कक्षा में पढ़ती थी।

सेवानिवृत्त बैंकर को डिजिटल अरेस्ट कर 22.92 करोड़ की ठगी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के गुलमोहर पार्क में रहने वाले सेवानिवृत्त बैंकर को डिजिटल अरेस्ट कर 22.92 करोड़ की ठगी का मामला सामने आया है। अपराधियों ने पीड़ित को छह सप्ताह तक डिजिटल कैद में रखा। पुलिस ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से अशोक, मोहित, अमित, समरजीत और कनकपाल को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें तीन बैंक खाता धारक, एक बिचौलिया और एक एनजीओ संचालक शामिल है। पुलिस का कहना है कि यह दिल्ली का अब तक का सबसे बड़ा डिजिटल अरेस्ट का मामला है और इसके तार कंबोडिया में बैठे चीनी साइबर अपराधियों से जुड़े हैं। ठगों ने पहले एक महिला के जरिये मल्होत्रा को फंसाया, जिसने खुद को एक दूरसंचार कंपनी की वरिष्ठ अधिकारी बताया। उसने आरोप लगाया कि पीड़ित का मोबाइल नंबर अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल हो रहा है। इसके बाद मुंबई पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई अधिकारी बनकर कई अन्य ठग वीडियो कॉल पर सामने आए और जांच के नाम पर उन्हें मानसिक रूप से कैद कर लिया। पुलिस के मुताबिक, ठग हर दो घंटे में वीडियो कॉल करते थे ताकि पीड़ित कहीं संपर्क न कर सके। उन्हें गोपनीयता की शपथ के नाम पर एक सादे कागज पर हस्ताक्षर करवा कर उसकी फोटो व्हाट्सएप पर मंगाई गई थी। जांच में खुलासा हुआ है कि ठगों ने उत्तराखंड के एक गांव में एनजीओ चलाने वाले कनकपाल को कमीशन के लालच में अपने नेटवर्क से जोड़ा। ठगी के पैसे उसके एनजीओ के बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए ताकि विदेशी फंडिंग जैसी वैधता का आभास दिया जा सके। पुलिस टीम ने अब तक 2,500 बैंक खातों को फ्रीज किया है, जिनमें से करीब 3 करोड़ रुपये की राशि रोकी गई है। बताया जा रहा है कि यह गिरोह दक्षिण-पूर्व एशिया से संचालित होता है और भारत में अपने एजेंटों के जरिये काम करता है। कंबोडिया में बैठे ठग बैंक खातों और एनजीओ के नेटवर्क से पैसे बाहर भेजते हैं। पुलिस को आशंका है कि इस गिरोह ने देशभर में कई लोगों को इसी तरह डिजिटल अरेस्ट कर ठगा है।

NAME CHANGE

I, Divakar Nath Mishra S/o Ram ji Mishra R/o BH-1/99 First Floor, Pratap Vihar, Sector-12, Ghaziabad,Uttar Pradesh-201009 have changed the name of my minor daughter namely Dipakshi Poonam aged 12 years and she shall hereafter be known as Deepakshi Mishra.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SUJAL S/O BINOD RAY R/o House No.38, Sarai Pipal Thala, Adarsh Nagar, North West Delhi, Delhi-110033 declare that name of my father has been wrongly written as VINOD RAY in my 10th and 12th Class CBSE Marks Statement Cum Certificate and VINOD RAI in my Birth Certificate. The actual name of my father is BINOD RAY, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Dev Dutt Sharma S/o Om Parkash Sharma R/o H.No-11/78 Mochi Baghi Nanak Pura Guru Dwara Moti Bagh Nanak pura South West Delhi, Delhi-110021 declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as Dev Dutt and Vansh in my minor son Vansh Sharma aged 15 years in his School Records. The actual name of mine and my minor son are Dev Dutt Sharma and Vansh Sharma.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, SADHURAM TAKSHAK S/O BHAGWAN SAHAI Permanent R/O RAMCHANDARPURA, LADPURA, BARIJORI, JAIPUR, RAJASTHAN-303103 and presently residing at 39TH ITB POLICE FORCE, CAMP-LAKHANA WALY, PO: SURAJPUR, DIST. GAUTAM BUDH NAGAR, GRETOR NOIDA, UTTAR PRADESH, declare that name of mine and my father have been wrongly written as SADHU RAM and BHAGWAN SINGH in my service record. The actual name of mine and my father are SADHURAM TAKSHAK and BHAGWAN SAHAI respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Vijay Kumar S/o Ishwardayal residing at House No. 1780, Sanjay Basti, Timarpur, Civil Lines, Delhi – 110054 declare that name of mine has been wrongly written as Vijay in my school record. The actual name of mine is Vijay Kumar which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, No-15416317Y Rank-HAV Name-SUVENDU MONDAL Presently residing at VILL-UMRAPATA, PO-KEYAMACHA, TEH-MIDNAPORE, DIST-WEST MIDNAPORE, WEST BENGAL-721253, have changed my father's name from PHANI BHUSAN MONDAL to PHANI MANDAL for all future purposes vide Affidavit dated 24/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NIRMLA DEVI wife of NO-13700328N, Rank-EX-DFR, Name-LATE KAMAL SINGH residing at RZ-31B, ROSHAN VIHAR PHASE-1, B BLOCK, SAHI DHARAM KATA, NAJAFGARH, DELHI-110043, have changed my name from NIRMLA DEVI to NIRMALA DEVI for all future purposes, in my husband's service record /PPO my date of birth wrongly mentioned as 05/04/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1954 Vide Affidavit dated 24/10/2025 before Notary Public Delhi

सार्वजनिक सूचना

यह कि, **श्री महेश मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड से 52 वर्ग गज के मकान के लिए ऋण मांग रहे हैं, जिसमें खेवट/खाता संख्या 4/4 मुस्तकिल संख्या 228 किला संख्या 13/2(0-16), 14(7-15), 17/4(3-18), 27(0-10) शामिल हैं, जो वाका सिवाना मौजा फरुखनगर, तहसील फरुख नगर और जिला गुड़गांव, (हरियाणा) में स्थित है; इसके बाद उक्त संपत्ति के रूप में संदर्भित**; यह कि **श्री महेश** ने हमें यह समझाया है कि पिछले मालिक **श्री आशुतोष कुमार पुत्र श्री सुरेंदर सिंह ने** निम्नलिखित दस्तावेज अर्थात **ट्रांसफर डीड 805 दिनांक 12.06.2018 एलआर संख्या 132270412501166** कहीं खो दिया है या गलत जगह रख दिया है, जो पता लगाने योग्य नहीं हैं या मिल नहीं सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति या किसी व्यक्ति को कानूनी उत्तराधिकारियों, बंधक, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या अन्य किसी माध्यम से उक्त दस्तावेजों पर कोई दावा प्राप्त हुआ है या है या उक्त दस्तावेजों पर कोई आपत्ति है तो वह प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में हस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें, इन उपरोक्त दस्तावेजों को ऐसे दावों के लिए शून्य और अमान्य घोषित किया जाना चाहिए और यदि कोई हो तो उसे माफ कर दिया जाएगा और ऐसा न करने पर, वह उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा करने के लिए आगे बढ़ेगा जैसे कि उक्त संपत्ति के संबंध में कोई तीसरे पक्ष का दावा/आपत्ति/विवाद नहीं है और उसके बाद कोई दावा/आपत्ति/विवाद स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स, एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल - 09991119392

NAME CHANGE

I, PIYUSH PAL S/o RAJKUMAR R/o H.No. 6, Gali No. 1, Ward No.-23, Anand Vihar, Loni, Dehat Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, hereby undertake that I, PIYUSH PAL want to change my name to PIHU KINNAR and gender as FEMALE.

NAME CHANGE

I, PIYUSH PAL henceforth be known as PIHU KINNAR D/o RAJKUMAR. The above statement made by me is true & correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same and, the Department of Publication will not be liable for any consequences arising therefore.

NAME CHANGE

I, KM KIRAN DOHARE W/O MANOJ SINGH R/O FLAT NO 1011,10TH FLOOR, TOWER 7-B GRAND IVA SOCIETY NEAR DWARKA EXPRESS WAY, SECTOR-103, GURGAON, HARYANA-122006, I HAVE CHANGED MY NAME KIRAN SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, AJIT KUMAR, S/O CHHIDDA RAM, R/O VPO KHERKI MAJRA, DHANKOT (52), GURGAON, HARYANA-122505, HAVE CHANGED MY NAME TO AJIT KUMAR CHAUHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, ANIL KUMAR MEHTO son of Shri J Mehto resident of C-3-123-A, Gali No. 3, Block-C, Jain Vihar, Phase-3, Bapraula, West Delhi-110043,That my son's name VARUN is inadvertently mentioned in his birth certificate as VARUN KUMAR. But his real and correct name is VARUN in future for all purposes.

NAME CHANGE

I, NO-14845240F, Rank- HAV/SHT Name- BISWAJIT GHADAI residing at VILL-LOKAPADA, PO-AUL, DIST-KENDRAPADA, ODISHA-754219, have changed my father's name from LAXMIDHARA GHADAI to LAXMIDHAR GHADAI for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of his correct date of birth as 14/03/1953 vide Affidavit dated 24/10/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-14845240F, Rank- HAV/SHT Name- BISWAJIT GHADAI residing at VILL-LOKAPADA, PO-AUL, DIST-KENDRAPADA, ODISHA-754219, in my service records my mother's (SWORNAPRAVA GHADAI) date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of her correct date of birth as 03/02/1961 vide Affidavit dated 24/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I PAWAN KUMAR GOYEL S/O SHRI RAM GOYAL R/O D-319 ,1st FLOOR NIRMAN VIHAR PREET VIHAR DELHI -110092, I have changed my name to PAWAN KUMAR GOYAL Permanently

NAME CHANGE

I MEENA GOYEL W/O PAWAN KUMAR GOYAL R/O D-319 ,1 st FLOOR NIRMAN VIHAR PREET VIHAR DELHI-110092 ,I have changed my name to MEENA GOYAL Permanently

NAME CHANGE

I, BHUMIKA VERMA D/o Sh. Prem Nath Verma R/o 85-D, DDA Flats, Jhilmil Colony, Shahdara, Delhi-110095, have changed my name to BHUMIKA permanently

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री जगत नारायण प्रजापति पुत्र स्व0 रामदीन निवासी 145 बी, पाकेट एउ मयूर विहार फेस 3 दिल्ली 110096 अपने पुत्र रेवती रमन जो वर्तमान में मुम्बई कि किसी पी जी में रहता है। वह एक आवारा किस्म का व्यक्ति है। अभी तक उसकी शादी नहीं हुई है। उसके गलत आचरण व गलत व्यवहार के कारण सभी संबंध तोड लिए हैं। मेरे मुवक्किल के दारा अर्जित चल अवल सम्पति से बेदखल कर दिया है। रेवती रमन अपने किये के किसी भी अच्छे बुरे कार्यो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगें ।

Ram Kishan, ADVOCATE
167-A, Pockel-4, Mayur Vihar Phase-I,
Delhi-110091 Mobile: 9868256833

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री संदीप वासवानी, श्री प्रदीप कुमार लॉल, श्री विनोद कुमार लॉल एवं श्रीमती अनीता गोसला से प्लॉट नं. 135, क्षेत्रफल 266.5 वर्ग गज, जो संत नगर, गढ़ी झरिया मारिया, दिल्ली स्थित आवासीय कॉलोनी में स्थित है, क्रय करने का इरादा रखते हैं। इस संपत्ति के मूल स्वामी श्री ओम प्रकाश थे, जिन्होंने इसे विक्रय विलेख दिनांक 19.10.1962 के माध्यम से श्री श्याम दास को बेचा था। तत्पश्चात, श्री श्याम दास ने उक्त संपत्ति को विक्रय विलेख दिनांक 28.12.1964 द्वारा श्री छबील दास को विक्रय किया। इसके बाद, श्री छबील दास ने उक्त संपत्ति को विक्रय विलेख दिनांक 29.12.1967 के माध्यम से श्री मनोहर लाल एवं श्री जुगल किशोर को बेचा। तत्पश्चात, श्री जुगल किशोर ने अपने हिस्से का परित्याग (रिलीज डीड) दिनांक 25.05.1980 द्वारा श्री मनोहर लाल के पक्ष में कर दिया। दुर्भाग्यवश, श्री मनोहर लाल का निधन दिनांक 21.08.2015 को हो गया, जिनके कानूनी वारिस हैं ङ्क सुश्री अनीता गोगिया (पुत्री), श्री प्रदीप कुमार लॉल एवं श्री विनोद कुमार लॉल (पुत्रगण)। परिणामस्वरूप, श्री प्रदीप कुमार लॉल, श्री विनोद कुमार लॉल एवं श्रीमती अनीता गोसला अब उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी हैं, जो किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, दावा या बाध्यता से पूर्णत: मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उपरोक्त संपत्ति आरबीएल बैंक लिमिटेड (RBL Bank LTD), शाखाः गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

COURT NOTICE

IN THE COURT OF MS. VRINDA KUMARI, PO-MACT, COURT NO. 4, MAIN BUILDING, NEW DELHI DISTRICT, PATIALA HOUSE COURTS, NEW DELHI

DEFENDANTS

(Order 5 Rule 20 of the Code of Civil Procedure)

GUDDU MASIH VS. ICICI LOMBARD GEN. INSURANCE CO. LTD.

MACP NO. 129/22
FIR NO. 289/21
P.S. RAJABPUR, AMROHA
Next Date of Hearing: 25.11.2025 at 10.00 A.M.

To
VIKALP
R/O GARHMUKTESHWAR,
Hapur..Respondent No. 2

Whereas you are intentionally avoiding services of summons. It is hereby notified that if you shall not defend the case on the day of 25.11.2025 at 10.00 A.M. i.e. the day fixed in the matter, it will be heard and determined ex-parte.

JUDGE
Motor Accident Claims Tribunal
Patiala House Courts, N. Delhi

PUBLIC NOTICE

This is to inform that Smt. Shweta has agreed to create mortgage the described property in favour of My client Aadhar Housing Finance Limited, Delhi Laxmi Nagar Branch, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Nirankar have agreed to sell their property "Plot No. 06, Area Measuring 80 Sq. Yds., Out of Khasra No. 431, Situated at Village Tilapta Karanwas, Pargana and Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar" Hence any other co-sharer(s)/or any other legal heir(s) or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/who-soever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 24-10-2025
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE

I, KANGAN D/O ROHIT RATTAN R/O 3270 B-3 VASANT KUNJ PO: VASANT KUNJ DIST: SOUTH WEST DELHI, DELHI-110070 I HAVE CHANGED MY NAME TO KANGAN RATTAN

NAME CHANGE

I, POOJA RANI MONGIA/POOJA RANI MANCHANDA W/O SUDHIR KUMAR R/O 599,NEW FRIENDS COLONY,WARD NO-5, SOHNA GURGAON, HARYANA-122103, HAVE CHANGED MY NAME TO POOJA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SUDHIR KUMAR MONGIA, S/O MEGHRAJ, R/O HOUSE NO-599, WARD NO-5, NEW FRIENDS COLONY, SOHNA GURGAON, HARYANA-122103, HAVE CHANGED MY NAME TO SUDHIR KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

(BEDAKHAL)

I, JAI BHAGWAN AGGARWAL son of RAM KUMAR AGGARWAL declare as under that I disowned my son`s VISHAL AGGARWAL and his wife RIYA AGGARWAL from my all movable/immovable/Patrick properties/ assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That he debarred from entering my premises situated at HOUSE NO-53, SECOND FLOOR, BLOCK-A-3, PASCHIM VIHAR, DELHI-110063.

NAME CHANGE

I, SHAMA AFROZ W/O MOHAMMAD MOOSA, residing at H NO-1300, GALI KHANA HAVELI HISSAMUDDIN HAIDER, BALLIMARAN, DELHI-110006 have changed my name to SHAMA MOOSA for all future purpose

NAME CHANGE

I, RAKESH KUMAR S/O RAM PRAKASH R/O D-1/82, NAND NAGRI, NORTH EAST, DELHI-110093, have changed the name of my minor son ARPIT KUMAR aged 10 years and he shall hereafter be known as ARPIT CHAURSIYA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Kaarthik Verma S/O Sanjay Verma R/O 313, Ramlila Tilla PO: Muzaffarnagar, DIST Muzaffarnagar. Uttar Pradesh-251002, Have Changed my name and shall hereafter be known as Kartik.

PUBLIC NOTICE

I, GURMIT KAUR wife of Baldev Singh R/o 3420, Maliyan, Delhi Gate, Darya Ganj New Delhi-110002 declare That I am the absolute owner of some valuable, immoveable and moveable properties in which all my family members have the right to inheritance, Due to some reasons for example due to misbehave abused, criminal breach of trust and always insulted with me, I consequently will fully and willingly without any pressure disown my son Harjeet Singh, his wife Harjoot Kaur and his children From the right of inheritance and sale of valuable, immoveable and moveable properties and my industries also.That with immediate effect I and other family members does not have any relation with Harjeet Singh, his wife Harjoot Kaur and his children.

NAME CHANGE

I Hitherto known as ANIL KUMAR alias ANIL S/o DHARAM VEER, Residing at, 16/398, Tirlok Puri, Shamas Pur, East Delhi, Delhi-110091 Have changed my name and shall hereafter be known as ANIL. It is Certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

ANIL KUMAR alias ANIL

NAME CHANGE

I Hitherto known as Ashok Kumar S/o Kesar Dass Budhiraja, Residing at, 12, Silver Park, Krishna Nagar, East Delhi, Delhi -110051 Have changed my name and shall hereafter be known as Ashok Budhiraja. It is Certified that I have complied with other legal requirements in this connection

Ashok Kumar

NAME CHANGE

I Hitherto known as Anu Saini D/o Prem Nath Saini, W/o Ashok Budhiraja, Residing at, 12, Silver Park, Shivpuri, Chander Nagar, Delhi, Delhi -110051 Have changed my name and shall hereafter be known as Riya Budhiraja. It is Certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

Anu Saini

सार्वजनिक सूचना

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती सुदेश, पत्नी श्री वीर पाल, श्री श्याम लाल से संपत्ति संख्या -51, क्षेत्रफल 1440.69 वर्ग फुट, खसरा संख्या 10/24/2, चावला पार्क, चंदर नगर, गांव खुरेजी खास, शाहदरा, दिल्ली-110051 के ग्राउंड फ्लोर (बिना रूफ राइट्स) को खरीदने का इरादा रखती हैं। उक्त संपत्ति की मूल स्वामित्वकर्ता श्रीमती प्रेमवती थीं, जिनका नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। बाद में, उन्होंने यह संपत्ति दिनांक 11.11.1997 को एक नोटराइज़्ड जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), नोटराइज़्ड एग्रीमेंट टू सेल (ATS) और वसीयत (Will) के माध्यम से श्री अश्वनी कुमार को हस्तांतरित की। श्री अश्वनी कुमार ने दिनांक 30.04.2004 को नोटराइज़्ड GPA, ATS और Will के माध्यम से यह संपत्ति श्री बी.बी. लाल अग्रवाल को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्री बी.बी. लाल अग्रवाल ने दिनांक 26.10.2004 को नोटराइज़्ड लक्क, ञ्रस और Will के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती शांति देवी को हस्तांतरित कर दी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती शांति देवी का निधन दिनांक 31.12.2010 को हो गया, जबकि उनके पति श्री प्रभु दयाल का निधन पहले ही दिनांक 17.10.2007 को हो चुका था। वे अपने पीछे निम्नलिखित विधिक उत्तराधिकारियों को छोड़ गए- श्रीमती राधा रानी, श्रीमती मधु रानी, श्रीमती रोज़ी, श्रीमती लक्ष्मी एवं श्री श्याम लाल। बाद में, श्रीमती राधा रानी, श्रीमती मधु रानी, श्रीमती रोज़ी और श्रीमती लक्ष्मी ने अपनी-अपनी हिस्सेदारी अपने सगे भाई श्री श्याम लाल के पक्ष में त्याग दी। इस प्रकार, श्री श्याम लाल उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी हैं। कृपया ध्यान दें कि यह संपत्ति वर्तमान में बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाज़ियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश से वित्तपोषित किए जाने का प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कासिम अली, पुत्रः महमूद, पताः म.नं. 487, गली जाकिर कॉलोनी, एनटीपीसी रोड, पिपलीहेड़ा, मसूरी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **CC No. 2162/19, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कासिम अली** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कासिम अली** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 2162/19, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अभियुक्त **कासिम अली** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.01.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पंकज राय
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01
कमरा नं. 73
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14093/NE/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC/84BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **किशन पाल पुत्र श्री नत्थू शर्मा निवासी शिव पुरी, निवाड़ी रोड पुलिस चौकी, मोदी नगर, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 644/2016, U/S 380/411 IPC, अन्तर्गत थाना केशव पुरम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **किशन पाल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **किशन पाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 644/2016, U/S 380/411 IPC, अन्तर्गत थाना केशव पुरम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **किशन पाल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री दिव्या अरोड़ा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-04
उत्तर पश्चिम, कोर्ट संख्या 112, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/14079/NW/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहनवाज़ पुत्र** यामीन **निवासीः** म.नं. 332, रॉवली रोड़, मुराद नगर, गाज़ियाबाद, यू.पी. ने **CT. No. 2184/2019 U/s 138 NI Act थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **शाहनवाज़** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **शाहनवाज़** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CT. No. 2184/2019 U/s 138 NI Act थानाः भजनपुरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शाहनवाज़** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पंकज राय
जेएमएफसी-01, कमरा नं. 19
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14092/NE/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ढोसी हिल को 'वन स्टेट-वन ग्लोबल डेस्टिनेशन' के तहत किया जाएगा विकसितः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महेंद्रगढ़ जिले की विश्व प्रसिद्ध ढोसी हिल को 'वन स्टेट-वन ग्लोबल डेस्टिनेशन' योजना के तहत विकसित करने के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। इस मौके पर पर्यटन मंत्री, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा भी मौजूद रहे। इस दौरान उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने प्रोजेक्ट की वर्तमान प्रगति और भविष्य की योजनाओं का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। सीएम ने अधिकारियों को इस ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट न केवल महेंद्रगढ़ क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस परियोजना के हर चरण में स्थानीय कला और संस्कृति को प्राथमिकता दी जाए और इसे हरित व पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। पर्यटन मंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि ढोसी हिल, जो ऋषि च्यवन की तपस्थली और च्यवनप्राश का उद्गम स्थल माना जाता है, उसे धार्मिक, सांस्कृतिक, और साहसिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने प्रोजेक्ट में प्रस्तावित रोप-वे निर्माण कार्य को तय समय सीमा में पूरा करने पर जोर दिया, ताकि बुजुर्ग और दिव्यांग तीर्थयात्री भी आसानी से पहाड़ी के शिखर तक पहुंच सकें। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि इस कार्य पर तेजी से काम किया जाएगा। ये रोप-वे लगभग 1200 फिट लंबा होगा।

एक्यूआई में सुधार व प्रदूषण नियंत्रण को एंटी स्मॉग गन से होगा नियमित छिड़काव

हिसार। शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण और एक्यूआई को नियंत्रित करने के उद्देश्य से मेयर प्रवीण पोपली ने शहर में स्मॉग गन के माध्यम से छिड़काव कार्य का शुभारंभ किया। इसका मकसद शहर के वातावरण को स्वच्छ बनाना और प्रदूषण के स्तर को कम करना है। मेयर पोपली ने गुरुवार को कहा कि हाल के दिनों में शहर की सड़कों, पेड़-पौधों और इमारतों पर धूल के महीन कणों की मोटी परत जम गई है, जो न केवल वातावरण को दूषित कर रही है बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। उन्होंने कहा कि स्मॉग गन से पानी के सूक्ष्म कणों का छिड़काव किया जाएगा, जिससे पेड़ों और सड़कों पर जमी धूल हटेगी तथा वातावरण में मौजूद धूल के कण नीचे बैठ जाएंगे। इससे कुछ हद तक प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी। मेयर ने कहा कि इस कार्य के लिए नगर निगम द्वारा विशेष शेड्यूल तैयार किया गया है। शहर के विभिन्न इलाकों में चरणबद्ध तरीके से स्मॉग गन से फॉगिंग की जाएगी। शुरुआती चरण में दो स्मॉग गन का उपयोग किया जा रहा है, जिन्हें प्रदूषण से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है। मेयर पोपली ने कहा कि प्रदूषण कम करने के लिए अन्य कदम भी उठाए जा रहे हैं, जैसे सड़क किनारे नियमित सफाई, पौधारोपण अभियान और निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के उपाय।

यमुनानगर में दर्दनाक सड़क हादसाः ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत में असगर की मौत, पेड़-ट्रैक्टर के बीच फंसा शव

यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर जिले के सढौरा कस्बे में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने सभी को झकझोर दिया। कोटला रोड पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार युवक असगर (35) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि युवक ट्रैक्टर और सड़क किनारे खड़े पेड़ के बीच बुरी तरह फंस गया।राहगीरों ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए ट्रैक्टर को धक्का देकर पीछे किया, तब जाकर युवक को निकाला जा सका। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को सिविल अस्पताल जगाधरी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोपहर करीब 2 बजे असगर अपनी बाइक पर सवार होकर पम्मूवाला गांव से सढौरा की ओर आ रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर बाइक से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और असगर ट्रैक्टर के फ्रंट हिस्से में फंस गया। ट्रैक्टर कुछ मीटर घिसटता हुआ पेड़ से जा भिड़ा। स्थानीय लोगों ने जैसे ही यह मंजर देखा, मौके पर भीड़ जुट गई। किसी ने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी।

पानीपत के मतलौडा में मिला फतेहाबाद के युवक का शव,हत्या की आशंका

पानीपत। पानीपत के मतलौडा में हैफेड गोदाम के पास सुबह एक 35 वर्षीय युवक का शव मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पानीपत सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह ग्रामीण घूमने निकले तो उन्होंने गोदाम के पास युवक को मृत अवस्था में देखा। पहले उन्हें लगा कि युवक शराब पीकर पड़ा है, लेकिन पास जाकर देखने पर उसकी मौत की पुष्टि हुई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डीएसपी आत्माराम, मतलौडा थाना इंचार्ज पवन कुमार, एएसआई भूपेंद्र, सीआईए-1 और सीआईए-2 की टीमें एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर चोट के कई निशान पाए गए हैं। जिससे आशंका जताई जा रही है कि मारपीट के बाद हत्या की गई है।

हरियाणा के किसी भी विद्यार्थी की स्कॉलरशिप राशि न छूटे, अधिकारी करें सुनिश्चितः मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्री मैट्रिक व पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप के तहत किसी भी विद्यार्थी की स्कॉलरशिप राशि न छूटे इसके लिए हरियाणा भवन स्थित आवासीय आयुक्त यह सुनिश्चित करें कि केंद्रीय मंत्रालयों के द्वारा चलाई जा रही स्कीमों की जानकारी लेने के लिए संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर रखें और प्रदेश सरकार के विभागों को भी इस बारे में नियमित रूप से अवगत कराएं। साथ ही स्कूल व कॉलेजों के प्रिंसिपल भी विद्यार्थियों को योजनाओं की जानकारी दें और उनके स्कॉलरशिप के ऑनलाइन फार्म भी भरवाना सुनिश्चित करें।मुख्यमंत्री आज सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में एससी व बीसी विद्यार्थियों को दी जाने वाली स्कॉलरशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है

कि कोई भी मेधावी व जरूरतमंद छात्र आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप योजनाओं की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए और इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। उन्होंने कहा कि हर स्कूल और कॉलेज में सूचना बोर्ड लगाए जाएं, जिन पर सभी छात्रवृत्ति योजनाओं की पूरी जानकारी साफ-साफ लिखी हो ताकि विद्यार्थियों को फार्म भरने और आवेदन की प्रक्रिया में कोई कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं की ग्राउंड मॉनिटरिंग करें और समय-समय पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपें, ताकि प्रदेश सरकार अपनी 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी विद्यार्थियों के खातों में डाल सकें और शेष 60 प्रतिशत केंद्र की हिस्सेदारी सीधे डीबीटी के माध्यम विद्यार्थियों के खाते में आ सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के दाखिले के समय ही काउसंलिग के दौरान अधिकारी विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को जानकारी दें कि यदि वे स्कॉरशिप योजना के पात्रता में आते हैं तो विद्यार्थी का बैंक खाता आधार से लिंक करवाएं, ताकि उन्हें समय पर स्कॉलरशिप मिल सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष ध्यान देश के युवाओं के स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास) पर केंद्रित है।

डीसीआरयूएसटी के 6 शोधार्थी पीएचडी के पात्र घोषित

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलगुरु प्रो.श्री प्रकाश सिंह, परीक्षकों के बोर्ड तथा शोध समिति की अनुशंसा पर 6 विद्यार्थियों को पीएचडी उपाधि का पात्र घोषित किया है। उन्होंने पीएचडी के पात्र घोषित किए 6 शोधार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलगुरु प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में गुणवत्ता पूर्वक शोध पर बढ़ावा दिया जाता है। शोध को बढावा देने के लिए विश्वविद्यालय प्रत्येक विभाग के दो शोधार्थियों को नियमानुसार 25 हजार रुपए मासिक स्कालरशिप दी जाएगी। इसके अतिरिक्त पीएचडी कर रहे प्रत्येक शोधार्थी को नियमानुसार 10 हजार रुपए आकस्मिक व्यय के लिए भी दिए जाएगें। पीएचडी उपाधि के पात्र घोषित किए गए अभ्यर्थियों में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग से ममता व फिजिक्स से सुषमा कुमारी, अनुपमा, धीरज यादव, रेणुका व सरला देवी

शामिल हैं। इन सभी अभ्यर्थियों की पीएचडी उपाधि संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गई है। कुलगुरु प्रो. सिंह ने पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किए गए सभी शोधार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए अन्य शोधार्थियों को गुणवत्ता पूर्वक शोध करने के लिए प्रेरित किया।

सरकारी चिकित्सा संस्थानों में उपकरणों की कमी नहीं रहने देंगे : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि राज्य सरकार जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य संस्थान में चिकित्सा उपकरणों और मशीनों की कोई कमी न रहे।स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आवश्यकता के अनुसार नए उपकरणों और आधुनिक मशीनों की खरीद की जा रही है तथा उन्हें समय-समय पर संस्थानों में भेजा जा रहा है। हाल ही में प्रदेश के छह जिलों–पंचकूला, नारनौल, पानीपत, रेवाड़ी, सोनीपत और गुरुग्राम–के सरकारी अस्पतालों में नई अल्ट्रासाउंड मशीनें भेजी गई हैं। इन मशीनों के इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा होने के बाद जल्द ही मरीजों की जांच शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (हम्स्टरु) के माध्यम से हाल ही में अनेक आवश्यक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और मशीनों की खरीद के लिए दरें (रेट) तय की गई थीं। अब उन्हीं के तहत राज्य के किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक मशीनों के आने से जांच प्रक्रिया और अधिक सटीक एवं तेज़ होगी, जिससे मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने

विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में उपकरणों की आपूर्ति आरंभ कर दी गई है। आरती सिंह राव ने बताया कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के सभी स्तरों पर आवश्यक संसाधनों का सुदृढ़ीकरण यह भी कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना (infrastructure) को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और आने वाले समय में अन्य जिलों के अस्पतालों में भी नई मशीनें भेजी जाएंगी, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को समान स्तर की चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

सरदार पटेल की जयंती को लेकर अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

एजेंसी

नारनौल। राष्ट्रीय एकता के प्रतीक और आधुनिक भारत के निर्माता लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती की तैयारीयों को लेकर उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संपन्न करवाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा ये आयोजन आमजन की सक्रिय भागीदारी के साथ किया जाएगा। इस आयोजन के ओवरऑल इंचार्ज अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला परिषद के सीईओ उदय सिंह होंगे। एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव इसके नोडल अधिकारी रहेंगे। नगराधीश डॉ मंगलसेन कोऑर्डिनेटर होंगे। उपायुक्त ने कहा कि वल्लभभाई पटेल की जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत आगामी 31 अक्टूबर को होने वाले रन फॉर यूनिटी को लेकर अधिकारी अभी से

तैयारी शुरू कर दें। उन्होंने बताया कि रन फॉर यूनिटी का आयोजन सुबह सात से आठ बजे के बीच किया जाएगा। इसमें हजारों नागरिक एक साथ दौड़कर राष्ट्रीय एकता के प्रति अपना समर्थन जताएंगे। उन्होंने बताया कि यह दौड़ आईटीआई मैदान से शुरू होगी। इसके बाद महावीर चौक, हीरो होंडा चौक व निजामपुर रोड होते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में संपन्न होगी। इस बैठक में एडीसी उदय सिंह, एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव, नगराधीश डॉ मंगलसेन के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

खरीफ सीजनः हरियाणा की मंडियों से अब तक हुई 48,44,073 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 2025 - 26 के दौरान किसानों के खातों में अब तक 9029.39 करोड़ रुपये की अदायगी उनके बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जा चुकी है। इस तरह सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सुनिश्चित किया है।हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हितों को देखते हुए सभी निर्धारित अनाज मंडियों में धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने कहा कि जिले में हैफेड, वेयर हाउस और फूड एंड सप्लाई एजेंसियों द्वारा धान की खरीद की जा रही है। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि धान की फसल बेचने में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से धान की खरीद की जा रही है। राज्य में अब तक मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत 2,52,693 किसानों से धान की खरीद की गई है। प्रवक्ता ने कहा

कि अब तक राज्य भर की मंडियों में कुल 49,94,349 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हुई है। उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों की मंडियों से अब तक 40,22,926 लाख मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। अब तक मंडियों से 48,44,073 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में धान की खरीद भारत सरकार द्वारा धान की खरीद न्यूनतम समर्थन में करती हुए फसल का भुगतान किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित किया जाता है। सरकार द्वारा किसान भाइयों से बार - बार अपील की जा रही है कि वे अपनी फसल की मंडी में अच्छी तरह सुखाकर भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों (जैसे कि नमी 17 प्रतिशत) की सीमा अनुसार लेकर आएं। राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा धान की खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध किये हुए हैं और धान के उठान कार्य में भी तेज़ी लाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा खरीद किये गए धान के भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे तौर पर स्थानांतरित की जाती है। भारत सरकार द्वारा धान के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2389 रुपये प्रति क्विंटल में कोई कटौती नहीं की गई है। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि मंडियों में बिजली, स्वच्छ पानी, शौचालयों आदि सुविधाओं को दुरूस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि किसान मंडी में अपनी धान की फसल सुखाकर ही लाएं ताकि किसानों को फसल का सही समय पर उचित मूल्य मिल सके। जिलों के प्रशासन को अपने - अपने क्षेत्र की अनाज मंडियों का समय - समय पर निरीक्षण करते रहने के के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसानों को धान की फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त राज्य की मंडियों और खरीद केंद्रों में किसानों द्वारा लाए गए धान की साफ़ - सफाई का कार्य आढ़तियों द्वारा अपने स्तर पर किया जा रहा है। इसके साथ - साथ मंडियों और खरीद केंद्रों पर होने वाले मंडी श्रम कार्य (जैसे कि भराई, तुलाई, सिलाई, लदाई इत्यादि) के शुल्क दरों की अदायगी भी सरकार द्वारा वहन की जाती है।

दिवंगत आईपीएस वाई पूरन कुमार के परिजनों से मिले केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ पहुंचकर आत्महत्या करने वाले आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिजनों से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने दिवंगत वाई पूरन कुमार की आईएएस पत्नी अमनीत पी कुमार तथा उनकी दोनों बेटियों से बातचीत की। इस दौरान मंत्री मनोहर लाल ने अमनीत पी कुमार के साथ इस मामले को लेकर चल रही जांच को लेकर भी बात की। उन्होंने इस मामले में परिवार को हरसंभव मदद और निष्पक्ष जांच का भी आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि आईपीएस वाई पूरन कुमार ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ में गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू की है। दिवंगत पूरन कुमार की अंतिम अरदास 26 अक्टूबर को पंचकूला के निकट गुरुद्वारा नाडा साहिब में होगी।

बिहार में होगी एनडीए की जीत , नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ रहे हैं चुनावः मनोहर लाल

एजेंसी

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री एंव केंद्रीय उर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बिहार में एनडीए की जीत होगी और बिहार की जनता पूरी तरह से एनडीए के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि नीतिश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। साथ ही उन्होंने डॉ.भीम राव अम्बेडकर को लेकर दिए गए ब्यान पर भी अपना स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि कांग्रेस व विपक्ष भ्रामक प्रचार कर रहा है, भाजपा ने हमेशा से ही महापुरुषों का सम्मान किया है।

केंद्रीय मंत्री ने अपने पुश्तैनी जमीन को बेचकर मिलने वाली राशि को प्रधानमंत्री कोष में देने का भी ऐलान किया और तहसील जाकर कागजी कारवाई पूरी करवाई। वीरवार को केंद्री मंत्री मनोहर लाल रोहतक पहुंचे और तहसील कार्यालय जाकर जमीन बेचने की प्रक्रिया संबंधी कागजी कारवाई पूरी की। इसके बाद केंद्रीय मंत्री कैनाल विश्राम गृह पहुंचे और पत्रकारों से रुबरु हुए। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसा और कहा कि कांग्रेस व विपक्ष पार्टियों ने कभी भी महापुरुषों का सम्मान नहीं किया खींचने में रहना। बताया जा रहा है कि मनोहर लाल के पुश्तैनी गांव बनियानी

और अब उनके ब्यान को भ्रामक तरीके से पेश कर रहे है। बिहार चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नीतिश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है और एनडीए की जीत होगी, बिहार की जनता एनडीए के साथ खड़ी है। विपक्ष द्वारा सीएम नायब सैनी को डम्मी मुख्यमंत्री बताने के ब्यान पर मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश के सीएम नायब सैनी ही है और भाजपा में सब कुछ सिस्टम से चलता, ना कि कांग्रेस की तरह धक्का मुक्की, एक दूसरे की टांग जमीन में से करीब डेढ़ एकड़ उनके हिस्से में आई थी। मनोहर लाल ने यह जमीन बेच दी है। जिसकी एवज में उन्हें करीब एक करोड़ रुपए मिले हैं। इसके अलावा मनोहर लाल ने अपना पुश्तैनी घर मां शांति देवी पुस्तकालय के नाम पर दान करने का ऐलान किया है। मनोहर लाल के इस आवास को पुस्तकालय में बदला जाएगा जहां ग्रामीण अंचल के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल मिलेगा।

पुलिस शहीदी दिवस पर थाना परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण सरंक्षण का दिया संदेश

एजेंसी

पानीपत। पुलिस शहीदी दिवस सप्ताह के अंतर्गत पानीपत पुलिस द्वारा जिला के सभी थानों में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान पर्यवेक्षण अधिकारियों के नेत्रत्व में थाना प्रभारियों व तैनात पुलिस कर्मियों ने श्रमदान कर थाना परिसर व आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई की तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से

पौधारोपण किया। यह कार्यक्रम शहीद पुलिस कर्मियों के प्रति सम्मान एवं श्रद्धांजलि स्वरूप आयोजित किया गया, जिन्होंने देश व समाज की सुरक्षा हेतु अपने प्राणों की आहुति दी। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शहीद पुलिसकर्मियों की वीरता को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सतीश वत्स ने बताया कि अमर शहीदों की याद में पुलिस विभाग की ओर से 21 अक्तूबर से 31 अक्तूबर तक पुलिस शहीदी दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस द्वारा पुलिस शहीदी दिवस सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न जनसेवी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ताकि समाज में पुलिस शहीदों के योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा कि शहीदों की स्मृति हमें कर्तव्य, अनुशासन और देशसेवा की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले विधायक ने की अधिकारियों के साथ बैठक

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 26 अक्टूबर को प्रस्तावित हिसार दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा हैं। इसी क्रम में नलवा के विधायक रणधीर पनिहार, उपायुक्त अनीश यादव एवं पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने नलवा स्थित पनिहार फार्म हाउस का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की।विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नलवा विधानसभा हलके की धन्यवादी रैली को संबोधित करेंगे। यह रैली पनिहार फार्म परिसर में आयोजित की जा रही है।

NAME CHANGE

It is for general information that I, PARDEEP KUMAR S/o UMED SINGH, R/o H.No. 391, Milkpur 2, Bawani Khera, Milkpur, Bhiwani, Haryana-127032, declare that name of mine has been wrongly written as PRADEEP KUMAR in my minor son namely SUMIT YADAV aged 16 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of mine is PARDEEP KUMAR, which may be amended accordingly.

कार्यक्रम की तैयारियों में कोई भी कमी न रहने दी जाए। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास की गति निरंतर तेज हुई है और नलवा क्षेत्र को भी उसका भरपूर लाभ मिल रहा है। निरीक्षण करने के उपरांत उपायुक्त अनीश यादव तथा पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने अधिकारियों के साथ गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले संत शिरोमणि

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सडक़ों, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में लगातार नए कार्य हो रहे हैं, जिन पर मुख्यमंत्री का विशेष ध्यान है। उन्होंने कहा कि इस दौरे से क्षेत्र की जनता में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार होगा। धन्यवाद रैली के लिए निर्धारित स्थल पर व्यवस्थाओं का नामदेव जयंती समारोह के दृष्टिगत प्रबंधों का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त अनीश यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कार्यक्रमों से संबंधित सभी तैयारियां समयबद्ध और सुचारू रूप से पूरी की जाएं।

बहादुरगढ़ के पुलिस उपायुक्त ने किया नाकों व डायल 112 का औचक निरीक्षण

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ के पुलिस उपायुक्त मयंक मिश्रा ने देर रात को बहादुरगढ़ पुलिस जोन के नाकों और डायल 112 का औचक दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों से उनके कार्यस्थल की परिस्थितियों और उनकी समस्याओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना था। इस दौरान डीसीपी मिश्रा ने नाकों पर तैनात कर्मचारियों से बातचीत की और उनके सुझाव व शिकायतें सुनीं। कर्मचारियों ने कार्य संचालन में आने वाली चुनौतियों और सुरक्षा संबंधी मुद्दों के बारे में जानकारी दी। डीसीपी ने कहा कर्मचारियों की समस्याओं का समय पर समाधान सरकार की प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी समस्याएं तत्काल हल की जा सकती हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए।

डीसीपी मयंक मिश्रा ने डायल 112 पर तैनात कर्मचारियों को सतर्क रहनेए त्वरित प्रतिक्रिया देने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीपी मयंक मिश्रा ने कहा कि रात के समय पुलिस की उपस्थिति और सक्रियता नागरिकों के मनोबल और सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। डायल 112 के कर्मचारी हमारी नजर के सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं। उनका समय पर, सतर्क और जिम्मेदार रवैया समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने नाकों और डायल 112 पर तैनात कर्मचारियों को यह भी निर्देशित किया कि सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए तैनाती में पूरी तत्परता और अनुशासन बनाए रखें।

अमेरिका के प्रतिबंध से भारत की तेल खरीद पर असर

मुंबई भारत रूस से रोजाना लगभग 17 लाख बैरल तेल खरीदता है, जिसमें आधा हिस्सा रिलायंस का है। रिलायंस सीधे रोसनेफ्ट से तेल खरीदती है और दिसंबर 2024 में 25 साल का करार हुआ था। अब इस सीधी डील पर असर पड़ सकता है और कंपनी को नई रणनीति अपनानी पड़ सकती है। सरकारी रिफाइनरियां टेंडर के जरिए यूरोपीय ट्रेडर्स से तेल खरीदती हैं। उन पर फिलहाल कोई प्रतिबंध नहीं है, इसलिए आपूर्ति जारी रह सकती है। रोसनेफ्ट और लुकोइल का कुल उत्पादन रोजाना 31 लाख बैरल है। प्रतिबंधों के बावजूद तेल की कीमतों में केवल 2 डॉलर प्रति बैरल की मामूली बढ़ोतरी हुई है।

वेणु श्रीनिवासन फिर से आजीवन ट्रस्टी नियुक्त

नई दिल्ली वेणु श्रीनिवासन को फिर से टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से आजीवन ट्रस्टी (न्यासी) के रूप में नियुक्त किया है। श्रीनिवासन का कार्यकाल 23 अक्टूबर को खत्म होने वाला था, जिससे पहले इस सप्ताह उनकी पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दी गई। संगठन के भीतर कथित आंतरिक मतभेदों के बीच अब सभी की निगाहें मेहली मिस्त्री की वापसी के संबंध में होने वाले फैसले पर टिकी हैं। यह फैसला टाटा ट्रस्ट के भीतर विभाजन की खबरों के बीच हुआ, जहां एक गुट नोएल टाटा के साथ जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। नोएल ने रतन टाटा के निधन के बाद चेयरमैन का पद संभाला था। दूसरा गुट पूर्व दिग्गज के वफादारों का है। मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि टीवीएस समूह के मानद चेयरमैन श्रीनिवासन की फिर से नियुक्ति सर्वसम्मति से हुई है। टाटा ट्रस्ट ने इस खबर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अब ध्यान मिस्त्री की पुनर्नियुक्ति पर है, जिनका कार्यकाल 28 अक्टूबर को खत्म हो रहा है। इस बात पर राय बंटी हुई है कि क्या उनका कार्यकाल अपने आप आगे बढ़ जाएगा या आजीवन कार्यकाल के लिए न्यासियों की सर्वसम्मति से मंजूरी लेनी होगी। टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है - जो 156 साल पुराने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। इसमें 30 सूचीबद्ध इकाइयों सहित लगभग 400 कंपनियां शामिल हैं। एक सूत्र ने कहा, ''पिछली प्रथा के अनुसार नवीनीकरण और नई नियुक्ति सर्वसम्मति से होनी आवश्यक है।'' हालांकि, एक अन्य व्यक्ति ने कहा, ''पुनर्नियुक्ति अपने आप होती है और यह सभी ट्रस्टियों पर लागू होती है।'' सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के न्यासियों की 17 अक्टूबर, 2024 को हुई संयुक्त बैठक का हवाला देते हुए, उस व्यक्ति ने कहा कि यह संकल्प लिया गया था कि किसी भी ट्रस्टी का कार्यकाल खत्म होने पर, संबंधित ट्रस्ट द्वारा उसे बिना किसी कार्यकाल अवधि की सीमा के पुनर्नियुक्त किया जाएगा।

पुराने शेयर और डिविडेंड अब आसानी से वापस पाए जा सकते हैं

नई दिल्ली भारत में कई निवेशक यह नहीं जानते कि उनके पुराने शेयर और बिना लिए गए डिविडेंड अभी भी वापस पाए जा सकते हैं। इसके लिए इंवेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड (आईईपीएफ) पोर्टल संचालित किया गया है। यदि कोई निवेशक सात साल तक अपना क्लेम नहीं करता, तो रकम या शेयर कंपनी द्वारा आईईपीएफ में ट्रांसफर कर दिए जाते हैं। निवेशक आईईपीएफ की वेबसाइट पर जाकर अनक्लेम्ड एमाउंट सेक्शन में अपने नाम या कंपनी के नाम से खोज कर सकते हैं। यहां पता चलता है कि कोई क्लेम पेंडिंग है या नहीं। फार्म आईईपीएफ-5 डाउनलोड करके सही दस्तावेजों के साथ जमा करना होता है। इसमें पेन कार्ड, पहचान पत्र, बैंक खाता प्रमाण और यदि उपलब्ध हो तो शेयर सर्टिफिकेट शामिल हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद राशि या शेयर निवेशक के खाते में ट्रांसफर होते हैं। आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक की जा सकती है। सुनिश्चित करें कि दस्तावेज सही और स्पष्ट हों, क्योंकि गलत जानकारी से दावा रुक सकता है।

भारत में उतरने को तैयार इलॉन मस्क की स्टार लिंक

नौ शहरों में लगेगा इंटरनेट का नया नेटवर्क

नई दिल्ली

इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारे लिंक भारत में अपनी शुरुआत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी देश के नौ बड़े शहरों, जिनमें मुंबई, नोएडा, चंडीगढ़, हैदराबाद, कोलकाता और लखनऊ शामिल हैं, में ग्राउंड स्टेशन लगाने की योजना बना रही है। इन स्टेशनों के जरिए भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की तैयारी होगी। एक अधिकारी के मुताबिक, कंपनी ने भारत में 600 गीगाबिट प्रति सेकंड की क्षमता के लिए आवेदन किया है। यह सुविधा स्टारलिंक के पहले सैटेलाइट समूह के जरिए दी जाएगी। फिलहाल सरकार ने कंपनी को सुरक्षा जांच के लिए थोड़े समय के लिए कुछ रेडियो तरंगों का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है, ताकि सिस्टम की जांच की जा सके और यह देखा जा सके कि सब कुछ नियमों के अनुसार काम कर रहा है या नहीं। भारत में सैटेलाइट संचार को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा क्षेत्र माना जाता है। इसी

वजह से सरकार ने स्टारलिंक के लिए कुछ सख्त नियम बनाए हैं। ग्राउंड स्टेशन पर केवल भारतीय नागरिक ही काम करेंगे जब तक विदेशी कर्मचारियों को सुरक्षा मंजूरी नहीं मिल जाती। परीक्षण से जुड़ा सारा डेटा भारत के भीतर ही रहेगा और इस्तेमाल किए जा रहे सभी उपकरणों की जानकारी नियमित रूप से सरकार को दी जाएगी।

स्टारलिंक को फिलहाल केवल परीक्षण की अनुमति मिली है। कंपनी को व्यावसायिक उपयोग की मंजूरी नहीं दी गई है। उसे 100 सैटेलाइट टर्मिनल केवल परीक्षण के उद्देश्य से आयात करने की अनुमति दी गई है।

ट्रंप की धमकियों के बाद चीन ने रूस की तेल कंपनियों से रोका तेल आयात

नई दिल्ली अमेरिकी प्रतिबंधों को देखते हुए चीन की प्रमुख सरकारी तेल कंपनियों ने हाल ही में रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर समुद्री रास्ते से रूसी कच्चे तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से रोक दी है। इस निर्णय से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में हलचल मच गई है, क्योंकि चीन रूस का सबसे बड़ा तेल आयातक है। अमेरिका ने रूस की प्रमुख तेल कंपनियों रोजनेफ़्ट और ल्युकोइल पर नए प्रतिबंध लगाए हैं, जिसके तहत इन कंपनियों के अमेरिकी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है और अमेरिकी कंपनियों को इनके साथ व्यापार करने से रोका गया है। चीन की सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोचाइना, सिनापेक, सीएनओओसी ने इन प्रतिबंधों के मद्देनजर, समुद्री रास्ते से रूसी तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से रोक दी है। भारत का रुखः भारत की प्रमुख रिफाइनरी कंपनी ने भी रोजनेफट से अपने दीर्घकालिक अनुबंध के तहत तेल आयात को रोकने का निर्णय लिया है। चीन और भारत द्वारा रूसी तेल की खरीदारी में कमी आने से, रूस की तेल आयात में गिरावट आ सकती है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है।

एआई-सृजित सामग्री पर अनिवार्य लेबलिंग का प्रस्ताव

बढ़ सकती है सोशल मीडिया कंपनियों की लागत

नई दिल्ली सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से निर्मित हर सामग्री पर लेबलिंग और डिस्क्लेमर अनिवार्य किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से फैल रही डीपफेक छवियों, ऑडियो और वीडियो जैसी भ्रामक सामग्री को नियंत्रित करना है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार बड़ी टेक कंपनियों के साथ कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। इन कंपनियों ने सरकार को आश्वासन दिया है कि वे एआई-निर्मित सामग्री की पहचान और प्रबंधन के लिए आवश्यक तकनीकी क्षमता रखती हैं। अधिकारी ने बताया कि परामर्श अवधि के दौरान उद्योग जगत से इस प्रस्ताव पर विस्तृत प्रतिक्रिया प्राप्त की जाएगी। हालांकि, सोशल मीडिया कंपनियों और नीति विशेषज्ञों ने इस प्रस्ताव पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि केवल लेबल या डिस्क्लेमर लगाना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति कुछ ही मिनटों में इन लेबलों को मिटा या बदल सकता है। साथ ही, लेबलिंग की तकनीकी प्रक्रिया महंगी होने के कारण इससे प्लेटफॉर्म्स की अनुपालन लागत में भारी वृद्धि हो सकती है। कंपनियों का यह भी कहना है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित नियम, जिसमें लेबल या डिस्क्लेमर सामग्री के कम से कम 10 प्रतिशत हिस्से को कवर करने की बात कही गई है, उपयोगकर्ता अनुभव को प्रभावित कर सकता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 345, निफ्टी 96 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ । सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार गिरा है। आज बैंकिंग शेयरों में खासी गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 344.52 अंक नीचे फिसलकर 84,211.88 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 96.25 अंक टूटकर 25,795.15 पर बंद हुआ।

बाजार में बैंकिंग शेयरों के अलावा निफ्टी बैंक भी 0.65 फीसदी नीचे आया।

वहीं वाहन, आईटी, पीएसयू बैंक, वित्तीय सेवाएं, दवा, एफएमसीजी, मीडिया, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए। धातु, संपत्ति, उर्जा और कमोडिटीज शेयर लाभ पर बंद हुए। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 140 अंक बढ़कर 59,231.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 38.10 अंक टूटकर 18,253.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, बीईएल, सन फार्मा, आईटीसी, टाटा स्टील, एमएंडएम और ट्रेंट सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी और एसबीआई के शेयरों को नुकसान हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार में मामूली कमजोरी देखी गई। सेंसेक्स 84,459 पर कारोबार कर रहा था, जो 97 अंक की गिरावट को दर्शाता है। वहीं, निफ्टी

50 25,879 पर कारोबार कर रहा था, जो 13 अंक नीचे था। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्कई 225 1.1 फीसदी अे धिक और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.29 फीसदी मजबूत हुआ। ये बढ़त अमेरिकी और वैश्विक सकारात्मक खबरों से प्रेरित है। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार को तकनीकी कंपनियों के मजबूत नतीजों के बाद तेजी देखी गई। एसएंडपी 500 में 0.6 फीसदी, नेस्डेक कम्पो जिट में 0.9 फीसदी और डाउ जोंस में 0.3 फीसदी की बढ़त हुई।

1 नवंबर 2025 से बैंक खातों में चार नॉमिनी रखने की होगी सुविधा!

बैंकिंग लॉ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत लागू होंगे नए नियम

मुंबई

वित्त मंत्रालय ने घोषणा की है कि 1 नवंबर से बैंक खाताधारक अपने खाते में अधिकतम चार नॉमिनी नियुक्त कर सकेंगे।

यह बदलाव बैंकिंग लॉ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत किया गया है, जिसे 15 अप्रैल 2025 को अधिसूचित किया गया था।

मंत्रालय के अनुसार इस कदम का उद्देश्य क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और तेज बनाना है। नए नियमों के अनुसार, ग्राहक अपने बैंक खाते के लिए चार नॉमिनी चुन सकेंगे। ये नॉमिनी या तो एक साथ या क्रमवार रूप में चुने जा सकते हैं। यदि क्रमवार नॉमिनेशन चुना जाता है, तो पहले नॉमिनी के निधन के बाद दूसरा, फिर तीसरा और उसके बाद चौथा नॉमिनी क्लेम का अधिकार प्राप्त करेगा।

खाताधारक नॉमिनियों का हिस्सा या प्रतिशत भी स्वयं तय कर सकेंगे, जिसका कुल योग 100 प्रतिशत होना आवश्यक होगा। वहीं, सेफ डिपॉजिट और लॉकर सुविधाओं के लिए केवल क्रमवार नॉमिनेशन की अनुमति होगी।

इन नियमों के लिए सरकार जल्द ही 'बैंकिंग कंपनियों (नॉमिनेशन) नियम 2025' जारी करेगी, जिसमें नॉमिनेशन करने, बदलने या रद्द करने की प्रक्रिया और आवश्यक फॉर्म की जानकारी होगी।

इस अधिनियम के तहत बैंकिंग सेक्टर में कई अन्य सुधार भी किए गए हैं। अब पब्लिक सेक्टर बैंक अपने बिना दावेदार वाले शेयर, ब्याज या बॉन्ड की रकम इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड में ट्रांसफर कर सकेंगे।

साथ ही, उन्हें स्टैट्यूटरी ऑडिटर्स को बेहतर मेहनताना देने का अधिकार भी मिलेगा। महत्वपूर्ण हित की सीमा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये कर दी गई है।

रेलटेल जल्द देगा निवेशकों को तोहफा, 29 को डिविडेंड पर होगा बड़ा फैसला

बोर्ड मीटिंग 29 अक्टूबर को होगी, तिमाही नतीजों और डिविडेंड पर फैसला लिया जाएगा

नई दिल्ली सरकारी क्षेत्र की प्रमुख दूरसंचार कंपनी रेलटेल कारपोरेशन आफ इं डिया अपने निवेशकों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। कंपनी ने इस साल का अंतरिम डिविडेंड देने का प्रस्ताव रखा है। इस पर अंतिम निर्णय कंपनी की बोर्ड मीटिंग में बुधवार, 29 अक्टूबर को लिया जाएगा।इस बैठक में दो अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। पहला, कंपनी 30 सितंबर तक की तिमाही और आधे साल के वित्तीय नतीजों को मंजूरी देगी। दूसरा, बोर्ड अंतरिम डिविडेंड के वितरण पर फैसला करेगा। अगर डिविडेंड प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो निवेशकों को भुगतान घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। रेलटेल ने इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट मंगलवार 4 नवंबर तय की है। इसका अर्थ है कि जिन निवेशकों के नाम इस तारीख तक कंपनी के रजिस्टर में दर्ज होंगे, केवल वे ही इस डिविडेंड के पात्र होंगे। आमतौर पर रिकॉर्ड डेट से एक दिन पहले एक्स-डिविडेंड डेट होती है, इसलिए रेलटेल का शेयर 3 नवंबर 2025 से डिविडेंड के बिना ट्रेड होना शुरू हो सकता है। कंपनी ने यह भी बताया कि उसके अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके निकट संबंधियों के लिए ट्रेडिंग विंडो 1 अक्टूबर 2025 से बंद कर दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंड से भारतीय निवेशकों को मिला 72 फीसदी का शानदार रिटर्न

नई दिल्ली

घरेलू इक्विटी से परे अवसरों की तलाश करने वाले भारतीय निवेशकों को पिछले एक साल लाभ प्राप्त हुए हैं, जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंड और फंड-ऑफ-फंड (एफओएफ) ने 72 फीसदी तक का शानदार रिटर्न दिया है।

टेक्नोलॉजी, एआई, उपभोक्ता खर्च और कमोडिटीज द्वारा संचालित वैश्विक तेजी के कारण इन फंड ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली भारतीय इक्विटी कैटेगरी को भी पीछे छोड़ दिया है। एसीई म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक टॉप 10 अंतरराष्ट्रीय फंडों ने एक साल का रिटर्न 33 फीसदी से 72 फीसदी के बीच दिया।

इसकी तुलना में इस अवधि में बेंचमार्क निफ्टी केवल 5.7 फीसदी बढ़ा। मिराए एसेट एनवाईएसई फैंग प्लस ईटीएफ एफओएफ 71.78 फीसदी के एक साल के रिटर्न और 62.72 फीसदी के तीन साल के रिटर्न के साथ लिस्ट में टॉप पर रहा है। इसके बाद इन्वेस्को ग्लोबल कंज्यूमर ट्रेंड्स एफओएफ रहा, जो ग्लोबल कंज्यूमर ब्रांड और डिजिटल कॉमर्स कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन का लाभ उठाते हुए 52.65 फीसदी बढ़ा।

अमेरिका-केंद्रित व्यापक रणनीतियों ने भी अहम लाभ हासिल किया। मिराए एसेट एसएंडपी 500 टॉप 50 ईटीएफ एफओएफ ने 49.91 फीसदी रिटर्न दिया, जबकि मोतीलाल ओसवाल नैस्डैक 100 एफओएफ ने एक साल में 42.48 फीसदी रिटर्न दिया।

डीएसपी वर्ल्ड माइनिंग ओवरसीज इक्विटी एफओएफ में 32.83 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिसे ग्लोबल कमोडिटी की उच्च कीमतों और प्रमुख खनन कंपनियों के बीच बेहतर पूंजी अनुशासन का समर्थन मिला है।

कुल मिलाकरग्लोबल डायवर्सिफिकेशन ने इस साल भारतीय निवेशकों को स्पष्ट रूप से लाभ पहुंचाया है।

क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों विशेष रूप से एआई, टेक्नोलॉजी और संसाधनों द्वारा संचालित बाजारों ने घरेलू इक्विटी की तुलना में कहीं ज्यादा मजबूत रिटर्न दिया है।

इस बीच पिछले दो सत्रों में भारी गिरावट के बाद सोमवार के रिकॉर्ड उच्च स्तर से निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के कारण सोने और चांदी की कीमतें क्रमशः 4,050 और 48 डॉलर प्रति औंस के आसपास स्थिर हो गईं।

बाइक राइडर्स के बीच ब्लूटूथ हेलमेट्स हो रहे लोकप्रिय

नई दिल्ली

बाइक राइडर्स के बीच आजकल ब्लूटूथ हेलमेट्स बेहद लोकप्रिय हो रहे हैं। इन हेलमेट्स की मदद से राइडर्स बिना फोन निकाले ही हैंड्स-फ्री कॉलिंग, नेविगेशन और म्यूजिक का आनंद ले सकते हैं। ये न केवल राइडिंग को सुरक्षित बनाते हैं, बल्कि सफर को मनोरंजक और आसान भी करते हैं। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से म्यूजिक वॉल्यूम को कम रखना जरूरी है ताकि सड़क पर ध्यान भंग न हो। ब्लूटूथ हेलमेट्स का फुल-फेस डिज़ाइन सर्दी और गर्मी दोनों मौसम में सुरक्षा प्रदान करता है और ऐसा अनुभव देता है जैसे आप किसी कार में बैठे हों।

स्टीलबर्ड एसबीएच-32 एरोनॉटिक्स ब्लूटूथ हेलमेट एडवांस्ड ब्लूटूथ 5.2 टेक्नोलॉजी से लैस है, जो 48 घंटे तक का टॉकटाइम और 110 घंटे की स्टैंडबाय बैटरी बैकअप देता है। इसमें मल्टीपल एयर वेंट्स, विंड डिफ्लेक्टर और रियर स्पॉइलर हैं जो हवा के दबाव को कम कर स्थिर राइडिंग सुनिश्चित करते हैं। कीमत रुपए 4,399 है। स्टीलबर्ड एसबीए-20 7विंग्स ब्लूटूथ हेलमेट आईएसआई सर्टिफाइड फ्लिप-अप हेलमेट है, जो हाई इम्पैक्ट थर्मोप्लास्टिक शेल से बना है। इसमें 48 घंटे का टॉकटाइम, एलईडी लाइट इंडिकेटर और वॉइस कमांड फीचर दिया गया है।

बेहतर वेंटिलेशन और आरामदायक पैडिंग इसे लंबी राइड के लिए उपयुक्त बनाती है। कीमत रुपए 4,799 है। हेडफॉक्स एन 2 एयर 7 मेट्रो ब्लूटूथ हेलमेट इंटीग्रेटेड ब्लूटूथ 5.2 तकनीक के साथ आता है, जो कॉल, म्यूजिक और नेविगेशन को सपोर्ट करता है। 3 घंटे में फुल चार्ज होकर 48 घंटे का टॉकटाइम देता है। यह आईएसआई सर्टिफाइड है और तीन कलर ऑप्शन में उपलब्ध है। कीमत रुपए 4,799 है।

सोने का भाव 1,23,600 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी 1,47,200 रुपए किलो

नई दिल्ली

सोने-चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,23,600 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,47,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 517 रुपये की गिरावट के साथ 1,23,587 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,24,104 रुपये था। इस समय यह 534 रुपये की गिरावट के साथ 1,23,570 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 2,011 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,501 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,48,512 रुपये था। इस समय यह 1,322 रुपये की गिरावट के साथ 1,47,190 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,47,256 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,46,500 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 4,144 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,245.60 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 19.70 डॉलर की गिरावट के साथ 4,125.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 4,398 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 48.66 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 48.70 डॉलर था। इस समय यह 0.53 डॉलर की गिरावट के साथ 48.17 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव 53.76 डॉलर का उच्च स्तर छू चुके हैं।

बंदरगाह के बुनियादी ढांचे में 22.9 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली

श्रीलंका में अत्याधुनिक बंदरगाह बुनियादी ढांचे में 22.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) ने इस वर्ष पहले नौ महीनों में श्रीलंका के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सबसे अधिक योगदान किया। निवेश बोर्ड ने जानकारी दी कि सीडब्ल्यूआईटी, अडानी इंटरनेशनल पोर्ट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (भारत) और जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी द्वारा श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी के साथ साझेदारी में किया गया निवेश है। निवेश बोर्ड (बीओआई) ने घोषणा की, '' बीओआई-अनुमोदित उद्यमों में निवेश के लिए विदेशी वाणिज्यिक ऋण सहित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह जनवरी से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान 82.7 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया जो 2024 की इसी अवधि में 138 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।'' इसमें कहा गया कि सीडब्ल्यूआईटी ने '' रणनीतिक विकास समझौते के तहत अत्याधुनिक बंदरगाह अवसंरचना'' में 22.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। बीओआई ने कहा कि इससे बंदरगाह की क्षमता 32 लाख बीस-फुट समतुल्य इकाइयों (टीईयू) तक बढ़ जाएगी, जिससे दक्षिण एशिया में एक प्रमुख 'ट्रांसशिपमेंट' केंद्र के रूप में कोलंबो की भूमिका और मजबूत होगी। बीओआई ने ब्यौरा देते हुए कहा कि निवेश प्रवाह चार स्रोतों

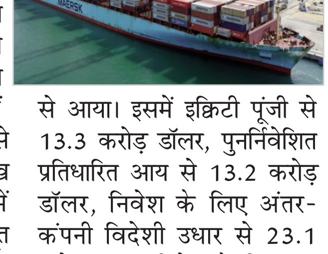

से आया। इसमें इक्विटी पूंजी से 13.3 करोड़ डॉलर, पुनर्निवेशित प्रतिधारित आय से 13.2 करोड़ डॉलर, निवेश के लिए अंतर-कंपनी विदेशी उधार से 23.1 करोड़ डॉलर, निवेश के लिए कर रहा है।

झींगा से लेकर सॉफ्टवेयर तक - नए व्यापार समझौते से भारत के लिए बड़ा बाजार खुला

पीयूष गोयल

भारत की नियति में अलगाव नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी है। जिस तरह पुरानी सभ्यता वाले हमारे राष्ट्र के प्राचीन नाविकों ने साहस के साथ अज्ञात जलमार्गों पर यात्रा की थी, ठीक उसी तरह आज के 140 करोड़ भारतीय - आत्मविश्वास एवं दृढ़निश्चय के साथ और एकजुट होकर - आगे बढ़ रहे हैं। लक्ष्य है - अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना, शिक्षा एवं डिजिटल क्रांति के जरिए सशक्त बनना और एक टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना। हम सबको मिलकर वाणिज्य के क्षेत्र में भारत को एक ऐसे अग्रणी देश के रूप में पुनर्स्थापित करना है, जहां व्यापार एवं प्रौद्योगिकी मानवता की सेवा करें और नवाचार एवं समावेशन कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें।

भारत ने समृद्धि का एक और दरवाजा खोल दिया है। उसने प्रति व्यक्ति 100,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक आय वाले यूरोपीय देशों के एक धनी समूह के साथ एक नए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इससे भारतीय किसानों, मछुआरों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए एक आकर्षक बाजार में पहुंचने का रास्ता खुल गया है और प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को पर्याप्त गति मिलेगी।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) - स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन - के साथ हुआ व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) ऐतिहासिक है। यह समझौता 1 अक्टूबर को शुभ नवरात्रि के दौरान लागू हुआ। ईएफटीए के सदस्य देशों ने 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश का संकल्प लिया है - जो दुनिया में किसी भी व्यापार समझौते में जतायी गई पहली ऐसी प्रतिबद्धता है। इस समझौते के जरिए, ईएफटीए के सदस्य देशों की सरकारें भारत में निवेश को बढ़ावा देंगी, कम से कम दस लाख रोजगार सृजित करेंगी और प्रधानमंत्री मोदी के 'मेक इन इंडिया' मिशन को गति प्रदान करेंगी।

विकसित भारत हेतु व्यापार की रणनीतिः मोदी सरकार ने अतीत की झिझक को छोड़कर मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को अपनाया है। ये समझौते हमारे उत्पादों और सेवाओं को प्रीमियम एवं विकसित बाजारों में पहुंचाते हैं। ये समझौते न सिर्फ नए दरवाजे खोलते हैं, बल्कि हमारे उद्योगों को सशक्त बनाते तथा हमें आगे बढ़ने में मदद करने वाले प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता का संचार भी करते हैं। भारत ने जहां जुलाई 2025 में यूनाइटेड किंगडम के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया, वहीं यूरोपीय संघ के साथ बातचीत भी अच्छी तरह आगे बढ़ी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक प्रयासों से ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ दोनों पक्षों के लिए लाभदायक समझौते हुए।

प्रतिस्पर्धा के बीच आगे बढ़ते हुए वैश्विक मंचों पर अपनी छाप छोड़ने के आत्मविश्वास से भरा हुआ, भारतीय उद्योग जगत आज बुलंदियों पर खड़ा है। यूपीए शासन के दौरान किए गए जल्दबाजी भरे सौदों के उलट, गहन विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए मोदी-युग के हर मुक्त व्यापार समझौते का उद्योग जगत के विभिन्न हितधारकों ने खुले दिल से स्वागत किया है। यूपीए शासन के सौदे बिना किसी जानकारी के और अक्सर उन प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के साथ किए गए थे, जिन्हें हमारे बाजारों तक पहुंच तो मिली, लेकिन उन्होंने अपने दरवाजे पर्याप्त रूप से नहीं खोले।

भारत को आकर्षक बनाना - यह बदलाव 11 वर्ष पहले शुरू हुआ था, जब प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी अर्थव्यवस्था को 'नाजुक पांच' के तमगे से उबारकर इसे व्यापार एवं पूंजी के लिए एक आकर्षण का केन्द्र बनाया। मोदी सरकार ने बुनियादी सुधारों के जरिए विरासत में मिली समस्याओं, गतिरोध, उच्च मुद्रास्फीति, भ्रष्टाचार और अक्षमताओं को दूर किया। अकेले उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने मार्च 2025 तक कुल 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, जिससे 12 लाख से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं। प्रधानमंत्री गति शक्ति एवं राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति ने लागत में कमी की है और बुनियादी ढांचे को सुव्यवस्थित किया है। हमारी डिजिटल रीढ़ - जन-धन, यूपीआई और ट्रेड कनेक्ट - ने अवसरों का लोकतंत्रीकरण किया है और छह वर्षों में कुल 12,000 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 65,000 करोड़ लेनदेन को संभव बनाया है। इससे वंचित वर्ग अब वित्तीय मुख्यधारा में आ गया है।

निवेश और रोजगार सृजन - अब, ईएफटीए के 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश से दस लाख प्रत्यक्ष और अनगिनत अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का वादा किया गया है। यह निवेश पिछले 25 वर्षों में इन देशों से प्राप्त मात्र 11.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से कहीं अधिक बड़ा है। वर्ष 2024-25 में भारत का कुल एफडीआई 81 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के साथ, जोकि 14 प्रतिशत की वृद्धि है, वास्तविक प्रवाह जतायी गई प्रतिबद्धताओं को पीछे छोड़ सकता है। इसका श्रेय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था में मौजूद अवसरों और मजबूत बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) कानूनों को जाता है, जिनका प्रभावी ढंग से पालन किया जाता है। टीईपीए प्रवर्तन एवं सुव्यवस्थित सुरक्षा उपायों के मामले में बेहतर सहयोग के जरिए आईपीआर को मजबूत करता है, नवोन्मेषकों को सशक्त बनाता है और ठोस नियामक संबंधी निश्चितता के बीच उच्च-तकनीक से संबंधित पूंजी को आकर्षित करता है।

किसान और मछुआरे - प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के अलावा, वस्त्र तथा रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्र से जुड़े निर्यात में भी तेजी आएगी। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। ईएफटीए के समृद्ध उपभोक्ता हमारे कृषि उत्पादों, चाय और कॉफी के लिए लालायित रहते हैं। भारत ने जहां डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण दिया है, वहीं चावल, ग्वार गम, दालें, अंगूर, आम, सब्जियां, बाजरा और काजू के व्यापार को अवसर प्रदान किए हैं। बिस्कुट, कन्फेक्शनरी, चॉकलेट और सॉस जैसे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर शुल्क में कटौती से यह सौदा और भी बेहतर हो गया है। मछुआरे इस बात से खुश हैं कि निर्बाध मानक सहयोग के जरिए फ्रोजन झींगा, प्रॉन्स और स्क्विड का निर्यात बढ़ेगा।

आकांक्षी भारतीयः टीईपीए द्वारा नर्सिंग, अकाउंटेंसी और आर्किटेक्चर के क्षेत्र में पारस्परिक मान्यता से संबंधित समझौतों का मार्ग प्रशस्त होने से इन सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भारतीय पेशेवरों के लिए ईएफटीए में प्रवेश आसान हो जाएगा। सक्रिय नियामक वाताओं के जरिए तकनीकी बाधाओं के कम होने से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), व्यवसाय, सांस्कृतिक, मनोरंजन, शिक्षा और दृश्य-श्रव्य सेवाओं के लिए द्वार खुलेंगे।

बाधाओं की समाप्तिः टीईपीए टैरिफ से आगे बढ़कर खाद्य सुरक्षा, पशु एवं पादप स्वास्थ्य, उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में निष्पक्ष व पारदर्शी नियम तैयार करता है। स्पष्ट सूचना साझाकरण, सत्यापन, आयात संबंधी जांच एवं प्रमाणन इन्हें व्यापार से संबंधित मकड़जाल बनने से रोकते हैं, भारतीय वस्तुओं के लिए ईएफटीए तक पहुंचने का मार्ग सुगम बनाते हैं और साथ ही उद्योग जगत को घरेलू मानकों को ऊंचा उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। हमारे किसान और उत्पादक सुरक्षित निर्यात, कीट-मुक्त उत्पाद, वैश्विक स्तर के मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करेंगे, जिससे घरेलू गुणवत्ता भी बढ़ेगी। बेहतर जांच और अनुपालन का अर्थ है प्रत्येक भारतीय परिवार के लिए स्वास्थ्यवर्धक भोजन और विश्वसनीय उत्पाद।

बेहतर भविष्यः ये समझौते निमार्ताओं, सेवा प्रदाताओं और आम नागरिकों के बीच उत्साह जगाते हैं, जो गहरे आर्थिक संबंधों के जरिए उच्च-गुणवत्ता वाले वैश्विक उत्पादों का आनंद लेते हैं। टीईपीए अपने मूल में स्थिरता को समाहित करता है, समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाले व्यापार को बढ़ावा देता है, गरीबी से लड़ता है और हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है। पेरिस समझौते और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मूल सिद्धांतों की पुष्टि करते हुए, यह जलवायु संबंधी कार्रवाई, लैंगिक समानता तथा जैव विविधता संरक्षण से संबंधित सहयोग को बढ़ावा देता है और उचित वेतन, सुरक्षित रोजगार एवं एक हरी-भरी धरती सुनिश्चित करता है। हरित प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान एवं सहयोग के जरिए, यह श्रमिकों का उत्थान करता है, असमानता को कम करता है और हमारे बच्चों के लिए एक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करता है। मोदी के भारत में जन्मे बच्चे को घर पर भी उतने ही अवसर मिलते हैं, जितने कि आल्प्स की पहाड़ियों वाली भूमि, आग एवं बर्फ वाली भूमि या फिर मध्यरात्रि के सूर्य वाली भूमि में!

भारत की नियति में अलगाव नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी है। जिस तरह पुरानी सभ्यता वाले हमारे राष्ट्र के प्राचीन नाविकों ने साहस के साथ अज्ञात जलमार्गों पर यात्रा की थी, ठीक उसी तरह आज के 140 करोड़ भारतीय - आत्मविश्वास एवं दृढ़निश्चय के साथ और एकजुट होकर - आगे बढ़ रहे हैं। लक्ष्य है - अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना, शिक्षा एवं डिजिटल क्रांति के जरिए सशक्त बनना और एक टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना। हम सबको मिलकर वाणिज्य के क्षेत्र में भारत को एक ऐसे अग्रणी देश के रूप में पुनर्स्थापित करना है, जहां व्यापार एवं प्रौद्योगिकी मानवता की सेवा करें और नवाचार एवं समावेशन कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं।)

संपादकीय

'हलाल' के चिंतित मायने

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'हलाल प्रमाणन' वाले उत्पाद इस्तेमाल नहीं करने का आह्वान किया है। उन्होंने इसे आतंकवाद, इस्लामी धर्मान्तरण, लव जेहाद आदि हिन्दू-विरोधी गतिविधियों से जोड़ा है। योगी के मुताबिक, इस प्रमाणन का काफी पैसा आतंकवाद और धर्मान्तरण पर खर्च किया जाता है। यह देश की जनसंख्या के समीकरण बदलने की इस्लामी साजिश है। बिहार में चुनाव का मौसम है और योगी भाजपा के स्टार प्रचारकों में एक हैं। उन्होंने 'राजनीतिक इस्लाम' का मुद्दा भी उठाया है। चूंकि योगी आदित्यनाथ धुर हिन्दूवादी नेता हैं और उन्होंने 2023 से उप्र में 'हलाल प्रमाणन' पर पाबंदी थोप रखी है, लिहाजा उनके आरोप और आह्वान सियासी भी हो सकते हैं। चुनाव के दौरान हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण के वह सूत्रधार रहे हैं, लेकिन देश में 'हलाल प्रमाणन' की सिर्फ 4 संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। सरकार इस प्रमाणन से तटस्थ रही है। सवाल किया जा सकता है कि ऐसा क्यों? जबकि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को 'हलाल प्रमाणन' के लिए अधिकृत किया है, लिहाजा ये किसी भी संदर्भ में 'अवैध' नहीं हैं। भारत सरकार की अनुमति के बिना 'हलाल' ठप्पे वाले उत्पादों का निर्यात नहीं किया जा सकता। 'हलाल प्रमाणन' सिर्फ मांस तक ही सीमित नहीं है। हालांकि इस प्रमाणन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया। अब दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, मसाले, तेल सरीखे शाकाहारी उत्पाद, फलियां, मेवे, अनाज और चीनी आदि भी 'हलाल प्रमाणन' के दायरे में हैं। यह दलील दी जाती रही है कि उत्पादों में 'हराम' अथवा निषिद्ध सामग्री (सूअर का मांस और शराब आदि) का उपयोग तो नहीं किया गया, उसके लिए 'हलाल प्रमाणन' अनिवार्य है। बेहद अहम सवाल है कि माचिस, चाय की प्याली, सरिया, सीमेंट, फ्लैट आदि में गैर-इस्लामी सामग्री का कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है? लेकिन उन पर भी यह प्रमाणन अनिवार्य है। हास्यास्पद् है कि स्कूल, अस्पताल और अर्थव्यवस्था को भी 'हलाल' करार देने की कोशिशें जारी हैं। कुछ कामयाब भी रही हैं। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रघुराम राजन ने यह विचार दिया था कि बैंकिंग क्षेत्र को भी 'हलाल प्रमाणन' के दायरे में लाया जाए। यह दीगर है कि ऐसा राजनीतिक तौर पर संभव नहीं हो सका। कई दवाएं और सौन्दर्य प्रसाधन के उत्पाद 'हलाल' की निगरानी में हो सकते हैं, क्योंकि उनमें गैर-इस्लामी, निषिद्ध सामग्री इस्तेमाल की जाती रही है।

चिंतन-मनन

ईश्वर की कृपा बुद्धि से ही प्राप्त होती है

योग में आसन, प्राणायाम, मुद्रा और आहार-विहार आदि पर तो बहुत शोध हुए हैं, अब ध्यान और मुद्रा की बारी है। इस विधा के अनुसार शांत मस्तिष्क ऊर्जा का केंद्र है तो निर्मल मन शांति और स्थिरता का। शास्त्रों में इन केंद्रों की उपमा ब्रह्मलोक और क्षीर सागर से दी गई है। मस्तिष्क या खोपड़ी में जहां दिमाग माना जाता है वहां एक केंद्र की कल्पना की गई है। इस केंद्र को ब्रह्मकेंद्र कहते हैं। ब्रह्मरंध अर्थात् मस्तिष्क का मध्यबिन्दु। ब्रह्माण्ड के मध्य में ब्रह्मलोक माना गया है और ब्रह्मरंध्र मस्तिष्क में है। जीव और ब्रह्म के बीच अति महत्वपूर्ण आदान-प्रदान का माध्यम यही है। पृथ्वी भी मनुष्य की तरह अंतग्रही आदान प्रदान से समृद्ध होती रहती है। उससे सूक्ष्म आवश्यकताओं की पूर्ति के साधन जुटते रहते हैं। इस आदान-प्रदान का केन्द्र द्वार ध्रुव है। ठीक इसी प्रकार मस्तिष्क का मध्य केन्द्र ब्रह्मरंध्र सहस्त्रार कमल है। यह जितना सशक्त या दुर्बल होता है उसी अनुपात में जीवन को ब्रह्मसत्ता के अनुदान पाने की सम्भावना बढ़ती है। अन्तर्जगत के इस ब्रह्मलोक की अमृत वर्षा का लाभ लेने के लिए खेचरी मुद्रा का साधन बताया गया है । ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त का साधन बताया गया है। ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त से बैठकर जीभ के अगले भाग को तालु मूर्धा से लगाया जाता है। सहलाने जैसे मन्द-मन्द स्पन्दन पैदा किये जाते हैं। उस उत्तेजना से सहस्त्र दल कमल की प्रसुप्त स्थिति जागृति में बदलती है। यह खेचरी मुद्रा है। इस स्तर पर अनुभव होने वाले उपादानों का वैज्ञानिक विश्लेषण अभी बाकी है। अध्यात्मविदों के अनुसार यदि भावना और क्रिया का सही समन्वय कर-के इस साधना को किया जा सके तो चेतना क्षेत्र में आनन्द और कार्य क्षेत्र में उल्लास की उपलब्धि होती है।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस कला को जानने का दिन

संजय गोस्वामी

हर साल अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस 25 अक्टूबर को मनाया जाता है, 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस कलाकारों और उनके योगदान का सम्मान करता है। यह दिन सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक, पाब्लो पिकासो, जिनका जन्म 25 अक्टूबर, 1881 को हुआ था, उनके सम्मान में कलाकार दिवस मनाया जाता है। पाब्लो पिकासो विपुल रचनाकार, वे मुख्यतः एक चित्रकार थे, लेकिन उन्होंने प्रभावशाली मूर्तिकला, चित्रकला, मुद्रण, चीनी मिट्टी की चीजें और रंगमंचीय डिजाइन के साथ-साथ कविताएँ और कला पर भी लेखन किया।कलाकार अपनी कृतियों को रचने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। वे हमारे आसपास की दुनिया में सुंदरता भरते हैं। ज्यादातर कलाकार कई अलग-अलग माध्यमों से काम करते हैं। इतना ही नहीं, कलाकार शब्द में चित्रकार, फोटोग्राफर, मूर्तिकार, संगीतकार, नर्तक, लेखक, अभिनेता, डिजिटल कलाकार और बहुत कुछ शामिल हैं। जब कोई रचनात्मक प्रतिभा के साथ पैदा होता है, तो उसकी रचनात्मकता कई अलग-अलग क्षेत्रों में प्रवाहित होती है। उदाहरण के लिए, पिकासो एक चित्रकार, मूर्तिकार, सिरेमिक कलाकार, कवि और नाटककार थे। कला रचनात्मक या कल्पनाशील प्रतिभा का उपयोग करके बनाई गई सांस्कृतिक गतिविधि है, जिसमें भावनात्मक शक्ति, तकनीकी दक्षता या सुंदरता की अभिव्यक्ति के माध्यम से एक सार्थक अनुभव उत्पन्न करने की उम्मीद की जाती है। यह एक कौशल है जिसमें शारीरिक और मानसिक दक्षता का उपयोग होता है। कला में चित्रकला, मूर्तिकला, साहित्य, संगीत और नृत्य जैसे विविध रूप शामिल हैं। कला की परिभाषा और महत्व अभिव्यक्ति का माध्यमः कला मानवीय भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। कौशल और कल्पनाः यह कौशल और कल्पना का एक संयोजन है जो विभिन्न रूपों में प्रकट होता है। सांस्कृतिक और भावनात्मक लाभः कला तनाव कम करने, मानसिक शांति देने और भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करती है। यह संस्कृति और परंपराओं को संजोने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भी एक साधन है। कला के प्रकार दृश्य कलाः इनमें चित्रकला, मूर्तिकला, ड्राइंग, फोटोग्राफी और वास्तुकला शामिल हैं। प्रदर्शन कलाः इनमें नृत्य, संगीत, रंगमंच और अभिनय शामिल हैं। साहित्यः इसमें कविता, नाटक और कहानियाँ शामिल हैं। हस्तशिल्पः इसमें उपयोगी और सुंदर वस्तुएँ बनाना शामिल है। कला के तत्व कला के सात मुख्य तत्व हैंः रेखा (Line): विकर्ण, ऊर्ध्वाधर और लहरदार रेखाएं। आकार (रैंस्त्री): द्विविमीय रूप। स्थान (Space): वस्तुओं के बीच और आसपास का क्षेत्र। मूल्य (Value): रंग की हल्कापन या गहरापन। रूप (Form): त्रि-आयामी वस्तुएँ। बनावट (Texture): सतह का अनुभव। रंग (Color): रंगों का उपयोग आदि शामिल है । कला का उद्भव लिखित कृतियों से बहुत पहले हुआ था। आदिकाल से ही, कला विचारों का संचार करती रही है और महत्वपूर्ण घटनाओं का अभिलेख रखती रही है। कला अतीत से जुड़ाव प्रदान करती है। कलाकार हमारे इतिहास को अमिट रूप से दर्ज करते हैं। वे सत्य को भी उजागर करते हैं। अपने काम के माध्यम से, वे कहानियाँ सुनाते हैं और परंपराओं को आगे बढ़ाते हैं। कलाकारों के पास अपने आसपास के लोगों से जुड़ने का एक अनूठा तरीका होता है। बुरी खबरों से भरी इस दुनिया में, उनकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक आशा का संदेश देना है। दुनिया भर के कई संगठन अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस का समर्थन करते हैं। इनमें मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ आर्ट, आर्ट गैलरी ऑफ ओंटारियो, नेशनल गैलरीज ऑफ स्कॉटलैंड, जेरूसलम फाउंडेशन और कई अन्य शामिल हैं। स्थानीय कलाकारों का सम्मान करने के लिए, व्हाइट रॉक, ब्रिटिश कोलंबिया और सैन मिगुएल, स्पेन जैसे कई शहर ललित कला उत्सवों का आयोजन करते हैं। दुनिया भर की कला दीघाएँ ओपन हाउस आयोजित करती हैं और जनता को अपनी कला को निःशुल्क या रियायती मूल्य पर देखने के लिए आमंत्रित करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस में भाग लेने के लिएः आप किस तरह के कलाकार हैं, यह जानने के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी करें किसी भूखे कलाकार को दोपहर के भोजन पर ले जाएँ अपने घर के लिए एक नई पेंटिंग खरीदें किसी आर्ट गैलरी में जाएँ सिम्फनी में जाएँ कला कक्षाओं के लिए साइन अप करें किताब लिखना शुरू करें कोई संगीत वाद्ययंत्र बजाना सीखें किसी प्रतिभा प्रदर्शन प्रतियोगिता में भाग लें अपने स्थानीय कलाकारों का समर्थन करें किसी ऐसे बच्चे को प्रोत्साहित करें जिसमें रचनात्मकता का उपहार हो एक चित्र बनाएँ कला में रचनात्मकता आपके चारों ओर है, जिसका अर्थ है कि यह एक ऐसा दिन है जिसे आप हर दिन मना सकते हैं.। अपने फोन से एक तस्वीर लेना भी कला का एक रूप है। आप जश्न मनाने के लिए चाहे जो भी करें कनाडाई कलाकार, क्रिस मैकक्लर ने 2004 में अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस की शुरूआत की थी। तब से, 25 अक्टूबर का दिन कलाकारों द्वारा समाज में दिए गए सभी योगदानों का जश्न मनाने के लिए समर्पित है।

प्रकृति, पवित्रता और प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

योगेश कुमार गोयल

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूयोर्पासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्त्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीघार्यु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं।

इस साल 25 अक्तूबर से नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान के साथ कार्तिक छठ पर्व की शुरूआत हो रही है। इस दिन छठ व्रती नियम-धर्म से सात्विक भोजन बनाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण करेंगे। छठी मइया को ध्यान कर छठ पूजा 2025 का संकल्प नहाय-खाय पर ही लेने का विधान है। इस दिन छठी मइया और आदित्य देव के लिए गीत गाकर उनका आह्वान किए जाने की परंपरा है। 26 अक्तूबर को खरना है। इस दिन छठ व्रती पूरी निष्ठा से छठी मइया को खीर का प्रसाद बनाकर भोग लगाती हैं। लोहंडा का यह प्रसाद घर-परिवार और पास-पड़ोस में जनमानस को ग्रहण कराने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि खरना का प्रसाद ग्रहण करने से जीवन के सारे दूख दूर होते हैं। छठी मइया व्रती की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। 27 अक्तूबर को अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को संध्याकालीन अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। इस दिन डूबते सूर्य को अर्ध्य अर्पित कर छठ व्रती अपने परिवार की सुख-समृद्धि और संतति वृद्धि की कामना आदित्य देव से करते हैं। ऐसी मान्यता है कि ढ़लते सूरज को जल चढ़ाने से भगवान दिनकर छठ व्रती को भर-भरकर आशीष देते हैं। 28 अक्तूबर को उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्ध्य दिया जाना है। इस दिन दीनानाथ के उगते स्वरूप का दर्शन कर छठ व्रती खुशहाली की कामना करती हैं। परिवार के लोग भी छठ व्रती को सामने से दूध-जल का अर्ध्य अपर्ण कर अपनी निष्ठा प्रकट करते हैं। छठी मइया से मंगलकामनाएं की जाती हैं। छठ पूजा का प्रसाद छठ घाट पर ही ग्रहण करने का विधान है। अंतिम चरण में छठ व्रती पारण कर चार दिवसीय छठ पर्व का अनुष्ठान समाप्त करती हैं।

नियम, संयम और तपस्या का महापर्व छठ चार दिनों तक चलता है लेकिन इसकी तैयारी कई सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती है। षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व की शुरूआत मूल रूप से बिहार और पूर्वांचल से हुई मानी जाती है लेकिन अब यह न केवल भारत के अलग-अलग राज्यों में बल्कि विदेशों में भी मनाया जाने लगा है और बिहार तथा पूर्वांचल के ही नहीं, अन्य क्षेत्रों के बहुत से लोग भी अब छठ पर्व के प्रति आस्थावान होकर यह व्रत करने लगे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्ध्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूयोर्पासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है, अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्ध्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा करने के पश्चात प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है।

छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान् योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को

जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख भी मिलता है। छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों इत्यादि के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को इन जलस्त्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्त्रोतों के किनारे की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्त्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है। यह महापर्व नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने का प्रेरणा देता है, इसीलिए इसे सर्वाधिक पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्यौहार माना जाता है।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस के लूव्र म्यूजियम में चोरी हुए 895 करोड़ रूपए के शाही गहनों का पता लगाने में जुटे 100 स्पेशल एजेंट

पेरिस, एजेंसी। दुनियाभर में मशहूर पेरिस के लूव्र म्यूजियम में रविवार को चोरी हुई ताज के आठ गहनों के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है। पेरिस के अभियोजक लॉर बेक्कुओ ने बुधवार को बताया कि चोरी हुई ज्वेलरी की कीमत करीब 895 करोड़ रुपए है। इनमें शाही नीलम का हार, शाही पन्ना का हार और मैचिंग इयररिंग्स, और नेपोलियन 3 की पत्नी महारानी यूजिनी का एक ताज भी शामिल है। बेक्कुओ ने कहा कि यदि चोर इन टुकड़ों को तोड़कर पिघला देते हैं, तो भी इतनी बड़ी रकम में गहने बेचना संभव नहीं होगा। उधर, फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट न्यूनेज, संस्कृति मंत्री राशिदा दाती और न्याय मंत्री जेराल्ड डार्मनिन ने भी म्यूजियम में बैठक की। बैठक में डार्मनिन ने कहा कि मौके पर पर्याप्त सीसीटीवी भी नहीं थे। वहां अलार्म बजने के बाद भी पुलिस एक्टिव नहीं दिखी। वहीं अभियोजक का मानना है कि इन रत्नों को 'ब्लैक मार्केट' में बेचा जा सकता है। जांच टीम में अब 60 के बजाय 100 स्पेशल एजेंट लगाए गए हैं। टीम खोजबीन कर रही है। लूव्र की सुरक्षा में 1200 गार्ड और 52 से अधिक दमकलकर्मी दो स्तरीय सुरक्षा से घिरे लूव्र में 1,200 गार्ड और सेना के 52 दमकलकर्मी की टीम पहरा देती है। यहां सुरक्षा गार्ड लंबे समय से काम की खराब स्थिति की शिकायत कर रहे हैं। मोनालिसा पेंटिंग को बुलेटप्रूफ बॉक्स में रखा गया है। वहीं, चोरी हुए गहनों में कुछ वे हैं जो 1887 की नीलामी के बाद दोबारा खरीदे गए थे। म्यूजियम के इतिहास में कई बार बड़ी कलाकृतियों की चोरी हो चुकी है। 1792 में फ्रांसीसी क्रांति के दौरान 10 हजार से ज्यादा कीमती पत्थर और मोती यहां से चोरी हुए थे। इनमें 'फ्रेंच ब्लू हीरा' शामिल था। 1976 में किंग चार्ल्स-10वें की हीरे जड़ी तलवार और 1998 में 'द पाथ ऑफ सेव्रेस' पेंटिंग भी चुराई गई, जो नहीं मिली।

श्रीलंका में विपक्षी नेता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, बढ़ती हिंसा से लोगों में दहशत का माहौल

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां बुधवार को एक 38 वर्षीय विपक्षी नेता लसंत विक्रमसेकरा की उनके दफ्तर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, तटीय शहर वेलिगामा के नगरपालिका परिषद अध्यक्ष विक्रमसेकरा अपने समर्थकों से मुलाकात कर रहे थे, तभी एक व्यक्ति दफ्तर में घुसा और रिवॉल्वर से उन पर कई गोलियां दाग दीं। हमले में कोई और घायल नहीं हुआ, जबकि हमलावर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन जांच शुरू कर दी गई है। बता दें कि विक्रमसेकरा विपक्षी पार्टी समगी जना बलवेगया (एसजेबी) से जुड़े थे, जो वेलिगामा परिषद पर नियंत्रण को लेकर सत्तारूढ़ दल से टकराव में थी। बता दें कि श्रीलंका में इस साल से हिंसक घटनाओं में तेज बढ़ोतरी हुई है, जिनमें से कई नशे के गिरोहों और संगठित अपराध से जुड़ी हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 100 से ज्यादा गोलीबारी की घटनाओं में 50 लोगों की मौत हो चुकी है। यह घटना राष्ट्रपति अनुरा कुमारा डिसानायके की सरकार बनने के बाद किसी राजनेता की पहली हत्या है। इससे पहले फरवरी में कोलंबो की एक अदालत में वकील के भेष में आए हमलावर ने एक आरोपी को गोली मार दी थी।

ब्रिटेन में पाकिस्तान मूल के किशोर को आजीवन कारावास

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के शेफील्ड में एक 15 वर्षीय छात्र मोहम्मद उमर खान को अपने ही स्कूल में एक सहपाठी की हत्या करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। न्यायाधीश नाओमी एलेनबोगेन की कोर्ट से पारित आदेश के मुताबिक 15 साल के किशोर खान को 16 साल जेल की सजा होगी। खान ने 3 फरवरी को ऑल सेंट्स कैथोलिक हाई स्कूल में 15 वर्षीय हार्वी विलगूस को शिकार के चाकू से घोंपकर मार डाला था। पुलिस की जांच में सामने आया कि दोनों के बीच एक सप्ताह पहले झगड़ा हुआ था। घटना के दिन खान ने स्कूल में चाकू लाकर हमला किया। पुलिस ने मौके से उसे गिरफ्तार किया। अदालत ने अपने फैसले में कहा, खान को हथियारों में लंबे समय से रुचि थी और उसने यह सोचकर चाकू रखा था कि इससे वह खुद को सुरक्षित रख पाएगा या उसे स्टेटस मिलेगा। बचाव पक्ष के वकीलों ने अपनी दलीलों में कहा, खान को स्कूल में वर्षों तक बुली किया गया और डर के माहौल ने उसे नियंत्रण खोने पर मजबूर कर दिया। हार्वी की बहन ने अदालत में कहा कि वह बेहद दयालु और हंसमुख था, और उसका खोना उनके परिवार के लिए असहनीय है। सभी दलीलों को सुनने के बाद जज ने कहा कि इस अपराध के कारण कई जिंदगियां तबाह हुई हैं। हार्वी, उसके परिवार, दोस्तों और खुद खान के परिवार का जीवन भी बर्बाद हुआ है। अब उसे कम से कम 16 साल जेल में रहना होगा।

अमेरिका ने रूस की 2 सबसे बड़ी तेल कंपनियों को किया बैन, यूक्रेन युद्ध खत्म करने का बढ़ाया दबाव

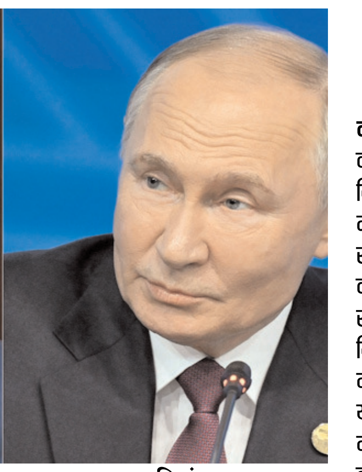

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने बुधवार को रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह कदम मॉस्को पर यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से उनकी वार्ताएं निष्फल रहीं और अब हिंसा रोकने का समय आ गया है।

अमेरिकी ट्रेज़री सचिव स्कॉट बेसेंट ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, अब निर्दोष लोगों की हत्या रोकने और तत्काल युद्धविराम का समय है। राष्ट्रपति पुतिन के इस निरर्थक युद्ध को समाप्त करने से इनकार के चलते ट्रेजरी विभाग रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगा रहा है, जो क्रेमलिन की युद्ध मशीन को वित्तीय मदद देती हैं। यदि आवश्यक हुआ तो अमेरिका आगे और कार्रवाई के लिए तैयार है। हम अपने सहयोगी देशों से भी इन प्रतिबंधों में शामिल होने का आग्रह करते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह कदम अस्थायी रहेगा। ट्रंप ने कहा, ये बहुत बड़े प्रतिबंध हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ये ज्यादा समय तक नहीं चलेंगे। हम चाहते हैं कि युद्ध का समाधान निकले। ट्रंप ने बताया कि वे हर बार पुतिन से अच्छी बातचीत करते हैं, लेकिन बातें आगे नहीं बढ़तीं।

अमेरिकी वित्त विभाग के अनुसार, इन प्रतिबंधों का लक्ष्य रूस की ऊर्जा क्षेत्र पर आर्थिक दबाव बढ़ाना और क्रेमलिन की राजस्व जुटाने की क्षमता को कमजोर करना है, जिससे वह अपनी युद्ध मशीन को चला नहीं सके।

विभाग ने बयान में कहा, रूस द्वारा शांति प्रक्रिया में गंभीरता नहीं दिखाने के परिणामस्वरूप यह कदम उठाया गया है। आज की कार्रवाई रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाएगी और युद्ध को समाप्त करने के लिए उसे वार्ता की दिशा में लाने में मदद करेगी। स्थायी शांति केवल तभी संभव है जब रूस ईमानदारी से बातचीत के लिए तैयार हो।

ट्रम्प बोले- ओबामा-बाइडेन की वजह से भारत-चीन करीब आए : ट्रम्प ने आगे चीन का जिक्र करते हुए कहा कि रूस और चीन के रिश्ते ऐतिहासिक रूप से कभी बहुत अच्छे नहीं रहे, लेकिन बाइडेन और ओबामा की नीतियों की वजह से दोनों देश अब एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। उन्हें इतना करीब नहीं आना चाहिए था।

भारत पर प्रतिबंध का मकसद रूस पर दबाव बनाना : अमेरिका ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। ट्रम्प कई बार यह दावा कर चुके हैं कि, भारत के तेल खरीद से मिलने वाले पैसे से रूस, यूक्रेन में जंग को बढ़ावा देता है। ट्रम्प प्रशासन रूस से तेल लेने पर भारत के खिलाफ की गई आर्थिक कार्रवाई को पैनल्टी या टैरिफ बताता रहा है। ट्रम्प भारत पर अब तक कुल 50 टैरिफ लगा चुके हैं। इसमें 25% रेसीप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ और रूस से तेल खरीदने पर 25% पैनल्टी है। रेसीप्रोकल टैरिफ 7 अगस्त से और पेनल्टी 27 अगस्त से लागू हुआ। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव केरोलिना लेविट के मुताबिक इसका मकसद रूस पर सेकेंडरी प्रेशर डालना है, ताकि वह युद्ध खत्म करने पर मजबूर हो सके।

अब काला सागर में कहीं भी ड्रोन हमले में सक्षम यूक्रेन

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने काला सागर में कहीं भी हमला कर सकने वाले उन्नत ड्रोन विकसित करने का दावा किया है। यह मानवरहित यान कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से भारी हथियार ले जा सकता है और लक्ष्य को निशाना बना सकता है। यूक्रेन ने काला सागर में रूसी जहाजों व बुनियादी ढांचों को निशाना बनाने के लिए मानवरहित नौसैनिक ड्रोन का इस्तेमाल किया है। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) ने सी बेबी नामक मानवरहित यानों से हमले कर रूस को चिंतित कर दिया है। इन यानों की मारक क्षमता 1,000 किमी से बढ़ाकर 1,500 किमी कर दी गई है।

खैबर पख्तूनख्वा में वाहन पर घात लगाकर हमला, छह की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को घात लगाकर एक वाहन पर किए गए विद्रोहियों के हमले में छह लोगों की मौत हो गई। जिला पुलिस अधिकारी वकार अहमद खान ने बताया कि हमलावरों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली इलाके में एक वाहन पर घात लगाकर हमला किया। वाहन में सवार सभी छह यात्री जिंदा जल गए। उनके शव पहचानने लायक भी नहीं बचे। वाहन मीर अली से बन्नू जा रहा था। आशंका है कि ईंधन टैंक में गोली लगने से आग लग गई। खैबर पख्तूख्वा में लंबे समय से विद्रोही सक्रिय हैं।

दस साल बाद हैती में आम चुनाव की तैयारी, संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी- समय कम, हिंसा बड़ी चुनौती

पोर्ट-ओ-प्रिंस, एजेंसी। हैती में आम चुनाव होने जा रहे है। हालांकि दूसरी ओर सुरक्षा चिंता भी बढ़ गई है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने हैती के नेताओं को चेतावनी दी है कि देश में सुरक्षा बहाल करने और आम चुनाव कराने के लिए अब बहुत कम समय बचा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष प्रतिनिधि कार्लोस रुइज मासीउ ने कहा कि परिवर्तन की घड़ी तेजी से चल रही है, लेकिन लोकतांत्रिक शासन बहाल करने की दिशा में अब तक कोई स्पष्ट रास्ता नहीं दिख रहा है। हैती की अंतरिम राष्ट्रपति परिषद को फरवरी 2026 तक आम चुनाव कराकर सत्ता एक निर्वाचित सरकार को सौंपनी है। बता दें कि लगभग दस साल बाद हैती में आम चुनाव होने जा रहे हैं, लेकिन अभी तक मतदान की तारीख तय नहीं हुई है। देश की अस्थायी चुनाव परिषद ने दस में से नौ प्रांतों में मतदान केंद्रों का आकलन किया है। अब तक 1,309 मतदान केंद्र पहचाने गए हैं जहां करीब 62 लाख मतदाता वोट डालेंगे। पहले चरण के चुनाव पर लगभग 13.7 करोड़ डॉलर (करीब 1,140 करोड़ रुपये) खर्च आने का अनुमान है। हैती के न्याय मंत्रालय के अनुसार, अब तक 220 से ज़्यादा राजनीतिक पार्टियों ने पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हिंसा से बिगड़े हालात हालांकि, चुनावी तैयारियों के बीच गैंग हिंसा लगातार बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की

रिपोर्ट के अनुसार, एक जून से 31 अगस्त के बीच 2,123 लोग हिंसा के शिकार हुए। राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस का करीब 90% इलाका गैंगों के कब्जे में है। अब तक देशभर में 14 लाख से अधिक लोग बेघर हो चुके हैं और अस्थायी शिविरों की संख्या दिसंबर में 142 से बढ़कर 238 हो गई है। साल 2024 के पहले छह महीनों में ही 3,100 लोगों की मौत और 1,100 के घायल होने की खबरें आई हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपील अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि हैती एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को हैती का साथ देना होगा, लेकिन हैती के राजनीतिक और व्यावसायिक वर्ग को भी लोकतंत्र के समर्थन में आगे आना होगा। ब्रिटेन ने भी इस बात पर जोर दिया कि गैंगों को समर्थन देने वाले राजनीतिक और आर्थिक लोगों पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाएं। नई अंतरराष्ट्रीय बल की तैयारी गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में एक नई अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की मंजूरी दी है।

जिनेवा में मिले भारतीय और नेपाली संसदीय प्रतिनिधिमंडल, सहयोग पर की चर्चा

जिनेवा , एजेंसी। भारतीय और नेपाली संसदीय प्रतिनिधिमंडलों ने जिनेवा में 151वीं अंतर संसदीय सभा (आईपीयू) के दौरान आर्थिक सहयोग और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवसरों पर चर्चा की। बुधवार को सभा से इतर एक बैठक में दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता का जिक्र करते हुए जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने, आर्थिक सहयोग, सांस्कृतिक संबंध और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। इंडिया एट यूएन के खाते से सोशल मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में यह जानकारी दी गई। पोस्ट में कहा गया है, जिनेवा में चल रही आईपीयू सभा में, भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मानवीय कार्रवाई, लोकतांत्रिक शासन और वैश्विक संस्थागत सुधारों पर सक्रिय रूप से चर्चा कर रहे हैं। लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र की 80वीं वर्षगांठ की पहल को न केवल वित्तीय दक्षता पर, बल्कि ऐसे सार्थक सुधारों पर भी केंद्रित होना चाहिए जो वैश्विक संस्थानों को अधिक समावेशी और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाएं। भारत का मानना है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार ऐसे प्रयासों के मूल में बने रहने चाहिए। ठाकुर ने कहा, मानवीय सिद्धांत हमारी साझा मानवता की नींव हैं। भारत के सभ्यतागत लोकाचार वसुधैव कुटुम्बकम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि शांति अभियानों और आपदा राहत सहित वैश्विक संकटों में प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में भारत का रिकॉर्ड मानवता के कल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 151वीं अंतर-संसदीय संघ सभा 19 से 23 अक्टूबर तक जिनेवा में आयोजित की जा रही है। यह सत्र दुनिया भर के सांसदों को संकट के समय में मानवीय मानदंडों को बनाए रखने और मानवीय कार्रवाई का समर्थन करने संबंधित विषय पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाता है।

खारकीव में रूसी ड्रोन हमले से किंडरगार्टन तबाह, जेलेंस्की बोले - उन सभी के चेहरे पर थूक जो शांति वार्ता की बात करते...

खार्किव, एजेंसी। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव में बुधवार को एक रूसी ड्रोन हमले ने तबाही मचा दी. यह हमला सीधे एक किंडरगार्टन पर हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि घटना के दौरान इमारत में मौजूद 50 बच्चों को सुरक्षित निकाला गया.

इस हमले के बाद यूक्रेन के विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि बचावकर्मी और पुलिसकर्मी रोते हुए बच्चों को गोद में उठाकर बाहर निकाल रहे हैं, जबकि पीछे से आग और धुएं का गुबार उठ रहा है. वीडियो में आग बुझाने के लिए दमकलकर्मी लगातार प्रयास करते दिखे. मंत्रालय ने कहा कि सभी बच्चों को सुरक्षित रूप से निकालकर शेल्टर में स्थानांतरित कर दिया गया है.

बुडापेस्ट शिखर सम्मेलन टला : जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और अब वे शेल्टर में हैं. फिलहाल सात लोग घायल हैं और उन्हें चिकित्सा सहायता दी जा रही है. कई लोग तीव्र तनाव प्रतिक्रिया (acute stress reaction) का सामना कर रहे हैं.

उन्होंने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा, रूस का यह हमला उन सभी के चेहरे पर थूक है जो शांति वार्ता की बात करते हैं. किंडरगार्टन पर ड्रोन हमला किसी भी तरह से जायजा नहीं ठहराया जा सकता. यह स्पष्ट है कि रूस लगातार अधिक दुस्साहसी होता जा रहा है. इस हमले को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी रोष फैल गया है. विशेषज्ञों का कहना है कि रूस का यह कदम युद्ध को और भी क्रूर और अस्थिर दिशा में ले जा सकता है. यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित बुडापेस्ट शिखर सम्मेलन को टाल दिया गया है. ट्रंप ने कहा कि वे बेकार की बैठक नहीं चाहते, खासकर तब जब रूस ने युद्धविराम की किसी भी अपील को खारिज कर दिया है.

12 साल की बच्ची सहित चार लोग घायल : हालांकि, क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि बैठक की तैयारियां अब भी चल रही हैं. उन्होंने आगे कहा कि तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन यह दोनों राष्ट्रपतियों की साझा इच्छा है. इसी बीच नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में पहुंचने के बाद जेलेंस्की ने ट्रंप की युद्धविराम प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए कहा, फ्रंट लाइन को स्थिर करने का विचार एक अच्छा समझौता हो सकता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि पुतिन इस पर राजी होंगे. खार्किव पर हुए इस हमले से कुछ घंटे पहले ही यूक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के इलाकों में भी ड्रोन हमलों की श्रृंखला चली. कीव में एक दंपति की मौत हो गई जब ड्रोन ने उनके अपार्टमेंट ब्लॉक को निशाना बनाया. पास के पोहरेबी गांव में एक घर पर रूसी हमला हुआ जिसमें आग लग गई और एक महिला, छह महीने का बच्चा और 12 साल की बच्ची सहित चार लोग घायल हो गए. यूक्रेन सरकार का कहना है कि रूस लगातार नागरिक ठिकानों को निशाना बना रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन है. जेलेंस्की ने कहा, यह हमला इस बात का प्रमाण है।

यूक्रेन ने रूस के सबसे बड़े गैस प्लांट पर कर दिया ड्रोन से हमला, सप्लाई बंद

मास्को, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध शांत होने की जगह भड़कता ही जा रहा है। दक्षिणी रूस में एक प्रमुख गैस प्रसंस्करण संयंत्र पर यूक्रेन ने ड्रोन से हमला कर दिया। इसके कारण कजाकिस्तान से गैस की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई। रूसी अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी है। ओरेनबर्ग स्थित यह संयंत्र विश्व के सबसे बड़े गैस उत्पादन और प्रसंस्करण संयंत्रों में से एक है। इसकी वार्षिक क्षमता 45 अरब क्यूबिक मीटर है और यह कजाकिस्तान के कराचगनाक क्षेत्र से गैस कंडेन्सेट को संसाधित करता है। इसे वहां की सरकारी कंपनी गैजप्रोम चलाती है।

क्षेत्रीय गवर्नर येवगेनी सोलंतसेव के अनुसार, ड्रोन हमलों से संयंत्र की एक कार्यशाला में आग लग गई और संयंत्र का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कजाक ऊर्जा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि गैजप्रोम की सूचना के अनुसार, ड्रोन हमले के कारण संयंत्र अस्थायी रूप से कजाकिस्तान की गैस को संसाधित करने में असमर्थ है।

यूक्रेन की जनरल स्टाफ ने बयान में कहा कि ओरेनबर्ग संयंत्र में आग लगी और एक गैस प्रसंस्करण और शोधन इकाई क्षतिग्रस्त हुई। यूक्रेन ने हाल के महीनों में रूसी ऊर्जा सुविधाओं पर हमले तेज कर दिए हैं, जिन्हें वह मास्को के युद्ध प्रयास को वित्तपोषित करने वाला और सीधे समर्थन देने वाला मानता है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन से यह संकेत दिया कि शांति स्थापित करने के लिए उसे रूस से खोई हुई भूमि छोड़नी पड़ सकती है। फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कुछ न कुछ ले ही लेंगे और अमेरिका ही ऐसा देश है जो युद्ध जीतकर छोड़ देता है। उन्होंने टॉमहॉक मिसाइलें यूक्रेन को देने के बारे में अनिर्णायक रुख अपनाया और अमेरिकी हथियारों के भंडार के संरक्षण की चिंता जताई।

यूक्रेनी अभियोजक दावा कर रहे हैं कि रूस नागरिक इलाकों को निशाना बनाने के लिए अपने हवाई निर्देशित बमों को बदल रहा है। खार्किव क्षेत्र में रूस ने नए रॉकेट-संचालित बम यूएमपीबी-5आर का इस्तेमाल किया, जो 130 किलोमीटर तक उड़ सकता है। डोनिप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में रूसी ड्रोन हमले में कम से कम 11 लोग घायल हुए और कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। रूस ने कोयला खदान पर भी हमला किया, जिसमें 192 खनिक सुरक्षित निकाले गए। यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने रूस के समारा क्षेत्र में नोवोकुइबिशेव्स्क तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमले का दावा भी किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने रात भर 45 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

जब तक इस्लाम है, जिहाद रहेगा, कहने वाले शेख सालेह बिन फौजान बने सऊदी अरब के नए ग्रैंड मुफ्ती

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब सरकार ने बुधवार देर रात अति-रूढ़िवादी इस्लामिक विद्वान शेख सालेह बिन फौजान अल फौजान को देश का नया ग्रैंड मुफ्ती नियुक्ति करने का एलान किया। 90 वर्षीय शेख सालेह बिन फौजान की नियुक्ति सऊदी के शाह सलमान के बेटे और युवराज मोहम्मद बिन सलमान की सिफारिश पर की गई है। शेख सालेह के बयानों की पश्चिम मीडिया में हुई है आलोचना शेख सालेह का जन्म कथित तौर पर 28 सितंबर, 1935 को सऊदी अरब के अल-कासिम प्रांत में हुआ था। अपने पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने एक स्थानीय इमाम से कुरान की शिक्षा ली। उन्होंने नूर अला अल-दरब या रास्ता रोशन करो रेडियो शो को लंबे समय तक संबोधित किया। साथ ही कई किताबें भी लिखीं। उनके फतवे या धार्मिक आदेश सोशल मीडिया पर भी साझा किए गए हैं। शेख सालेह को अपने कुछ बयानों के लिए पश्चिमी मीडिया में आलोचना का सामना भी करना पड़ा है।

शियाओं के लेकर दिए हैं विवादित बयान : सऊदी अरब के ग्रैंड मुफ्ती सुन्नी मुसलमानों की दुनिया के शीर्ष इस्लामी मौलवियों में से एक हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच ने 2017 में बताया था कि जब शेख सालेह से पूछा गया कि क्या सुन्नी मुसलमानों को शियाओं को अपना भाई मानना चाहिए, तो उन्होंने चौंकाने वाला जवाब देते हुए कहा था कि वे शैतान के भाई हैं। उन्होंने कहा कि शिया, ईश्वर उनके पैगंबर और मुसलमानों के बारे में झूठ बोलते हैं। सऊदी अरब और ईरान के बीच राजनीतिक तनाव का

इतिहास है और सऊदी अरब के धार्मिक नेताओं के द्वारा शियाओं के बारे में ऐसी टिप्पणियां आम हैं। साल 2003 में, शेख सालेह ने अपने एक बयान में कहा था कि गुलामी इस्लाम का एक हिस्सा है। गुलामी, जिहाद का हिस्सा है, और जब तक इस्लाम है, जिहाद रहेगा।

शेख मोहम्मद इब्न अब्दुल वहाब के वंशज : शेख अब्दुलअजीज बिन अब्दुल्ला अल-शेख के सितंबर में निधन के बाद शेख सालेह ने यह पद संभाला है। अल-शेख परिवार, जो शेख मोहम्मद इब्न अब्दुल-वहाब के वंशज हैं, लंबे समय से सऊदी अरब के ग्रैंड मुफ़्ती के रूप में सेवा देते आ रहे हैं। 18वीं शताब्दी में शेख मोहम्मद इब्न अब्दुल वहाब की इस्लाम की अति-रूढ़िवादी शिक्षाओं, जिन्हें उनके नाम के चलते वहाबवाद कहा जाता है, का दशकों तक सऊदी अरब पर प्रभाव रहा है। खासकर 1979 में ईरान में इस्लामी क्रांति के बाद, सऊदी अरब में भी इस्लाम अधिक रूढ़िवादी हो गया। हालांकि अब मोहम्मद बिन सलमान के शासनकाल में सऊदी अरब ने सामाजिक उदारीकरण किया है, जिसमें महिलाओं को गाड़ी चलाने की अनुमति दी गई है और सिनेमाघर खोले हैं। सऊदी अरब की सरकार अब अपनी अर्थव्यवस्था की तेल पर निर्भरता कम करने का प्रयास कर रही है और पर्यटन को बढ़ावा दे रही है।

40 सालों तक अफगानिस्तान में हमारा दखल, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का बड़ा खुलासा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक इंटरव्यू में देश के लंबे समय से चले आ रहे विदेशी हस्तक्षेप की सच्चाई को कबूल किया है. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान ने करीब चार दशकों तक अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में सक्रिय रूप से हस्तक्षेप किया, लेकिन अब यह अध्याय समाप्त हो चुका है.

इंटरव्यू में आसिफ ने कहा, हमने पिछले 40 वर्षों में अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में गहरी पैठ बनाई रखी, लेकिन अब हम इस नीति को पूरी तरह त्याग रहे हैं. हमारी कोई व्यक्तिगत शत्रुता नहीं थी; हम केवल बाहरी शक्तियों के इशारों पर काम करते रहे. यह बयान अप्रैल 2025 में दिए गए एक वायरल इंटरव्यू से प्रेरित लगता है, जहां उन्होंने अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए गंदा काम करने की बात स्वीकार की थी. उस समय आसिफ ने खुलासा किया था कि सोवियत संघ के खिलाफ 1980 के दशक में अफगानिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने आतंकवादी समूहों को समर्थन दिया, जो वास्तव में अमेरिकी एजेंडे का हिस्सा था.

सीमा पर दोनों देश के बीच तनाव : आसिफ का यह नए बयान अफगानिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच आया है. हाल ही में दोनों देशों के बीच सीमा पर झड़पें बढ़ी हैं, जहां पाकिस्तान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हवाई हमले किए. आसिफ ने अरब न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा कि अफगानिस्तान अब भारत का प्रॉक्सी बन गया है और काबुल से पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रची जा रही है. उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान अब पुराने रिश्तों को बरकरार नहीं रख सकता और किसी भी आतंकवादी गतिविधि का कड़ा जवाब देगा.

क्षेत्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्वीकारोक्ति पाकिस्तान की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव दर्शाती है. लंबे समय से

अफगानिस्तान की अस्थिरता में पाकिस्तान की भूमिका पर अमेरिका, भारत और अन्य देश सवाल उठाते रहे हैं. 1980 के दशक से शुरू हुए सोवियत-अफगान युद्ध में पाकिस्तान ने आईएसआई के माध्यम से मुजाहिदीन समूहों को हथियार और प्रशिक्षण दिया, जो बाद में तालिबान और अल-कायदा का रूप ले लिया. 9/11 के बाद भी पाकिस्तान ने अमेरिकी नेतृत्व वाले युद्ध में सहयोग किया, लेकिन बदले में आर्थिक और सैन्य सहायता प्राप्त की. आसिफ के अनुसार, यह गलती पाकिस्तान को महंगा पड़ी, जिससे देश में आतंकवाद का बोलबाला हो गया.

नेशनल असेंबली में बोलते हुए आसिफ किया बड़ा खुलासा : नेशनल असेंबली में बोलते हुए आसिफ ने कहा, हमारी धैर्य की सीमा पार हो चुकी है. अफगानिस्तान में छिपे आतंकवादी अब हमारी सीमाओं पर हमला कर रहे हैं, और हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे. उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य तैयारियों का जिक्र करते हुए कहा कि देश किसी भी आक्रमण का मुकाबला करने को तैयार है. यह बयान 48 घंटे के युद्धविराम के बाद आया है, जब दोनों पक्षों ने सीमा पर गोलीबारी रोकी थी, लेकिन शक-शुब्हाओं का सिलसिला जारी है।

व्हाइट हाउस के बाहर सुरक्षा द्वार को टक्कर मारने वाला गिरफ्तार : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस के बाहर सुरक्षा द्वार को अपनी कार से टक्कर मारने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार लिया गया है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि आरोपी ने मंगलवार रात 10 बजकर 37 मिनट पर व्हाइट हाउस के सुरक्षा द्वार को अपनी कार से टक्कर मार दी। अधिकारियों ने उसको तुरंत गिरफ्तार कर लिया। जांचकर्ताओं ने उसकी कार की तलाशी ली और उसे सुरक्षित पाया।

सिंगापुर में भारत की बेजोड़ स्थापत्य कला का किया गया प्रदर्शन : सिंगापुर, एजेंसी। भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बुधवार को सूरजमुखी प्रदर्शनी का आगाज हुआ। सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मरिना जलाशय के पास स्थित 105 हेक्टेयर में फैले गार्डन्स बाय द बे में सूरजमुखी की 20 किस्में प्रस्तुत कीं। प्रदर्शनी में जयपुर के ऐतिहासिक इमारतों के मॉडल भी प्रस्तुत किए गए, जो भारत की अद्वितीय स्थापत्य कला का नमूना पेश कर रहे थे।

पुरूषों से नहीं कम हम

आज हम ऐसे समाज में रह रहे हैं, जिसमें महिलाओं और पुरूषों को लगभग बराबर समझा जाता है। महिलाएं पुरूषों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर चल रही हैं, वे किसी काम में पुरूषों से कम नहीं कही जा सकतीं फिर चाहे शारीरिक बल की बात हो या मानसिक। वे किसी भी रूप में अपने आपको पीछे नहीं रखना चाहती। अपने इस बदलते स्वरूप के साथ महिलाओं को पुरूषों के साथ काम करने में कैसा लगता है, जानते हैं कुछ वर्किग महिलाओं से

ऋचा

परूषों के साथ काम करना मुझ आम बात ही लगती है। चूंकि तुलना तो वहां होती है, जहां एक पक्ष दूसरे से अलग हो लेकिन जब यहां दोनों ही समान हैं तो तुलना किससे? आज परूष और महिलाएं मिल-जुल काम करते हैं इसलिए मुझे नहीं लगता कि परूषों के साथ तुलना करने का ऐसा कोई विषय बचा है। आज जिन कामों से वे जूझते हैं, हम भी उन्हीं कामों को करते हैं। ऐसा नहीं है कि हम महिलाएं हैं तो हमें बहुत आसान काम करने होते हैं।

मयूरा गुप्ता

पुरूषों के साथ काम करना यकीनन महिलाओं की बरसों से चली आ रही उस जंग की जीत है, जिसमें उसने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई थी। पुरूष कलीग के साथ काम करके यकीनन अच्छा लगता है और इस बात पर गर्व भी महसूस होता है कि आज हम आत्मनिर्भर हैं। लेकिन यह बात भी तय है आज भी हम महिलाओं को कहीं न कहीं तो पुरूषों के साथ काम करने में परेशानी आती ही हैं। वैसे ज्यादातर परेशानी कम्युनिकेशन में होती है। जब हमारी बात को कोई समझने के बावजूद भी न समझने का नाटक करता है और अपनी बात को पूरी तरह से सही साबित करने की कोशिश करता है। मैं अपनी बात सामने वाले को समझा कर ही मानती हूं, फिर वह उसकी मरजी की वह उसे माने या न।

कामिनी

पुरूषों के साथ काम करने में अच्छा ही लगता है। मन में यही बात आती है कि हम भी कुछ हैं और इन्हीं की तरह इनके साथ काम कर रही हैं। लेकिन परेशानी तब आती है, जब हम ऑफिस में ज्यादा देर तक नहीं रूक पाते। चूंकि वर्किग महिला जो कि शादी-शुदा भी है, उसका समय से घर जाना बहुत जरूरी होता है। यह बात कोई पुरूष कुलीग नहीं समझ सकता। तब वह इस बात का उल्हाना देता ही है कि जब बराबरी है तो हर बात में ही होनी चाहिए। लेकिन तब मेरा जवाब यह भी होता है कि हम महिलाएं तो आज भी आप से आगे हैं। चूंकि हम ऑफिस के साथ-साथ घर की जिम्मेंदारियां भी बखूबी संभाल रही हैं।

गीता

पुरूषों के साथ काम करने में ऐसा कुछ खास तो नहीं लगता है लेकिन यह बात तो है कि जहां लड़कियों को पहले दबाया जाता था और कोशिश की जाती थी कि वह लड़कों की संगत से दूर ही रहें। वहां इस तरह की बातें हमारे अन्दर विश्वास पैदा करती हैं कि समाज कितना गलत सोचता था। एक साथ काम करने से एक-दूसरे के प्रति हिचकिचाहट दूर होती है और हममें आत्मविश्वास पैदा होता है। जिससे हमारे अन्दर से हर तरह का डर दूर हो जाता है। जहां पहले हम झिझक के लिहाज से सामने वाले की गल्ती पर उसे जवाब नहीं दे पाते थे, आज मुंह तोड़ जवाब दे सकती हैं।

आलू परांठा

सामग्री : आधा किलो उबले हुए आलू, 2 कप गेहूं का आटा, आधा कप मैदा, 2 टेबलस्पून तेल, 2 प्याज बारीक कटा हुआ, 1 गड्डी हरी धनिया बारीक कटी हुई, आधा टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टीस्पून हल्दी पाउडर, 2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 2 टेबलस्पून घी, नमक स्वादानुसार।

विधि : आटा, मैदा, तेल और नमक को मिलाकर गूंध लें। आलू को मसलकर उसमें बारीक कटी हुई प्याज, हरी धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, बारीक कटी हुई हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह से मिला लें। आटे की लोई बनाकर उसमें आलू का मसाला भरकर बेल कर परांठा बना लें और घी लगाकर कुरकुरा सेक लें।

हाथों में नौ-नौ चूड़ियां हैं

आजकल चारो आर आधुनिकता का ही बोलबाला है, इसने हमारे जीवन के हर पहलू पर अपना कब्जा जमा लिया है। सदियों से चले आ रहे परम्परागत आभूषणों का बाजार धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। लेकिन एक चीज आज भी ऐसी है जिसने इस आधुनिकता को अपने अनुरूप ढाल लिया है, वह है 'गोरी के हाथों में खनकती चूड़ियां।'

बाजार रंग-बिरंगी और फैशनेबल चूड़ियों से भरा है। कांच की चूड़ियों के अलावा बाजार में 'मेटल' और 'लाख' की बनी चूड़ियों को भी काफी पसन्द किया जा रहा है। चूड़ियों के बदलते फैशन के साथ-साथ नये रंग-रूप में तब्दील करके बाजार में पेश किया जा रहा है। कांच की चूड़ियों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए उन पर दबके और किरकिरी का भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। दबके के सिल्वर, गोल्ड और कॉपर कलर को चूड़ियों पर ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि दबके के इन रंगों से चूड़ियों की चमक बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त कांच की चूड़ियों पर फाइबर के रंगीन टुकड़ों तथा रंगीन नगों का भी प्रयोग इन्हें को आर्कषक बनाने में किया जाता है। आजकल नग, मोती तथा स्टोन का प्रयोग अधिकाधिक किया जा रहा है, फिर चाहे वो आभूषण हों, परिधान हों या फिर आधुनिक चूड़ियां। आजकल सबसे ज्यादा चलन स्टोनवर्क वाली कांच की चूड़ियों और लाख की चूड़ियों का है। इन चूड़ियों को डायमण्ड शेप और स्क्वायर शेप वाले स्टोन से सजाया गया है। साथ ही झुमके वाली चूड़ियां भी फैशन पर राज कर रही हैं। इन चूड़ियों में रंगीन मोती के वर्क वाले झुमके को इस तरह जोड़ा गया है कि चूड़ियों की खूबसूरती देखते ही बनती है। इनको लटक वाली चूड़ियां कहते हैं। इन चमकीली तथा भड़कीली चूड़ियों के बीच बहुत ही सादगी से परिपूर्ण चूड़ियां भी सबका मन मोह रही हैं। क्यों कि डल कलर का पेंट करके इन्हें बहुत ही साधारण लुक दिया गया है। इन चूड़ियों को फोर्गेस्टेड चूड़ियों के नाम से जाना जाता है। इनके अतिरिक्त मेटल की चूड़ियों को भी काफी सजा-संवारकर बाजार में उतारा गया है। मेटल पर कलर्ड पेंट करके उस पर छोटे-छोटे चमकीले सितारों, सलमा सितारा तथा मोतियों को इस प्रकार से सजाया गया है कि वाकई ये चूड़ियां काबिल-ए-तारीफ हैं। ये चूड़ियां काबिल-ए-तारीफ है।

स्पेशल बनाएं खुद को

फेस्टिवल सीजन दस्तक दे चुका है। समय है तैयार होकर बाहर निकलने का, अपने चेहरे को खूबसूरत बनाने में तो आप कोई कसर नहीं छाड़तीं लेकिन बाकी चीजों पर ध्यान नहीं दे पातीं तो हम बताते हैं कि ड्रेसिग से लेकर बाल और पैरों की केयर में क्या जरूरी है।

ड्रेस भी हो खास

साड़ी तो आपने खूब पहन ली। क्यों न इस बार कुछ डिफरेंट किया जाए। कुछ वेस्टर्न हो जाए या इंडो-वेस्टर्न। आजकल सिगल पीस ड्रेस फैशन में खूब हैं। चाहें तो इन्हें अकेले पहनें या फिर लेगिंग्स, हैरम पैंट, चूड़ीदार या जींस के साथ। टूनिक सिगल पीस में खास है। इसका डिफरेंट कट, फैब्रिक और कलर्स आपके लुक को स्पेशल बनाते हैं। समय और मौसम के अनुकूल आप कॉटन, शिफॉन, कॉटन सैटिन, ब्रासो, जॉर्जेट आदि फैब्रिक के टूनिक टॉप पहन सकती हैं। फेमेला फैशंस कलेक्शन में टूनिक पेस्टल रंगों से लेकर रंग-बिरंगे प्रिट और पिक, यलो, पर्पल, बीज, ब्लैक और व्हाइट जैसे कलर्स में उपलब्ध है। इसी तरह कलरप्लस वूमेन के कलेक्शन में आप सिल्क पर डिजिटल प्रिटिग पाएंगी। ज्वेल टोन्स और सब्टल इम्बेलिशमेंट इस कलेक्शन को खास बनाता है। बर्न्ट ऑरेंज, वाइन टोन्स, रॉयल पर्पल, एमेरल्ड ग्रीन और फ्लर्टी ब्लैक इस कलेक्शन में स्पेशल है। टॉप में पफ स्लीव्स फिर से चलन में आ गए हैं। चाहें तो स्कर्ट के साथ पहनें या जींस के साथ। साथ ही वेस्टकोट भी फैशन में जमकर हैं। लेगिंग्स वार्डरोब के लिए ऐसा क्लोदिग ऑप्शन है, जिसे आप टॉप, ड्रेस, कुर्ती, बूट्स या शॉर्ट्स के साथ भी कैरी कर सकती हैं।

हेयर भी हाई-फाई

- बालों को रूखेपन से बचाने के लिए सप्ताह में दो-तीन बार ऑयलिग करें, रात भर तेल लगे रहने दें, सुबह शैम्पू करें।
- बालों में शैम्पू के बाद कंडीशनर लगाना जरूरी है। यदि बाल कुछ ज्यादा ही रूखे हैं तो बाजार में उपलब्ध क्रीम कंडीशनर का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चाहें तो ऐसे कंडीशनर का भी प्रयोग किया जा सकता है, जिसे लगाने के बाद बालों को धोया नहीं जाता।
- एरोमाथेरेपी ऑयल से बालों का मसाज कीजिए। उसके बाद बालों को स्टीम दीजिए।
- पार्लर में बालों के लिए विशेष स्पा मौजूद है, इन्हें आजमा सकती हैं। महीने में दो-तीन बार यह कराना चाहिए।
- बालों में नमी के लिए घर में भी पैक तैयार किया जा सकता है। इसके लिए दूध, अंडे की जर्दी या केला, शहद को मिला कर बालों पर लगाएं। आधे घंटे के लिए रखें, उसके बाद धो दें।
- डेंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सेब या प्याज का जूस रूई की मदद से स्कल्प पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को धो लें।
- बाल धोने के बाद अपनी कंघी, तौलिया और तकिए के गिलाफ को एंटीसेप्टिक लोशन में आधे घंटे डुबोने के बाद धो दें। धूप में सुखाएं।

फुट केयर

- एरोमाथेरेपी पेडिक्योर सही रहता है। पैरों को डीप मॉयश्चराइज करता है। यह आर्थराइटिस के रोगियों को आराम भी देता है। चाहें तो बाजार में उपलब्ध पैरासिन वैक्स भी लगा सकती हैं।
- सोने से पहले रोजाना रात में क्रीम लगाएं। धीमी आंच पर गर्म करके क्रीम लगाएंगी तो परिणाम जल्दी मिलेंगे। क्रीम को ब्रश से लगाएं, टॉवेल या क्लग फिल्म से कवर करें। यह ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाता है।
- चाहें तो ग्लिसरीन में नींबू डाल कर लगाएं।
- फुटकेयर क्रीम से मसाज करना भी अच्छा रहता है।
- दिन भर जूता पहनने से पैर साफ और नम रहते हैं।
- क्यूटिकल्स को भी हमेशा साफ कराते रहना चाहिए।
- यदि पार्लर में पेडिक्योर करवा रही हैं तो ध्यान रखिए कि इंस्टमेंट्स स्टेरिलाइज्ड हों।
- सरसों का तेल बेहतरीन औषधि है, इसे पैरों में लगा सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1908

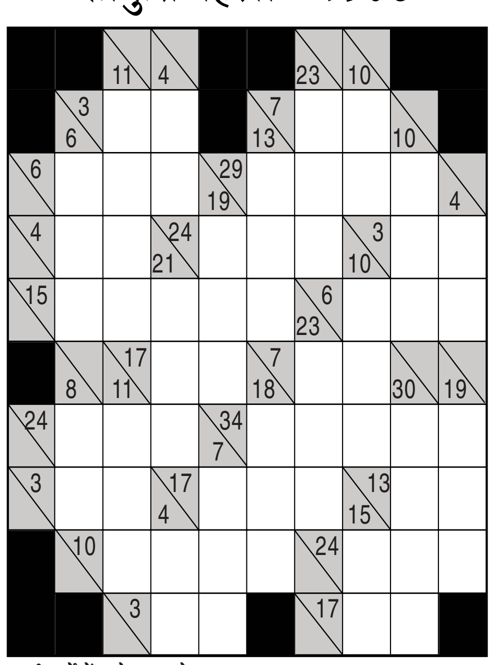

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

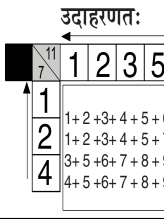

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1907 का हल

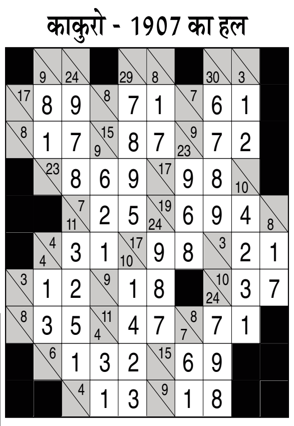

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.....एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा.उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है,मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला-'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1908

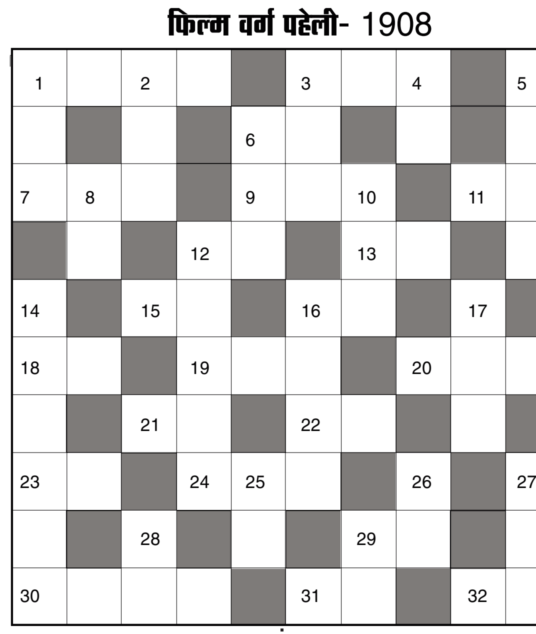

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1907

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		फ्ता		सी	
	प			ज	ह	र		शा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खौ	फ		न		झ		म्हा
व	क्त		र		म	हा	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

सूडोकु -1908

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक होना जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1907 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 1908

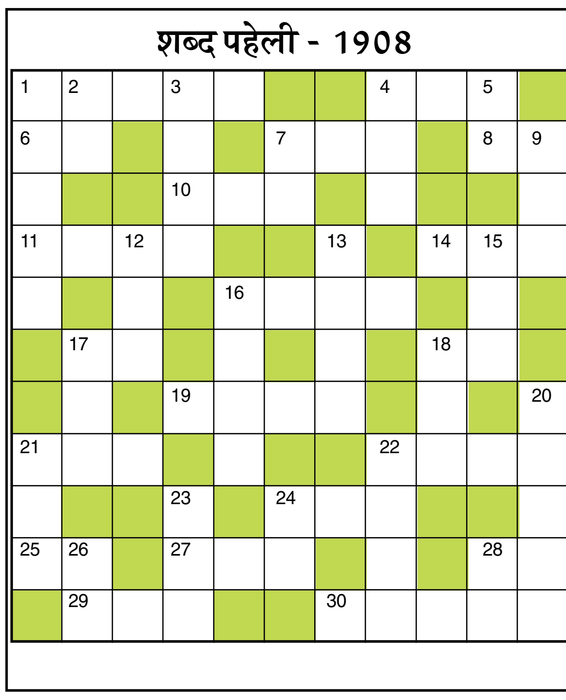

बाएँ से दाएँ

1.उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4.कराह,टीस,लालसा-3
6.हानि,आपत्ति-2
7.दुश्मनी,बैर-3
8.इंसाफ-2
10.साठवीं जयंती-3
11.जलाऊ लकड़ी-4
14.छोटा भाई-3
16.निरंकुश,आवारा-4
17.ठाठ-बाट-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.शैतानी,बदमाशी-4
21.सहायता-3
22.इच्छा,लालसा-4
24.कवि,गजलकार-3
25.जरा,थोड़ा-2
27.मुलायम,नाजुक-3
28.गुफा,खोह-2
29.प्रियतम,सनम-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2.उत्साह.शक्ति-2
3.बिना बाल वारा,गंजा-4
4.पंक्ति,लाइन-3
5.लड़की,पुत्री,बेटी-2
7.वहम,संदेह-2
9.जुड़वा-3
12.प्रतिज्ञा,कसम-3
13.गंगा का पानी-4
15.तीखा,तीक्ष्ण-3
16.आतुर,धैर्यहीन-4
17.संभवतः-3
18.मर्कट,कपि-3
20.गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21.पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22.मनोकामना -4
23.साजन,प्रेमी-3
24.संध्या,सांझ-2
26.आनंद-2
28.महीना,मास-2

शब्द पहेली - 1907 का हल

	प	रा	या	प	न		म	च	ल	ना
सां	ग		च		का	ली	न		त	ट
व		त	क	रा	र		का	ल		की
ला	चा	र			दे	श		त	न	य
प		ती		पा	ना		गा		क	
न	क	ब	ज	न		चा	ल	च	ल	न
	हा		मा		च	र		ह		म
म	र	ना		द	म			क	स	क
र		श	क		क	रा	ह	ना		या
दू	ब		ल	बा	दा		रा		या	त्रा
द	या	क	र		र	च	ना	का	र	

पांच दिन में पांच लाख से अधिक ने किए रामलला के दर्शन, दमकी अर्थव्यवस्था...चमका कारोबार; टूटे कई रिकॉर्ड

एजेंसी

इटानगर। भक्ति, भव्यता और विकास...दीपोत्सव में इन तीनों का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रीराम की नगरी अयोध्या में जहां करोड़ों दीपों से विश्व कीर्तिमान रचा गया, वहीं इस आयोजन ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। पिछले पांच दिनों में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। दीपोत्सव के दौरान अयोध्या के कारोबारियों को आकस्मिक लाभ का समापन हुआ है। 16 अक्टूबर से 22 अक्टूबर के बीच अयोध्या में करीब आठ लाख श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान 90 फीसदी होटल, रेस्टोरेंट फुल रहे। जलपान, प्रसाद सामग्री, राम नामी, फोटो विक्रेताओं को खूब आय हुई। अनुमान है कि दीपोत्सव के दौरान अयोध्या की अर्थव्यवस्था में करीब पांच करोड़ का प्रवाह हुआ। दीपोत्सव में बने रिकॉर्ड का उत्सव मनाने अयोध्या में पिछले पांच दिनों से लाखों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। दीपोत्सव के अगले दिन से लगातार तीन दिन छुट्टी होने के चलते श्रद्धालुओं की भीड़ अयोध्या में उमड़ पड़ी। शाम के समय अयोध्या की भव्यता निहारने की ललक लोगों में ज्यादा दिखी। राम की पैड़ी के पास नींबू की चाय बेच रहे एक फेरीवाले ने बताया कि वह दीपोत्सव के दौरान रोजाना करीब दो हजार चाय बेच रहे थे।

तेलंगाना में आईएएस अफसर के वीआरएस पर सियासी तूफान, विपक्ष बोला- ईमानदार लोगों को किया जा रहा है परेशान

हैदराबाद। तेलंगाना में वरिष्ठ आईएएस अफसर सैयद अली मुर्तजा रिजवी के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) लेने के फैसले ने बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य की राजनीति में यह मामला भ्रष्टाचार और प्रशासनिक दबाव को लेकर नई बहस का कारण बन गया है। विपक्षी दलों ने सरकार पर आरोप लगाया है कि ईमानदार अफसरों को नाजायज दबाव में लाकर मजबूर किया जा रहा है। रिजवी, 1999 बैच के आईएएस अफसर हैं और उनके पास करीब एक दशक की सेवा बाकी थी। उन्होंने 31 अक्टूबर से वीआरएस लेने का फैसला किया, जिसे राज्य सरकार ने स्वीकार कर लिया। हालांकि, उन्होंने वीआरएस का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है। लेकिन इसी खामोशी ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने इस घटनाक्रम को तेलंगाना की नौकरशाही पर राजनीतिक दबाव की पोल करार दिया। उन्होंने कहा कि जब मंत्री अफसरों पर दबाव नहीं बना पाते तो उन्हें बलि का बकरा बना देते हैं। क्या यह कांग्रेस सरकार का प्रशासन चलाने का तरीका है? कुमार ने आरोप लगाया कि राज्य में मंत्री टेंडरों में हस्तक्षेप करते हैं, नियम तोड़ते हैं और जब पकड़े जाते हैं तो ईमानदार अफसरों को जिम्मेदार ठहराते हैं।

सीजेआई पर हमले के आरोपी वकील के खिलाफ अवमानना याचिका पर शीर्ष कोर्ट करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीर आर गवई पर हमला करने की कोशिश के आरोपी वकील राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 27 अक्तूबर को सुनावाई करेगा। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने दायर की है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ सुनवाई करेगी। यह घटना 6 अक्तूबर को हुई थी, जब वकील राकेश किशोर (71) ने सीजेआई की अदालत में जूता फेंक दिया था। इस अप्रत्याशित घटना के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने किशोर का वकालत लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। घटना के दौरान सीजेआई ने पूरी शांति बनाए रखी और अदालत कर्मियों से कहा कि इस घटना को नजरअंदाज करें और आरोपी वकील को चेतावनी देकर छोड़ दिया जाए। इस घटना की देशभर में व्यापक निंदा हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सीजेआई से बात कर इसे निंदनीय बताया था। इसके बाद 16 अक्तूबर को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एससीबीए अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने अदालत में किशोर के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की याचिका जल्द सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था। मेहता ने अदालत को बताया कि अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने इस मामले में आपराधिक अवमानना की अनुमति दे दी है, क्योंकि यह न्यायपालिका की संस्थागत गरिमा से जुड़ा मामला है।

इसरो प्रमुख बोले- गगनयान मिशन में 90फीसदी काम पूरा, 2027 की शुरुआत में अंतरिक्ष जाएगा पहला मानव मिशन

बंगलूरू। भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन की तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसरो के प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि अब तक मिशन से जुड़ा लगभग 90 प्रतिशत विकास कार्य पूरा हो चुका है। नारायणन ने कहा कि गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है और इसके लिए कई जटिल तकनीकों को विकसित करना पड़ा है। उन्होंने बताया, 'गगनयान मिशन बहुत अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है। इस मिशन के लिए रॉकेट को मानव उड़ान के लिए उपयुक्त बनाना था, ऑर्बिटल मॉड्यूल तैयार करना था, और पर्यावरण नियंत्रण व सुरक्षा प्रणाली विकसित करनी थी। इसके अलावा, क्रू एस्केप सिस्टम, पैराशूट सिस्टम और अन्य मानव-संबंधी तकनीकें भी बनानी पड़ीं।' इसरो प्रमुख ने कहा कि अब तीन बिना मानव वाले (अनक्रूड) मिशनों को पूरा करना बाकी है। इन मिशनों के सफल होने के बाद ही अंतरिक्षयात्रियों को भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले अनक्रूड मिशन में 'व्योममित्र' नाम की मानवाकृति रोबोट को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, फीसदी हम 2027 की शुरुआत में मानव मिशन भेजने का लक्ष्य रख रहे हैं।

पंचकूला को कौशल्या डैम से जल्द मिलेगी पेयजल आपूर्ति, क्षतिग्रस्त वाटर पाइपलाइन का कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पंचकूला शहर को कौशल्या डैम से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्षतिग्रस्त वाटर पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य शीघ्र आरंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि पंचकूला के विभिन्न सेक्टरों में पूर्व की भांति ट्यूबवेल की जगह डैम से पेयजल आपूर्ति बहाल की जा सके।इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्राधिकरण पिंजौर-कालका क्षेत्र में स्वच्छ पानी के भंडारण हेतु 10-12 एकड़ भूमि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को उपलब्ध करवाए ताकि यह व्यवस्था होने से पिंजौर-कालका क्षेत्रों में भी

कौशल्या डैम से स्वच्छ पेयजल आपूर्ति शीघ्र शुरू की जा सके। नायब सिंह सैनी आज यहां व्यापक बांध सुरक्षा से संबंधित एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के सभी संबंधित विभागों को पेयजल आपूर्ति के लिए भू-जल (ग्राउंड वाटर) की बजाय सतही जल (सरफेस वाटर) पर निर्भर रहना चाहिए तथा वर्षा के जल को वैज्ञानिक तरीके से संचित कर उसके उपयोग की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि कजौली वाटर वर्क्स से होने वाली पानी की सप्लाई को सुदृढ़ किया जाए तथा पानी सप्लाई करने वाली मोटरों की क्षमता बढ़ाई जाए जिससे कजौली वाटर वर्क्स से पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कौशल्या डैम की जल भंडारण क्षमता बढ़ाने की दिशा में सिंचाई विभाग को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि गंदा पानी किसी भी स्थिति में डैम तक न पहुंचे, इसके लिए भी विभाग द्वारा अन्य संबंधित विभागों से तालमेल कर प्रभावी कदम उठाए जाएं। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पंचकूला के कौशल्या डैम, सिरसा के ओटू हेड और यमुनानगर स्थित हथनीकुंड बैराज की स्थिति की समीक्षा की तथा विशेषज्ञों के स्वतंत्र पैनल द्वारा बांधों के मूल्यांकन के निर्देश दिए ताकि इन बांधों की मजबूती और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डीजीपी ब्रज लाल की चिंता - 'बांग्लादेशी घुसपैठियों का बड़ा अड्डा बन रहा लखनऊ'

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक और वर्तमान में भाजपा से राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बांगलादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या और इनके अपराधिक कृत्यों पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने लखनऊ में रह रहे इन बांग्लादेश के नागरिकों को देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा बताते हुए मुख्यमंत्री से इन्हें वापस भेजने की अपील की है। पूर्व पुलिस महानिदेशक और भाजपा सांसद ब्रजलाल ने आज अपने फेसबुक पेज पर एक लंबी चौड़ी पोस्ट लिखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया है। पूर्व डीजीपी ने सुबह टहलने के दौरान ऐसे कुछ महिलाओं और पुरुषों से बातचीत कर उनके मूल निवास के बारे में जानकारी भी करने की बात कही है। यह लोग खुद को असम का निवासी होने का दावा कर रहे थे, जबकि एक जमाने में खुद पीएसी बटालियन का नेतृत्व करते हुए उन्होंने असम में लंबा समय बिताय थ। उन्हें वहां की भौगोलिक स्थित के बारे में पूरी तरह से जानकारी है। ब्रजलाल ने इन लोगों बांग्लादेश का नागरिक बताते हुए नगर निगम लखनऊ और स्थानीय पुलिस प्रशासन की मंशा पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ही इस पर सख्त फैसला लेकर इन बांग्लादेशियों को वापस भेज सकते हैं। पूर्व पुलिस महानिदेशक ब्रजलाल ने अपनी पोस्ट में लिखा है, मैं गोमतीनगर विस्तार में जब सुबह वॉक करता हूँ तो मुझे ये बांग्लादेशी सफ़ाई करते हुए मिलते हैं। ये अपने को असम का निवासी बताते हैं, परंतु ये सब है अनाधिकृत रूप से रह रहे बांग्लादेशी। पूरे लखनऊ में ये झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रहते हैं।

त्योहारों पर भीड़ नियंत्रण के लिए 76 रेलवे स्टेशनों पर बनेंगे होल्डिंग एरिया: रेल मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। दिवाली और छठ पूजा मनाने के लिए रेल के जरिये लाखों लोगों की आवाजाही के बीच भारतीय रेलवे ने भीड़ के सुचारू प्रबंधन के लिए कई कदम उठाए हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एकदिन पहले स्वयं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया और गुरुवार को उन्होंने भीड़ नियंत्रण को लेकर 24 घंटे निगरानी के लिए बनाए गए एआई प्रबंधित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। रेलवे भवन में आज मीडिया से बातचीत करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यातायात पैटर्न के विस्तृत अध्ययन और यात्रियों की बढ़ती संख्या का विश्लेषण कर इसके सुचारू प्रबंधन के लिए तंत्र विकसित किया गया है।अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाया गया। अब 76 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों पर ऐसा ही प्रबंध किए जाने की योजना है। इसके लिए राइट्स की तरफ से डिजाइन तैयार किया जाएगा। जो अगले साल त्योहारों के सीजन में तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 100 से ज़्यादा स्टेशनों पर टिकट काउंटर बढ़ाए गए। सुरक्षा में सुधार के लिए हज़ारों सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जबकि भीड़भाड़ वाले समय में प्लेटफार्मों को साफ़ रखने के लिए विशेष व्यवस्था

की गई है। वैष्णव ने बताया कि मंडल, ज़ोन और बोर्ड स्तर पर नियंत्रण कक्ष दिवाली के दिन भी 24म7 काम कर रहे थे। बेहतर समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर छोटे नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किए गए हैं। देरी से बचने के लिए विशेष ट्रेनों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने इन कदमों के सकारात्मक परिणाम साझा करते हुए कहा कि इस त्यौहारी सीज़न में अब तक 1 करोड़ से ज़्यादा यात्री सुरक्षित घर पहुंच चुके हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब हमने पहली बार प्रतीक्षालय देखा, तो इसकी क्षमता अपर्याप्त थी। 18 अक्टूबर को बहुत भीड़ थी, इसलिए 19 अक्टूबर को तुरंत हमने यात्रियों को आराम से समायोजित करने के लिए प्रतीक्षालय का विस्तार किया। अब क्षमता पर्याप्त से अधिक है। अब 24, 25 और 26 अक्टूबर को भीड़ की संभावना को देखते हुए पर्याप्त बंदोबस्त किए गए हैं।

चुनाव आयोग का निर्देश- सीईओ एआईआर तैयारियों को दें अंतिम रूप, चुनावी राज्यों पर विशेष जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। मतदाता सूची को अपडेट करने से जुड़ी विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) की राष्ट्रव्यापी तैयारियों पर मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) का दो दिवसीय सम्मेलन आज यहां संपन्न हुआ। इसमें चुनाव आयोग ने सीईओ को अपने-अपने राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया।

चुनाव आयोग के अनुसार दो दिवसीय सम्मेलन नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में हुआ। इसमें आयोग ने राज्य व केंद्र शासित प्रदेश में वर्तमान मतदाताओं को पिछले एसआईआर के अनुसार मतदाताओं के साथ जोड़ने के लिए सीईओ को पहले जारी किए गए निर्देशों पर हुई प्रगति का आकलन किया। आयोग ने असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे चुनावी राज्यों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ भी व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ.

सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में की। देश भर के राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने सम्मेलन में भाग लिया। एसआईआर प्रक्रिया पर आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतियों के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का भी समाधान किया गया।

उल्लेखनीय है कि यह सम्मेलन 10 सितंबर को आयोजित एसआईआर तैयारी सम्मेलन के अनुवर्ती के रूप में आयोजित किया गया। इस दौरान सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों ने अंतिम पूर्ण एसआईआर के अनुसार अपने-अपने प्रदेश में मतदाताओं की संख्या, अंतिम एसआईआर की अर्हता तिथि और मतदाता सूची पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं।

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र राष्ट्रीय विकास का प्रमुख स्तंभ, देश की अर्थव्यवस्था में दे रहा महत्वपूर्ण योगदान : जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि राज्यों की सक्रिय भागीदारी से उनकी क्षेत्रीय क्षमताओं का उपयोग करते हुए देश में एक सशक्त बायो-इनोवेशन इकोसिस्टम तैयार किया जाना चाहिए। भारत का जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र अब राष्ट्रीय विकास का एक प्रमुख स्तंभ बन चुका है, जो स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण और औद्योगिक नवाचार के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। डॉ. सिंह ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक में विभिन्न परियोजनाओं और नई पहलों की प्रगति की समीक्षा की। इनमें बायोफाउंड्रीज़, क्षेत्रीय नवाचार केंद्रों और राज्यों की जैव प्रौद्योगिकी संभावनाओं के मानचित्रण जैसे उपक्रम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य जैव प्रौद्योगिकी को

आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का साधन बनाना है, जिसमें अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप्स और राज्य सरकारों को एक साझा नवाचार तंत्र के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि भारत के बायो-इनोवेशन आंदोलन के अगले चरण में क्षेत्रीय सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। डीबीटी ने राज्यों का जैव-प्रौद्योगिकी क्षमता के आधार पर मानचित्रण प्रारंभ किया है और उनके सहयोग से बायो ई 3 सेल स्थापित करने की योजना बनाई है। यह पहल व्यापक बायो ई3 नीति ढांचे का हिस्सा है, जो जैव प्रौद्योगिकी में उद्यमिता, शिक्षा और सशक्तीकरण पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को क्षेत्रीय क्षमताओं के अनुरूप लाना है, ताकि राज्य अपनी विशिष्ट जैव-संभावनाओं की पहचान कर सकें और उन्हें लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से विकसित कर सकें। उन्होंने डीबीटी से आग्रह किया कि वह राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों और स्थानीय उद्योगों के साथ अपने सहयोग को और गहरा करे, ताकि जैव प्रौद्योगिकी की आर्थिक संभावनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने डीबीटी द्वारा नवाचार-आधारित स्टार्टअप्स को सहयोग देने और युवा उद्यमियों व शोधकर्ताओं को अपने विचारों को व्यवहारिक समाधान में बदलने के लिए प्रोत्साहित करने की भूमिका की सराहना की।

महागठबंधन में कांग्रेस और वीआईपी उम्मीदवारों ने वापस लिया नामांकन, राजद का रास्ता आसान

एजेंसी

पटना। महागठबंधन के प्रेस वार्ता के बाद महागठबंधन के चार उम्मीदवारों ने अपने सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल के पक्ष में अपना नामांकन वापस ले लिया है। इसमें कांग्रेस पार्टी के तीन और विकासशील इंसान पार्टी के एक उम्मीदवार शामिल हैं। नामांकन वापस लेने वाले उम्मीदवारों में वारसलीगंज निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवार सतीश कुमार ने राजद उम्मीदवार अनीता देवी के लिए अपना नामांकन वापस कर लिया। लालगंज निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार आदित्य कुमार ने राजद की उम्मीदवार शिवानी शुक्ला के लिए अपना नामांकन वापस लिया है। बाबूबरही निर्वाचन क्षेत्र से विकासशील इंसान पार्टी की उम्मीदवार बिंदु गुलाब यादव ने राजद के उम्मीदवार अरुण कुमार सिंह के लिए अपना नामांकन वापस लिया। वहीं प्राणपुर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार तौकीर आलम ने राजद उम्मीदवार इशरत परवीन के लिए अपना नामांकन वापस लिया।

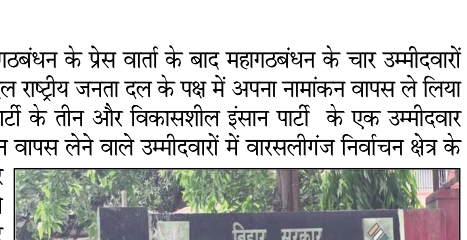

अमृतसर में सीमा पार से तस्करी करने वाले मॉड्यूल का पर्दाफाश, 5 किलो हेरोइन सहित ड्रग सरगना काबू

एजेंसी

चंडीगढ़। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक ड्रग सरगना को 5.025 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार करके सीमा पार नशा तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया। वह पाकिस्तानी हैंडलर के जरिये सीमा पार नेटवर्क चला रहा था और ड्रोन के माध्यम से भेजी गई नशे की खेपों को डेरा बाबा नानक सेक्टर में प्राप्त करता था। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि छेहरटा, अमृतसर में मजीद बिल्डिंग निवासी राजपाल सिंह (25) को गिरफ्तार किया गया है। वह आपराधिक पृष्ठभूमि का है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। डीजीपी यादव ने बताया कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंध स्थापित करने के लिए और जांच की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके। पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि अगस्त में नशा तस्कर लक्की को 3 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसी मामले की जांच के दौरान पुलिस टीमों ने राजपाल सिंह की संलिप्तता पाई, जिसके कारण उसे एफआईआर में नामजद किया गया। इसके बाद 19 अक्टूबर को पुलिस टीमों ने राजपाल सिंह को गिरफ्तार किया और उसके खुलासे के बाद 5.025 किलो और हेरोइन बरामद की गई।

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि छेहरटा, अमृतसर में मजीद बिल्डिंग निवासी राजपाल सिंह (25) को गिरफ्तार किया गया है।

सीपी ने कहा कि राजपाल नशे की खेप छिपाने के लिए कपड़ों से भरे बैगों का उपयोग कर रहा था और उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने के लिए बसों के माध्यम से जालंधर और लुधियाना सहित विभिन्न बस अड्डों का इस्तेमाल किया जाता था। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारी एवं बरामदगी की संभावना है।

दुष्कर्म मामले में जमानत खारिजः दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- 'दोस्ती...दुष्कर्म का लाइसेंस नहीं'

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि दोस्ती किसी आरोपी को पीड़िता के साथ बार-बार दुष्कर्म करने और उसे बेरहमी से पीटने का लाइसेंस नहीं देती। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने पॉक्सो मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए उसके इस दावे को अस्वीकार कर दिया कि वह और शिकायतकर्ता दोस्त थे, इसलिए यह सहमति से संबंधित मामला हो सकता है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ता की ओर से यह दावा कि याचिकाकर्ता और शिकायतकर्ता दोस्त थे और इसलिए यह सहमति से संबंधित मामला हो सकता है। इस अदालत द्वारा स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि भले ही संबंधित पक्ष दोस्त थे, लेकिन दोस्ती याचिकाकर्ता को पीड़िता के साथ बार-बार दुष्कर्म करने, उसे अपने दोस्त के घर में कैद करने और बेरहमी से पीटने का कोई लाइसेंस नहीं देती।

हैदराबाद में गो तस्करों ने युवक को मारी गोली, इंडी गठबंधन की चुप्पी पर विहिप ने उठाए सवाल

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद में एक गोरक्षक को सरेआम सीने में गोली मार दी गई, वह अस्पताल में मौत से संघर्ष कर रहा है. इससे हिन्दू समाज में भारी आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन गो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। घटनाक्रम के अनुसार प्रशांत कुमार उर्फ सोनू हैदराबाद में गोरक्षक दल का सक्रिय कार्यकर्ता है। वह गोरक्षक दल को गो-तस्करी की सूचना देता था। इससे परेशान होकर कुछ गो तस्करों ने सोनू के एक परिचित श्रीनिवाससे फोन कराकर यमनापेट (घाटकेसर) बुलाया।वहां पहले से मौजूद इब्राहिम ने अपने अन्य दो और साथियों मोहिसिन और हनीफ करैशी को भी बुला लिया। प्रशांत उर्फ सोनू को धमकाया जाने लगा कि वह उनके ट्रकों का पीछा करना छोड़ दे, जिसमें गोवंश ले जाया जाता है। सोनू ने गोमाता की रक्षा से पीछे न हटने की बात कही। इसके बाद इब्राहिम ने पास खड़ी कार से पिस्टल निकालकर सोनू के सीने से सटाकर गोली मार दी। इसमें उसकी मदद मोहिसिन और हनीफ कुरैशी ने की। सोनू को मरा समझकर गोली सभी

आरोपित मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर तत्काल सोनू को यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह जीवन से जंग लड़ रहा है और अभी भी खतरे से बाहर नहीं है। इसकी खबर शहर में फैलते ही तनाव व्याप्त हो गया। प्रशांत उर्फ सोनू पिछड़े - दलित समुदाय से आता है। वह शहर का चर्चित गोरक्षक है। गोरक्षक को मुस्लिम समुदाय से संबंध रखने वाले गो तस्करों के गोली मारने की खबर पर लोग आक्रोशित हो उठे। बाल्मीकि समाज से आने वाली सोनू की मां ने अस्पताल में जुटे लोगों से कहा कि भले मेरा बेटा जीवन-मौत से लड़ रहा है, पर हम गोवंश की रक्षा के लिए हर तरह की कुर्बानी देने को तैयार हैं।बुधवार की सुबह हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में अस्पताल में जुटने लगे और वहां नारेबाजी शुरू हो गई। गोरक्षक सोनू पर हुई गोलीबारी की घटना के विरोध में आज भाजपा नेताओं ने लकड़ीकापुल स्थित डीजीपी कार्यालय पर धावा बोलने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके चलते पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर दबिश दी और आरोपित इब्राहिम, मोसिन और श्रीनिवास को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अन्य आरोपी हनीफ कुरैशी फरार है।

दरअसल कुछ दिन पहले ही रामपल्ली, कीसरा मंडल निवासी प्रशांत उर्फ सोनू ने वारंगल से मवेशियों से भरी एक लॉरी को रोकने के लिए अपनी कार से पीछा किया। उस लॉरी में अवैध तरीके से गोवंश ले जाया जा रहा था। इस दौरान लॉरी पर सवार इब्राहिम की सोनू से बहस भी हुई। वहां से भागते हुए लॉरी चालक ने गाड़ी नहीं रोकी टोल गेट पर लगे बैरिकेड्स को टक्कर मारते हुए भाग गया। बताया जा रहा है कि सोनू की सक्रियता की वजह से गो तस्करों को बहुत हानि उठानी पड़ रही थी।गिरफ्तारी के बाद इब्राहिम का कहना था।

पवित्र 'जोड़ा साहिब' की चरण सुहावे गुरु चरन यात्रा 27 अक्टूबर को पहुंचेगी लखनऊ

एजेंसी

लखनऊ। पवित्र जोड़ा लेकर दिल्ली से शुरु हुई चरण सुहावे गुरु चरन यात्रा कई शहरों से होते हुए 27 अक्टूबर को लखनऊ में रात्रि विश्राम करेगी। इसके बाद यात्रा कानुपर के लिए प्रस्थान करेगी और बाद में पटना में इस यात्रा का समापन होगा।

गुरु गोबिंद सिंह महाराज (दाहिने पैर का जूता, साइज़ 11 × 3) और माता साहिब कौर जी (बाएँ पैर का जूता, साइज़ 9 × 3) का पवित्र जोड़ा साहिब सिख समुदाय के लिए अत्यंत श्रद्धा व पावन का प्रतीक है । दसम पिता गुरु गोबिंद सिंह महाराज (खालसा पंथ के संस्थापक) और माता साहिब कौर के पवित्र जूते (जोड़ा साहिब) का यह जोड़ा तीन सौ साल से भी पहले 1704 ईस्वी में आनंदपुर साहिब में पुरी परिवार के पूर्वजों को सौंपा गया था। तब से यह पुरी परिवार के पास रहा है, जिसे पीढ़ियों से सुरक्षित रखा गया है और सम्मान दिया गया। 'जोड़ा साहिब' के अंतिम संरक्षक सरदार जसमीत सिंह पुरी थे, जो करोल बाग में रहते थे। जिस गली में 'जोड़ा साहिब' रखे गए थे, उस घर की ओर जाने वाली गली का नाम, स्थान की पवित्रता को ध्यान में रखते हुए गुरु गोबिंद सिंह मार्ग रखा गया था।

सरदार जसमीत सिंह पुरी के निधन के बाद, उनकी पत्नी मनप्रीत सिंह पुरी ने सरदार हरदीप सिंह पुरी (जो पुरी परिवार के सबसे बड़े पुरुष सदस्यों में से एक थे), से %जोड़ा साहिब% को सुरक्षित रखने और भविष्य में सार्वजनिक श्रद्धा के लिए प्रदर्शित करने का अनुरोध किया। पवित्र %जोड़ा साहिब% की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए, सरदार हरदीप सिंह पुरी ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय से संबंधित विशेषज्ञों से इसकी जांच कराने का अनुरोध किया था। संस्कृति मंत्रालय के सिख विद्वान की रिपोर्टों ने निष्कर्ष निकाला था कि यह वास्तव में विभिन्न ऐतिहासिक दस्तावेज़ों में उल्लिखित पवित्र 'जोड़ा साहिब% है और यह प्रामाणिक है । इस पवित्र जोड़ा साहिब का उल्लेख प्रसिद्ध सिख विद्वान भाई काहन सिंह नाभा ने वर्ष 1930 में लिखे गए गुरशबद रत्नाकर महान कोष में भी है। बाद में पवित्र जोड़ा साहिब की प्रामाणिकता स्थापित करने के लिए आईजीएनसीए ने कार्बन परीक्षण भी किया गया था। इसके बाद सरदार हरदीप सिंह पुरी ने पवित्र जोड़ा साहिब पर सही कार्रवाई की सिफ़ारिश करने के लिए प्रख्यात सिखों की एक समिति का भी गठन किया गया था। समिति ने विस्तार से विचार-विमर्श किया और सिफ़ारिश की कि पवित्र जोड़ा साहिब को सार्वजनिक दर्शन के लिए पटना साहिब गुरुद्वारे में रखा जाना चाहिए। समिति के सदस्यों ने अपनी सिफ़ारिश के साथ एक रिपोर्ट तैयार की।

भारत-ऑस्ट्रेलिया तीसरा एकदिवसीय आज

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में उतरेगी। भारतीय टीम पहले दो मैचों में हारी है। ऐसे में वह इस मैच को किसी भी हालत में जीतकर सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगी। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम का रिकार्ड इस मैदान पर अच्छा नहीं रहा है। उसे यहां खेले 19 में से 16 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। वह केवल दो मैच ही यहां जीती है जबकि एक मैच बराबरी पर रहा है। ऐसे में कप्तानी शुभमन गिल की राह काफी कठिन नजर आती है।

इस मैच में सभी की नजरें विराट कोहली और रोहित शर्मा पर रहेंगी। इसका कारण है क ये ऑस्ट्रेलिया में इन दोनो दिग्गजों का अंतिम मैच हो सकता है। विराट अब तक दोनो ही मैचों में असफल रहे। वहीं रोहित ने हालांकि दूसरे एकदिवसीय में 97 गेंदों पर 73 रन बनाये पर प्रशंसक इन दोनो की जो बल्लेबाजी देखना चाहते थे वह नहीं दिखी।

रोहित यहां पहली बार 2007-08 में एकदिवसीय सीरीज के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 सत्र में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाया था। वहीं अगले दो साल में ऑस्ट्रेलिया में कोई एकदिवसीय नहीं होने के कारण ये तय है कि अब ये ऑस्ट्रेलिया में नहीं खेलते दिखेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने इस सीरीज के पहले दोनों मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया पर विराट और और रोहित के कारण तीसरे एकदिवसीय के प्रति रोमांच बना हुआ है।

सिडनी मैदान पर मौजूद दर्शक पर इन दोनों से आकर्षक पारी की उम्मीद करेंगे। भारतीय टीम ने यहां जो पिछले पांच एकदिवीसय मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है। इस मैच में जीत के लिए कप्तान शुभमन गिल और कोहली व रोहित को बड़ी पारी खेलनी होग। इसके अलावा मध्य और निचले क्रम को भी रन बनाने होंगे।

पिछले दो मैचों में भारतीय गेंदबाज भी अधिक प्रभावित नहीं कर पाये। टीम का ध्यान बल्लेबाजी की मजबूती पर रहा जिससे उसने

कुलदीप यादव जैसे स्पिनर को बाहर रखा। अब उन्हें इस मैच में शामिल किया जा सकता है। पहले दोनो ही मैचों में स्पिन की कमान अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर रही है पर ये मेजबान बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये हैं। ऐसे में कुलदीप की जरुरत महसूस हुई है।

टीम प्रबंधन ने अधिक ऑलराउंडर रखने की रणनीति बनायी थी जिससे युवा नीतीश कुमार रेड्डी जैसे को आठवें नंबर पर उतारा जो फायदेमंद नहीं रहा। वहीं गेंदबाजी में भी वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। वहीं हर्षित राणा का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

वहीं दूसरी और मेजबान टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। वह सीरीज पहले ही जीत गयी है। ऐसे में इस मैच में बदलावों के साथ उतर सकती है। इस मैच में वह मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकती है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। उसके युवा खिलाड़ियों मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली ने दबाव वाले हालातों में अपने कौशल का अच्छा परिचय दिया है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ऑस्ट्रेलिया जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया- मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेट कीपर), जोस इंग्लिस (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जैक एडवर्ड्स, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, मैट कुहनेमैन।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन) (एजेंसी)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने शुक्रवार को बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। छठी वरीयता प्राप्त दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को 21-19, 21-15 से हराकर अंडर-17 वर्ग के अंतिम आठ में प्रवेश किया।

लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को 21-16, 21-11 से हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को 21-17, 21-16 से हराया।

अदिति दीपक राज और बी.वी. पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को 17-21, 21-15, 21-17 से मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर 21-14, 21-8 से प्रभावशाली जीत दर्ज की।

जगशेर सिंह खंगुरा ने एकल वर्ग में मलेशिया के विंसन चोह को 21-12, 21-17 से आसानी से हराया। वजीर सिंह सिंह अंडर-15 लड़कों के एकल वर्ग के बेहद रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशिया के सातवें वरीय रेवन एड्रिलियो सपुत्रा से 19-21, 22-20, 22-24 से हारकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

कोहली अभी संन्यास नहीं लेंगे, सिडनी में बड़ी पारी खेलेंगे : गावस्कर

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दूसरे एकदिवसीय में शून्य पर आउट होने के बाद अपना दाहिना हाथ उठाकर भीड़ की तरफ हिलाया, उससे उनके संन्यास की अटकलें शुरु हो गयीं। प्रशंसकों को ऐसा लगा जैसे वह अपने आखिरी मैच में दर्शकों का आभार जता रहे हों। वहीं महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर इससे सहमन नहीं हैं। गावस्कर के अनुसार विराट के मन में संन्यास का ख्याल नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका जेस्चर बस उस भीड़ का धन्यवाद करना था जो उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन देती आई है। गावस्कर ने कहा कि विराट सिडनी में सीरीज के तीसरे और आखिरी एकदिवसीय में भी खेलेंगे। गावस्कर ने कहा कि कोहली में अभी बहुत सारा क्रिकेट बचा हुआ है। वह बहुत कम मौकों पर विफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार को सिडनी में कोहली अच्छी वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, विराट उस तरह का खिलाड़ी नहीं है जो आसानी से हार मान जाए। क्या आप वाकई सोचते हैं कि वह लगातार दो बार शून्य बनाने के बाद रिटायर हो जाएंगे? नहीं, बिल्कुल नहीं। वह हाई नोट पर रिटायर होना चाहेंगे। सिडनी का मैच अभी बाकी है और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज है वह 2027 के विश्व कप में रोहित के साथ होंगे। गावस्कर ने कहा, 'देखिए, उनके नाम 14000 से ज्यादा रन हैं, 52 एकदिवसीय शतक हैं और 32 टेस्ट शतक भी है। उन्होंने हजारों रन बनाए हैं इसलिए उनका एकाध बार असफल होना चलता है। जो कुछ हुआ उसका बहुत ज्यादा मतलब मत निकालिए। अभी उनमें बहुत क्रिकेट बचा हुआ है। आगे बहुत क्रिकेट है। हो सकता है कि सिडनी में हम उनसे कोई बड़ी पारी देखें।'

गावस्कर ने आगे कहा, 'एडिलेड निश्चित तौर पर ऑस्ट्रेलिया में उनका पसंदीदा मैदाना रहा है। उन्होंने वहां शतक बनाए हैं, इसलिए स्वाभाविक है कि हर कोई उनसे यहां कुछ बड़े स्कोर की उम्मीद कर रहा था पर वैसा नहीं हुआ।' गावस्कर ने कहा, जब वह बल्लेबाजी के लिए आए तो

महिला विश्व कप में आज होगा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला

इंदौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें शनिवार को यहां महिला विश्व कप क्रिकेट में उतरेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। जो भी टीम ये मैच जीतेगी वह नंबर एक पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलियाई ने जहां अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और टीम अच्छी लय में है। जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार है।

वहीं दक्षिण अफ्रीका ने इस विश्वकप में खराब शुरुआत के बाद अच्छी वापसी की है। पहले मैच में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से मिली करारी हार के बाद टीम ने लगातार पांच मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच से पहले अपनी कप्तान एलिसा हीली के फिट होने की उम्मीद कर रही है। हीली को इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले अभ्यास के दौरान पिंडली में खिंचाव आ गया था। जिसके बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण इंग्लैंड के खिलाफ मैच में ताहलिया मैकग्रॉ ने कप्तानी की थी।

ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के लिए हीली का खेलना बेहतर जरुरी है क्योंकि उसने बल्लेबाजी में लगाताकर शतक लगाये हैं। हीली ने भारत और बांग्लादेश के खिलाफ

लगातार मैच में शतक बनाए, जिससे वह इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर काबिज है। इंग्लैंड के खिलाफ हीली के नहीं होने से बल्लेबाजी क्रम में काफी बदलाव करना पड़ा था। इसके बाद भी टीम मैच हार गयी थी।

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी अच्छी है। ऐसे में जीत के लिए दक्षिण अफ्रीका को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वाड्र्ट ये जानती हैं। ऐसे में उन्हें अपनी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मारिजाने काप से और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। काप ने अब तक छह विकेट लेकर और दो अर्धशतक लगाकर गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाई है। सलामी बल्लेबाज़ वोल्वाड्र्ट, ताज़मिन ब्रिट्स और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ सुने लुस की तिकड़ी को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे तभी दक्षिण अफ्रीका की टीम बड़ा स्कोर बनाकर गेंदबाजों को बचाव का अवसर दे सकती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया- एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनी, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

दक्षिण अफ्रीका- लौरा वोल्वाड्र्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तज़मिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लर्क, एनेरी डर्कसेन, सिनालो जाफ्ता, मारिज़ैन काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, क्लोमिसो थंगारियोन।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली - पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। FIH ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। FIH ने बयान में कहा, 'हम पुष्टि कर सकते हैं कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) को सूचित कर दिया है कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले FIH हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था।' बयान में कहा गया, 'इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।' पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की गई जवाबी कार्रवाई के बाद से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हुए हैं।

तीसरे वनडे में बड़ा रिकॉर्ड बनाने उतरेंगे ट्रैविस हेड, मात्र 22 रन दूर

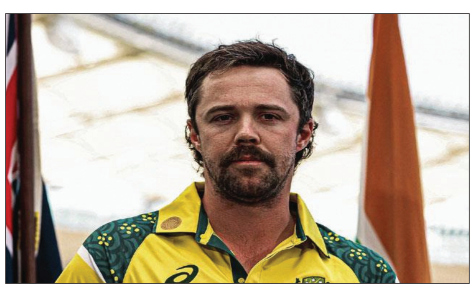

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रैविस हेड वनडे में 3,000 रन पूरे करने से सिर्फ 22 रन दूर हैं। उम्मीद है कि वह शनिवार को भारत के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में यह मुकाम हासिल कर लेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजय बढ़त बना ली है और भारत सांत्वना भरी जीत का लक्ष्य रखेगा। भारत ट्रैविस हेड को रोकने में कामयाब रहा है, और उन्होंने पहले दो वनडे में सिर्फ आठ और 28 रन बनाए हैं। हेड ने 78 वनडे और 75 पारियों में 43.79 की औसत और 105.64 के स्ट्राइक रेट से 2,978 रन बनाए हैं जिसमें सात शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 154* है। सिडनी में तीन वनडे में उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है, उन्होंने तीन पारियों में 40.66 की औसत और 98.38 के स्ट्राइक रेट से 122 रन बनाए हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 52 है। इस मशहूर मैदान पर 9 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हेड ने 10 पारियों में 32.88 की औसत से 296 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 70 है। उनका कुल अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बहुत प्रभावशाली नहीं है। इस साल ट्रैविस का वनडे में प्रदर्शन बहुत शानदार नहीं रहा है। उन्होंने 9 पारियों में 41.62 की औसत से 333 रन बनाए हैं, जिसमें एक सेंचुरी और एक फिफ्टी शामिल है और उनका बेस्ट स्कोर 142 है।

कोहली अभी संन्यास नहीं लेंगे, सिडनी में बड़ी पारी खेलेंगे : गावस्कर

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दूसरे एकदिवसीय में शून्य पर आउट होने के बाद अपना दाहिना हाथ उठाकर भीड़ की तरफ हिलाया, उससे उनके संन्यास की अटकलें शुरु हो गयीं। प्रशंसकों को ऐसा लगा जैसे वह अपने आखिरी मैच में दर्शकों का आभार जता रहे हों। वहीं महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर इससे सहमन नहीं हैं। गावस्कर के अनुसार विराट के मन में संन्यास का ख्याल नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका जेस्चर बस उस भीड़ का धन्यवाद करना था जो उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन देती आई है। गावस्कर ने कहा कि विराट सिडनी में सीरीज के तीसरे और आखिरी एकदिवसीय में भी खेलेंगे। गावस्कर ने कहा कि कोहली में अभी बहुत सारा क्रिकेट बचा हुआ है। वह बहुत कम मौकों पर विफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार को सिडनी में कोहली अच्छी वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, विराट उस तरह का खिलाड़ी नहीं है जो आसानी से हार मान जाए। क्या आप वाकई सोचते हैं कि वह लगातार दो बार शून्य बनाने के बाद रिटायर हो जाएंगे? नहीं, बिल्कुल नहीं। वह हाई नोट पर रिटायर होना चाहेंगे। सिडनी का मैच अभी बाकी है और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज है वह 2027 के विश्व कप में रोहित के साथ होंगे। गावस्कर ने कहा, 'देखिए, उनके नाम 14000 से ज्यादा रन हैं, 52 एकदिवसीय शतक हैं और 32 टेस्ट शतक भी है। उन्होंने हजारों रन बनाए हैं इसलिए उनका एकाध बार असफल होना चलता है। जो कुछ हुआ उसका बहुत ज्यादा मतलब मत निकालिए। अभी उनमें बहुत क्रिकेट बचा हुआ है। आगे बहुत क्रिकेट है। हो सकता है कि सिडनी में हम उनसे कोई बड़ी पारी देखें।'

गावस्कर ने आगे कहा, 'एडिलेड निश्चित तौर पर ऑस्ट्रेलिया में उनका पसंदीदा मैदाना रहा है। उन्होंने वहां शतक बनाए हैं, इसलिए स्वाभाविक है कि हर कोई उनसे यहां कुछ बड़े स्कोर की उम्मीद कर रहा था पर वैसा नहीं हुआ।' गावस्कर ने कहा, जब वह बल्लेबाजी के लिए आए तो लोगों ने खड़े होकर उनका सम्मान

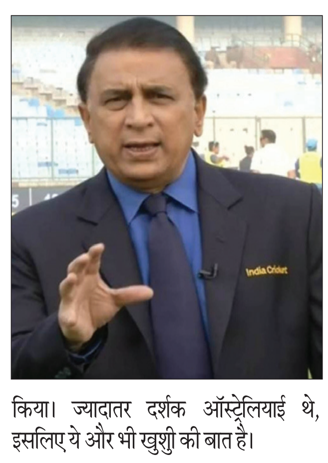

किया। ज्यादातर दर्शक ऑस्ट्रेलियाई थे, इसलिए ये और भी खुशी की बात है।

सरफराज मामले में इरफान पठान ने चयन समिति का बचाव किया

मुम्बई। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने सरफराज खान को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो मैच की सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल नहीं किये जाने के बाद लगाये जा रहे पक्षपात और भेदभाव की बातों को खारिज करते हुए कहा है कि इस प्रकार की आधारहीन बातें कहकर भ्रम न फैलाएं। पठान ने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयनसमिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि चयन में कई बातें होती है। उसे गलत तरीके से न देखें। सरफराज को टीम में जगह नहीं मिलने पर कई लोगों ने चयनसमिति पर भी सवाल उठाये हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर भी नाराजगी जतायी गयी है। वहीं कुछ लोगों ने तो इसे धार्मिक रंग देने का भी प्रयास किया है। पठान ने ऐसे लोगों को फटकार लगाते हुए कहा है कि इस प्रकार से किसी बात को तोड़ मरोड़कर पेश न करें। साथ ही कहा कि ऐसी धारणा भी न बनायें जो सच न हो। पठन ने सरफराज घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी जब भी उन्हें मौका मिला, उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। पिछले कुछ महीनों में उन्होंने अपनी फिटनेस पर इतनी मेहनत की है कि कई किलोग्राम वजन घटा लिया है। हालांकि चोट की वजह से वह दलीप ट्रॉफी और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके थे। पठान ने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयनसमिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव किया है। पठान ने कहा कि ऐसी गलत धारता मत फैलाइये जो सच के करीब तक न हो। पठान ने कहा सिलेक्टर्स और कोच (मैनेजमेंट) का हमेशा कोई प्लान होता है। कभी-कभी यह फैन की आंखों को गलत दिख सकता है, लेकिन प्लीज चीजों को तोड़िए-मरोड़िए मत या ऐसा नैरेटिव मत बनाइए जो सच के करीब तक न हो। सरफराज के उनके चयन न होने को कुछ लोगा उनके सरनेम से जोड़ रहे हैं। यहां तक कि मामला राजनीतिक रंग तक लेता दिख रहा है। नेता ने तो सवाल उठाया है कि क्या सरफराज को उनके सरनेम की वजह से बाहर रखा गया है। ऐसे लोगों की पठान की कड़ी निंदा की है।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

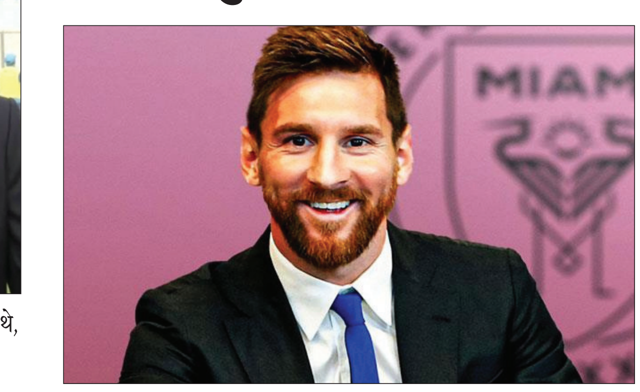

मियामी - लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई। सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, 'हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है।वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं।' 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोटर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, 'लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे यहां जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे।' इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने रिकॉर्ड बुक को नए सिरे से लिखा

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ नवी मुंबई में तीन विकेट के नुकसान पर 340 रन बनाए। यह स्कोर महिला विश्व कप में भारत का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले भारत ने इसी टूर्नामेंट में विशाखापट्टनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 330 रन बनाए थे। यह महिला वनडे में किसी भी टीम का न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है। सबसे बड़ा स्कोर इंग्लैंड का है। उन्होंने 2021 में कैंटबरी में 347 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना के अब वनडे में 14 शतक हो गए हैं।

यह महिला क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा हैं। इस सूची में अब सिर्फ मेग लैनिंग ही उनसे आगे हैं। उनके नाम 15 शतक हैं। मंधाना अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में 17 शतक तक पहुंच चुकी हैं। यह महिला क्रिकेट में लैनिंग के बराबर है और सबसे ज्यादा भी हैं। प्रतिका रावल ने 23 पारियों में अपने 1000 रन पूरे किए। वह महिला वनडे में सबसे तेज 1000 रन तक पहुंचने वाली बल्लेबाज बनी हैं और 1988 में लिंडसे रीलर द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी की है।

मंधाना ने वनडे में ओपनिंग करते हुए 5194 रन बनाए हैं। यह महिला वनडे में किसी भी सलामी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सूजी बेट्स के नाम था। उनके नाम 5088 रन थे। मंधाना और रावल के बीच पहले विकेट के लिए 212 रनों की साझेदारी हुई। यह महिला विश्व कप में भारत की किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

इससे पहले 2022 में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ चौथे विकेट के लिए मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने 184 रन जोड़े थे। यह महिला वनडे में किसी भी टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी भी है। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 2012 में इंग्लैंड की सारा टेलर और लिडिया ग्रीनवे के बीच तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी हुई थी।

महिला विश्व कप तीन बार ऐसा हुआ है, जब दोनों ओपनरों ने एक ही पारी में शतक बनाए हैं। इंग्लैंड की लिन थॉमस और इनिड बेकवेल ने 1973 में इंटरनेशनल इलेवन के खिलाफ यह कारनामा किया था। ऑस्ट्रेलिया की लिंडसे रीलर और रूथ बकस्टीन ने 1988 में नीदरलैंड्स के खिलाफ भी यह कारनामा किया था। मंधाना ने 2025 में वनडे में पांच शतक लगाए हैं। वह केवल दूसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में पांच शतक लगाए हैं। यह कारनामा ताजमिन ब्रिट्स ने भी 2025 में किया था।

मंधाना के 2025 में बनाए गए 1259 रन, महिला वनडे में किसी भी वर्ष में सबसे ज्यादा हैं जबकि रावल के 976 रन अब दूसरे स्थान पर है। मंधाना और रावल के बीच सात शतकीय साझेदारी हुई हैं। यह महिला वनडे में किसी भी जोड़ी द्वारा भारत के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। उन्होंने मिताली राज और पूनम राउत की सात शतकीय साझेदारियों की बराबरी की है। इन सात में से पांच शतकीय साझेदारियां 2025 में आई हैं।

यह किसी भी जोड़ी द्वारा एक कैलेंडर वर्ष में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले यह

रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क और लीजा काइटली के नाम था। मंधाना और रावल ने चार बार 150 या उससे ज्यादा की साझेदारी की है। क्लार्क और काइटली, तथा न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और एमी सैटर्थवेट ने भी महिला वनडे में चार-चार बार 150 से ज्यादा रन की साझेदारी की है। इन चार में से दो बार मंधाना-रावल ने 200 से ज्यादा रन की साझेदारी की है। ऐसा करने वाली जोड़ी सिर्फ तीन और हैं, लेकिन उनमें से कोई भी भारत से नहीं है।

कीमोथेरेपी से गुजर रही इंग्लैंड की पूर्व महिला क्रिकेटर सूसी

लंदन। इंग्लैंड की महिला टीम की पूर्व क्रिकेटर सूसी विल्सन रोवे फेफड़े के कैंसर से पीड़ित होने के कारण आजकल कीमोथेरेपी और इम्यूनोथेरेपी के कठिन दौर से गुजर रही हैं। कैंसर के कारण ही इस क्रिकेटर का करियर भी समय से पहले ही समाप्त हो गया था। रोवे ने कहा है कि वह अपनी इसलिए साझा कर रही हैं ताकि अन्य लोगों में जागरुकता आये और वह अपने शरीर का ध्यान रखें। जब भी कोई गलत संकेते दिखे तत्काल डॉक्टर के पास जायें। वह जब अस्पताल पहुंची तब तक काफी देर हो गयी है। वहीं समय पर पता लगने से बहुत फर्क पड़ सकता है।' इंग्लैंड के लिए 22 टी20 इंटरनेशनल और 1 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाली सूसी को अपने कैंसर के बारे में तब पता चला, जब वह गर्भवती थीं। विल्सन रोवे ने इंग्लैंड के अलावा डोमेस्टिक टीम केंट के लिए नियमित क्रिकेट खेली। रोवे को पसलियों में 'महीनों तक दर्द से जूझने' के बाद इसके कैंसर होने का पता चला। शुरुआत में दर्द का कारण मांसपेशियों में खिंचाव बताया गया था, लेकिन आगे की जांच में पता चला कि उसके बाएं फेफड़े में ट्यूमर है। वहीं उनकी घरेलू टीम केंट ने कहा, सूसी ने एक खिलाड़ी, कोच, मेंटॉर और मित्र के रूप में क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है और कई लोगों को प्रेरित किया है।

दुलकर सलमान की बहुप्रतीक्षित फिल्म कांथा 14 नवंबर को होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता दुलकर सलमान की आने वाली फिल्म कांथा की रिलीज डेट आ गई है।निर्देशक सेल्वामणि सेल्वराज की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा में अभिनेता दुलकर सलमान मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इसके निर्माताओं ने सोमवार को घोषणा की कि यह फिल्म अब 14 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता दुलकर सलमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसका एक पोस्टर साझा किया। उन्होंने लिखा, दीपावली अब और भी धमाकेदार हो गई है। कांथा 14 नवंबर से दुनिया भर के सिनेमाघरों में धूम मचाएगी। आप सभी को दीपावली की शुभकामनाएं। सिनेमाघरों में जल्द मिलते हैं। बता दें कि यह फिल्म पहले 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, मगर इसकी रिलीज को टाल दिया गया। फाइनली अब यह 14 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। इसकी रिलीज डेट 'लोका' फिल्म की वजह से टाली गई थी। इस फिल्म को दुलकर सलमान ने भी प्रोड्यूस किया है। फिल्म सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन कर रही थी, इसलिए मेकर्स ने 'कांथा' को आगे के लिए खिसका दिया था। कुछ समय पहले फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इसे देखने के बाद फैंस फिल्म के रिलीज होने को लेकर काफी उत्साहित दिखे। पहले इस फिल्म का नाम 'सांथा' था, लेकिन टीजर में यह बताया गया था कि फिल्म का नाम बदल दिया गया है, तब से इसे 'कांथा' कहा जाने लगा।

कांथा फिल्म तमिल सिनेमा के पहले सुपरस्टार कहे जाने वाले एम.के. त्यागराज भगवतार के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म 1950 के दशक में उनकी प्रसिद्धि और व्यक्तिगत संघर्षों को दर्शाएगी। इसमें स्वतंत्रता के बाद के मद्रास (चेन्नई) की दुनिया देखने को मिलेगी। दुलकर सलमान इस महान अभिनेता के किरदार में दिखेंगे। कांथा में भाग्यश्री बोरसे और समुथिरकानी जैसे सितारे भी हैं। कांथा को राणा दग्गुबाती की स्पिरिट मीडिया और दुलकर की वेफेरर फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का निर्देशन सेल्वमणि सेल्वराज ने किया है, जो नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री द हंट फॉर वीरप्पन के लिए जाने जाते हैं। पहले दुलकर सलमान इससे बतौर अभिनेता जुड़े थे, लेकिन बाद में उन्होंने इसे प्रोड्यूस करने का भी फैसला किया।

नरगिस फाखरी ने अमेरिका और पाकिस्तान में मॉडलिंग के बाद की बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड हो या फिर हॉलीवुड फिल्म, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने कई फिल्मों में अपने ग्लैमरस भूमिका से दर्शकों का मनोरंजन किया है। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद 2011 में नरगिस को पहली ही बार में रणबीर कपूर के साथ रॉकस्टार में स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला, वह भी बतौर लीड एक्ट्रेस। एक्ट्रेस के करियर की शुरुआत भले ही अच्छी रही हो, लेकिन धीरे-धीरे उनके करियर की गाड़ी स्लो हो गई। आज भी नरगिस फिल्मों में सेकेंड लीड का रोल प्ले करती हैं। नरगिस अपना 46वां जन्मदिन मना रही है। नरगिस फाखरी का जन्म न्यूयॉर्क में हुआ है, लेकिन पकिस्तान से भी उनका रिश्ता है। उनके पिता मोहम्मद फाखरी पाकिस्तानी के मूल निवासी थे और उनकी शादी मारिया ए. फाखरी से हुई थी। हालांकि दोनों का तलाक हो चुका है और उनके पिता भी अब दुनिया में नहीं रहे हैं। दोनों माता-पिता के अलग-अलग देशों के होने की वजह से उन्हें पाकिस्तान और अमेरिका दोनों की नागरिकता प्राप्त है।

मॉडलिंग में मिली सफलता के साथ नरगिस को फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में एंट्री मिली। फिल्म चल निकली और इतनी ज्यादा फेमस हो गई कि नरगिस और रणबीर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इसके बाद उन्होंने 'मद्रास कैफे', 'मैं तेरा हीरो', 'अजहर' और 'अमावस' जैसी हिट फिल्में दीं। उन्होंने 2015 में हॉलीवुड फिल्म स्पाई में भी काम किया। जब किस्मत चमकी तो नरगिस ने साउथ में भी हाथ आजमाया और रश्ना - द रे ऑफ लाइट और साहसम में काम किया। हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने यह कहकर बॉलीवुड से दूरी बना ली कि वे लगातार फिल्में कर रही थीं और काफी तनाव ले रही थीं। काम के दौरान वह परिवार और दोस्तों को काफी मिस कर रही थीं। एक्ट्रेस ने बताया था कि वह अब कुछ समय अपनी खुशी के लिए निकालना चाहती हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो नरगिस ने गुपचुप तरीके से अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड से शादी कर ली है और 6 महीने तक अपनी शादी को छिपाकर रखा था, लेकिन अब वो अपने पति टोनी बेग के साथ मीडिया के सामने आती रहती हैं।

इब्राहिम अली खान ने 'नादानियां' को लेकर हुई आलोचना पर की टिप्पणी

अभिनेता इब्राहिम अली खान की डेब्यू फिल्म 'नादानियां' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी, जिसमें खुशी कपूर भी अहम भूमिका में थीं। । इस फिल्म को दर्शकों ने ज्यादा पसंद नहीं किया था और इसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। महीनों की ट्रोलिंग के बाद, इब्राहिम ने आखिरकार दर्शकों की प्रतिक्रिया दी।

वास्तव में खराब फिल्म

हाल ही में इब्राहिम अली खान एस्क्वायर इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में शामिल है। उन्होंने कहा, कुछ समय पहले तक, सभी मेरे लॉन्च का इंतजार कर रहे थे, और नादानियां के बाद , प्रचार बहुत बुरी तरह से गिर गया। उन्होंने मुझे लगातार ट्रोल किया। वह बस यही नहीं कर पाएगा। यह बहुत ही बुरा है और मुझे इसके बारे में लगातार बुरा लगता है। मैं बस इतना कहूंगा कि यह वाकई एक बहुत ही घटिया फिल्म थी। आगे बातचीत में अभिनेता ने कहा, यह वाकई बहुत बुरा था। यह एक तरह की संस्कृति बन गई थी कि, ओह, चलो उस फिल्म को ट्रोल करते हैं। कुछ लोग इसे सिर्फ इसलिए ट्रोल कर रहे थे, क्योंकि उन्होंने सुना था कि कोई और इसे ट्रोल कर रहा है। यह अनुचित था, लेकिन अगर मैं अब भविष्य में कोई ब्लॉकबस्टर फिल्म दूंगा, तो मैं भी इसी तरह की प्रतिक्रिया चाहूंगा। उन्हें मेरे पीछे पागल हो जाना चाहिए।

उस समय जल्दबाजी में लग गया था

इब्राहिम अली खान ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैं बहुत मेहनत कर रहा था जैसे मैं अभी भी अपनी बोलने की समस्या पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं। लेकिन एक तरह से, मुझे लगता है कि मैं उस फिल्म में जल्दबाजी में लग गया था।

मैं 21 साल का था, जब मैंने इसकी शूटिंग शुरू की थी, मेरे आस-पास के दूसरे लोग 26, 27, 28 साल की उम्र में इसे कर रहे हैं और अब मुझे लगता है कि जो कुछ होने वाला था, उसके पैमाने के बारे में मैं और ज्यादा सचेत हो सकता था।

पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर बोला हमला

मशहूर पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों ने हाल ही में खुलासा किया कि वो बॉलीवुड में क्यों काम नहीं करना चाहते। इसके साथ ही उन्होंने कई तर्क भी दिए। इस खबर से चारों-तरफ सनसनी मच गई है। चलिए जानते हैं आखिर गायक ने बॉलीवुड को लेकर ऐसा क्या कहा, जो चर्चा का विषय बन गया है।

वहां शोषण होता है

गायक एपी ढिल्लों एसएमटीवी यूट्यूब चैनल के साथ एक बातचीत में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा, मैं आपको बताता हूं कि मैंने अब तक कोई बॉलीवुड गाना क्यों नहीं किया। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझे अपने लोगों की परवाह है। यह बॉलीवुड की बात नहीं है, यह मेरे समुदाय के लिए एक मिसाल कायम करने की बात है। मैंने उनसे कहा कि मुझे गाना गाने में खुशी होगी, लेकिन पहले उन्हें अपने व्यापार करने का तरीका बदलना होगा। जब कोई पंजाबी कलाकार किसी बॉलीवुड फिल्म के लिए गाना देता है, तो निर्माता का सब कुछ - ट्रैक, रीमिक्स अधिकार, सब कुछ मालिकाना होता है। वे अपने फायदे के लिए गाने और कलाकार का शोषण करते हैं। मैंने मना कर दिया।

गायक ने आगे बातचीत में कहा, कुछ बड़े कलाकार अपनी फिल्म में मेरा संगीत चाहते थे। मैंने गाना बनाया, हमने सीन की योजना भी बना ली थी। लेकिन वे गाना, उसके अधिकार, सब कुछ अपने पास रखना चाहते थे। यह सही नहीं है। इसलिए मैंने उनसे कहा कि जब तक वे इसे नहीं बदलते, मैं उनके साथ काम नहीं कर सकता। फिर उन्होंने कहा, 'अगर मैं ऐसा करूंगा, तो जूनियर कलाकारों को भी ऐसा करना पड़ेगा। मैं नहीं चाहता कि उन्हें ऐसा करना पड़े। मैं नहीं चाहता कि कोई युवा कलाकार अपने हिट गाने बेचकर अपनी आय का स्रोत खो दे। मैं नहीं चाहता कि उनका शोषण हो।'

कोंकणा सेन शर्मा ने खोला अभिनय का राज

मशहूर अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा की वेब सीरीज सर्च - द नैना मर्डर केस रिलीज हो चुकी है। यह दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। कोंकणा ने इस सीरीज के बारे में बात करते हुए अपने अभिनय का राज लोगों के साथ साझा किया है। उन्होंने कहा कि वह आमतौर पर किरदार के लहजे और टोन में तब तक बदलाव नहीं करतीं जब तक निर्देशक उनसे कोई सुझाव न मांगे। कोंकणा सेन ने बताया कि वह बस वही करती हैं जो उनके निर्देशक उन्हें बताते हैं क्योंकि आखिरकार यही उनका अपना नजरिया होता है और वह इस प्रक्रिया में दखलअंदाजी करना पसंद नहीं करतीं।

कोंकणा सेन ने कहा, एक अभिनेता के रूप में मैं वास्तव में इस बात पर ध्यान नहीं देती कि पिच या टोन क्या होना चाहिए। मैं इसमें सहज महसूस नहीं करती और एक अभिनेता के रूप में कुल मिलाकर यह मेरी जगह नहीं है। इस शो के लिए मैं दो कारणों से बहुत उत्साहित थी, एक यह कि यह फोर्ब्राइडेलसेन नामक एक बेहद सफल शो पर आधारित है, जो एक डेनिश शो है, और मैंने इसका रीमेक देखा है और यह अद्भुत है। इसमें जासूस सारा लुंड हैं, जिनका अपना बहुत बड़ा फैन बेस है। मुझे पता था कि रोहन सिप्पी इसका निर्देशन कर रहे हैं और मैंने उनके साथ पहले भी काम किया है। मैं उनके साथ बहुत सहज हूं और इसलिए मैं इस किरदार को करने के लिए बहुत खुश और उत्साहित थी।

उन्होंने आगे बताया, मुझे इन दोनों किरदारों (अपने सह-कलाकार सूर्या शर्मा की बात करते हुए), जय और संयुक्ता के बीच का तालमेल बहुत पसंद है। इस शो के जरिए मैंने सूर्या को जाना, इसलिए मुझे उनके लहजे और पिच वगैरह में अधिक दिलचस्पी नहीं थी। मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, हमने खूब रिहर्सल की, टेबल रीडिंग की, और कुछ सवाल या मतभेद वगैरह थे, वो सब सुलझा लिए गए। उनके साथ अभिनय कर मुझे बहुत आनंद आया।

मेरे लिए नंबर या कमाई उतनी मायने नहीं रखती

कांतारा चैप्टर 1 में नजर आए बॉलीवुड अभिनेता गुलशन देवैया ने हाल ही में खास बातचीत की। इस दौरान अभिनेता ने ऋषभ शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव, सेट पर माहौल और बॉलीवुड और साउथ के बीच के अंतर का जिक्र किया।

जब आपको यह फिल्म मिली तो पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

मुझे पहले से अंदाजा था कि यह फिल्म मेरे पास आएगी। 2019 में मेरी मुलाकात ऋषभ शेट्टी से हुई थी। उन्होंने कहा कि वो मेरी फिल्म हंटर के फैन हैं और मेरे लिए कुछ लिख रहे हैं। फिल्म की घोषणा पहले ही हो चुकी थी, लेकिन लॉकडाउन के कारण यह रुकी रही। 'कांतारा' की सफलता के बाद जब ऋषभ ने मुझे बताया कि उन्होंने मेरे लिए एक रोल लिखा है तो मैं तुरंत तैयार हो गया। मैं पहले से ही उनके काम का दीवाना था, इसलिए ये मेरे लिए यह एक रोमांचक अनुभव था।

साउथ की फिल्म में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

सबसे बड़ा अंतर शिफ्ट टाइमिंग और काम करने के तरीके में था। आमतौर पर मलयालम और कन्नड़ इंडस्ट्री में कलाकार सुबह छह बजे शुरू करके शाम छह बजे तक काम करते हैं... जबकि नाइट शिफ्ट का मामला अलग होता है। वहां पूरे बारह घंटे की शिफ्ट नहीं होती और नाइट शिफ्ट छोटी होती है। तकनीकी रूप से भी काफी कुछ अलग था। सिंक साउंड कम इस्तेमाल होता और कलाकार अपनी आवाज सेट पर ही देते हैं। मुझे लगता है यह तरीका माहौल और परफॉर्मेंस के लिहाज से सबसे बेहतर है क्योंकि कलाकार की असली परफॉर्मेंस वहीं सुनाई देती है।

ऋषभ से आपने सबसे बड़ी सीख क्या ली?

ऋषभ में मुझे उनकी क्षमता और तनाव को संभालने की कला ने बहुत प्रेरित किया। इतनी बड़ी फिल्म पहली बार में बनाने के बावजूद उन्होंने टीम, बजट और शूट को पूरी कुशलता से मैनेज किया। उनकी जिम्मेदारियां कितनी भी बड़ी क्यों न हों, उनके चेहरे पर शिकन नहीं आती।

फिल्म की सफलता आपके करियर के लिए कितनी मायने रखती है?

इस फिल्म का श्रेय मैं अकेले नहीं ले सकता। मैं बस इसका हिस्सा हूं। करियर के लिहाज से यह निश्चित रूप से अच्छा रहेगा, लेकिन एक कलाकार के रूप में मेरे लिए नंबर या कमाई उतनी मायने नहीं रखती। मैं 2011 से काम कर रहा हूं और यह मेरी पहली फिल्म है जिसने इतनी बड़ी कमाई की, लेकिन मेरे लिए सबसे कीमती अनुभव यह है कि दर्शक हमारी मेहनत और किरदार को महसूस कर रहे हैं।

क्या दर्शक आपको कभी धर्मा या यशराज जैसे बड़े बैनर की फिल्मों में देखेंगे?

मेरे लिए हर फिल्म, हर रोल और हर किरदार अहम है। हर डायरेक्टर की अपनी समझ होती है और मैं उसकी कहानी और किरदार के हिसाब से काम करता हूं। लोग अक्सर सोचते हैं कि ऐसी फिल्में ही मुझे सफलता दिलाएंगी। लेकिन मैं ऐसा नहीं सोचता। मैं अभिनय से प्यार करता हूं और अलग-अलग किरदारों निभाना मुझे पसंद है। मेरा फोकस हमेशा किरदार और कहानी पर होता है। अभी मैं बस देख रहा हूं कि सिनेमा मुझे कहां ले जाता है।

ग्लैमरस

करियर: फैशन डिजाइनिंग

क्या है फैशन डिजाइनिंग फैशन डिजाइनिंग व्यावहारिक कला का एक रूप है जो हमारे कपड़ों, एसेसरीज और जीवनशैली में निखार लाती है। फैशन डिजाइनिंग में कपड़ों से लेकर ज्वैलरी तथा पर्स से लेकर शूज तक सभी चीजें आती हैं।

डिजाइनर अपने ग्राहक वर्ग की रुचि और जरूरत को समझकर अपने डिजाइन को मौसम और ट्रेंड के मुताबिक मार्केट में उतारता है। आज फैशन जगत में डिजाइनरों की बहुत माँग है। फैशन डिजाइनिंग में क्रिएटीविटी की माँग होती है। फैशन का मतलब केवल नए डिजाइन किए हुए कपड़े नहीं बल्कि उसे पहनने के सलीके से लेकर उसमें लगने वाली एसेसरीज आदि भी फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र में आती है।

फैशन डिजाइनिंग वर्तमान समय में सबसे ज्यादा ग्लैमर प्रोफेशनल है इसलिए फैशन डिजाइनिंग में अच्छा करियर के अवसर हैं। एक प्रशिक्षित फैशन डिजाइनर इस इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों में जैसे डिजाइन वियर प्रोडक्शन, फैशन मार्केटिंग, क्वालिटी

कंट्रोल आदि में कार्य कर सकता है। इसके अतिरिक्त कॉस्टयूम डिजाइनर, पर्सनल स्टाइलिस्ट, फैशन को-ऑर्डिनेटर, फैब्रिक बायर के क्षेत्रों में भी कार्य किया जा सकता है। यह कोर्स कर अपना खुद का बिजनेस भी शुरू किया जा सकता है जैसे फैशन शो ऑर्गेनाइजर, गारमेंट स्टोर चेन, बुटीक, ज्वैलरी हाउस आदि।

कम्युनिकेशन अच्छा होना चाहिए

गत दस वर्षों में इस क्षेत्र में काफी बदलाव आए हैं। मुंबई में सालाना फैशन वीक होने लगे हैं और इसमें नामी-गिरामी फैशन डिजाइनरों के अलावा नवोदित फैशन डिजाइनरों को भी अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका दिया जाता है। इस क्षेत्र में आपको कलात्मक होना जरूरी है। साथ ही आपको लगातार नवीन डिजाइन देने के लिए काफी मेहनत व रिसर्च भी करना पड़ता है। अगर आप कोई कंसेप्ट पर कार्य कर रहे हैं तब इस बात का ध्यान रखना पड़ता है कि उसमें प्रयुक्त डिजाइन पहले किसी और डिजाइनर ने तो नहीं बनाया आदि बातों पर भी गौर करना पड़ता है।

ऑनलाइन एम. बी. ए.

इंटरनैट के आगमन से तथा टैक्नोलॉजी में अभूतपूर्व प्रगति के चलते स्कूलों तथा कालेजों में ऑनलाइन एजुकेशन का महत्व समझा जाने लगा है। जो वर्किंग प्रोफैशनल्स एक फुल टाइम अटैंडैंस आधारित एम.बी.ए. नहीं कर सकते उनके लिए विभिन्न स्कूल ऑनलाइन एम.बी.ए. कोर्स उपलब्ध करवा रहे हैं। ई.एम.बी.ए. या ऑनलाइन एम.बी.ए. पढ़ाई के साथ-साथ काम कर रहे छात्रों के लिए एक बढ़िया विकल्प है। ऑनलाइन एम.बी.ए. करते हुए एक रैगुलर एम.बी.ए.प्रोग्राम द्वारा उपलब्ध करवाई जाने वाली फाइनैंस, मार्कीटिंग, इंटरनैशनल बिजनैस तथा कई अन्य विशेषज्ञताओं पर आप ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं।

■ **ऑनलाइन एम.बी.ए. के लाभ**

ऑनलाइन एम.बी.ए. का सर्वाधिक आम लाभ है आपकी इच्छा अनुसार पढ़ने की लचकता। इसमें आप समय से बंधे नहीं रहते और अपनी वर्किंग लाइफ में ऑनलाइन शैड्यूल्स तय कर सकते हैं। एक व्यस्त मां तब ऑनलाइन स्टडी कर सकती है जब उसके बच्चे सो रहे हों या कोई एग्जीक्यूटिव देर रात तक पढ़ सकता है। सब कुछ आप पर निर्भर करता है।

एम.बी.ए. करने की इच्छुक श्रीना मेहता कहती हैं, ''मैं ऑनलाइन एम.बी.ए. करना चाहूंगी क्योंकि ये प्रोग्राम मुझे अपनी गति से अपनी वर्तमान जॉब करते हुए कोर्स करने का आवसर देता है। मुझे अपनी जॉब के वातावरण में एक साथ

अधिक सीखने और काम करने का मौका मिलता है। साथ ही मुझे अपने ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू करने का भी अवसर मिलता है। इससे मेरे अनुभव में बढ़ौतरी होती है।''ऑनलाइन एम.बी.ए. प्रोग्राम्स के खर्चे किसी यूनिवर्सिटी में एक फुल टाइम प्रोग्राम के मुकाबले काफी कम होते हैं। उदाहरण के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के इम्पीरियल कालेज में ऑनलाइन एम.बी.ए. का खर्चा 34 हजार पौंड पड़ता है जिसमें रहने-खाने का लगभग 10 हजार पौंड का खर्चा शामिल नहीं है। जबकि ऑनलाइन एम.बी.ए. का खर्चा मात्र 24 हजार पौंड के लगभग पड़ता है। फिनिक्स यूनिवर्सिटी के ऑललाइन प्रोग्राम का खर्चा लगभग 35 हजार डालर है जबकि अमेरिका में रैगुलर एम.बी.ए. प्रोग्राम का खर्चा 45 हजार डालर से लेकर 1 लाख 10 हजार डालर तक है। ऑनलाइन एम.बी.ए. का सबसे बड़ा लाभ यह है कि जब भी आपके पास टाइम हो आप अपने फोरम्स तथा परीक्षाएं अटैंड कर सकते हैं। इसके साथ ही अपनी क्लासिज का रिव्यू करना भी काफी फायदेमंद है। आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी व्यक्तिगत निपुणताओं तथा ज्ञान को दूसरों तक पहुंचाने की होती है और नैटवर्क पुरी तरह वर्चुअल है। इंटरनैट आपको विभिन्न संस्कृतियों तथा सामाजिक निपुणताओं से अवगत करवाता है। इंटरनैट पर लिखे गए शब्द अधिक स्पष्ट होते हैं। छात्रों में ऑनलाइन एम.बी.ए. के प्रति जो सबसे बड़ी चिंता व्याप्त रहती है, वह यह डर है कि इनमें छात्रों के बीच अंतक्रिया नहीं होती और इस तरह सीखने की प्रक्रिया अधूरी रहती है। यह कई ऑनलाइन प्रोग्राम्स के साथ सच हो सकता है परन्तु अधिकतर एम.बी.ए. ऑनलाइन प्रोग्राम्स आपको ऑनलाइन क्लासिज अटैंड करने का अवसर प्रदान करते हैं। दूसरी चिंता जो छात्रों में व्याप्त रहती है वह है प्राप्त होने वाली डिग्री की वैधता इसलिए यह बात अत्यधिक महत्वपूर्ण है कि आप अपनी एनरोलमैंट से पहले प्रोग्राम की वैधता को अच्छी रतह चैक कर लें।

सीमित दोस्ती व अच्छा व्यवहार दे ऑफिस में पहचान

हर व्यक्ति की दो पर्सनालिटी होती है. एक वह जिसे प्रोफेशनल लाइफ में जीता है और दूसरी वह जिसे अपनों के साथ जीता है. सभी अपनी पूरी कोशिश करते हैं कि वे ऑफिस में खुद को सबसे अच्छा साबित कर पायें. पर यह आसान काम नहीं होता है. अपने काम, व्यवहार के अलावा भी कई बातें मायने रखती हैं. आपको काम में आनंद लेने के तरीके आने चाहिए. काम करने का ऐसा ढंग अपनाना होगा, जिससे आपके काम में क्वालिटी के साथ रचनात्मकता दिखे. समय के पाबंद रहें, क्योंकि आज का दौर प्रतियोगिता का है. वह दौर गया जब आप किसी छोटे-से-छोटे काम में घंटों लगाते थे और खुद को काफी मेहनती बताते थे. अब कितनी जल्दी आप कितना बेहतर काम करते हैं, वह मायने रखता है. खुद को सबसे अच्छा साबित करने के लिए कुछ विशेष बातों पर ध्यान देना जरूरी है.

खुद को प्रस्तुत करने की कला जरूरी

अच्छा काम कीजिए और लोगों को जानने दीजिए कि आप अच्छा काम करते हैं. सिर्फ अच्छा काम करने से ही काम नहीं चलता, बल्कि आपके बॉस को, कंपनी की मैनेजमेंट टीम को पता होना चाहिए कि आप अच्छा काम कर रहे हैं. किसी भी कंपनी में कुछ ही लोग अच्छा काम करनेवाले होते हैं. ऐसे में आपको अपनी जगह बनाने में वक्त नहीं लगेगा. यदि आप अपने काम में आनंद लेते हैं, उसके लिए आपके मन में रचनात्मकता है, तो यह खुद-ब-खुद भी दिखता है.

बेहतर व्यवहार के साथ पेश आएं

नौकरी में सफलता आपके ज्ञान और स्मार्टनेस पर तो निर्भर करती ही है, साथ ही आपके एटिट्यूड, कोऑपरेशन और विलिंगनेस पर ज्यादा निर्भर करती है. आपको यह जाहिर करना होगा कि आप हर जगह सबके साथ ठीक से सामंजस्य स्थापित कर पा रहे हैं. टीम के तौर पर काम करना आज के समय के लिए बेहद जरूरी है. किसी भी परिस्थिति में रात हो या दिन, काम के लिए तैयार रहें. कंपनियां ऐसे व्यक्ति की ही तलाश में रहती हैं, जो हर स्तर के लोगों के साथ काम करने में सहज महसूस करते हों. ऐसे व्यक्ति होने चाहिए, जिन्हें अपने ज्ञान, जानकारी, गुण, मूल्यों को दूसरों से बांटने में जरा भी दिक्कत न हो.

प्रोफेशनल जिंदगी में दोस्ती जरूरी

अपने वर्कप्लेस में प्रोफेशनल दोस्ती बहुत जरूरी है. कठिन समय में यही आपके काम आती है. अपने शैक्षणिक, सामाजिक और प्रोफेशनल जिंदगी में संपर्क बनाते रहना चाहिए. यही भविष्य में बुरा समय आने पर आपकी मदद करते हैं. इसलिए प्रोफेशनल दोस्ती बेहद जरूरी है, यही आपको आपके कैरियर में ऊपर तक पहुंचा सकती है. लोग आपके बारे में वही सोचते हैं, जिस तरह आप दिखते हैं. इसलिए स्मार्ट दिखने की कोशिश कीजिए. अपने आसपास के लोगों से बातें कीजिए. संभव है कि आप अपनी वर्तमान नौकरी के अलावा किसी दूसरी कंपनी में बेहतर भविष्य देखें.

टेक्नोसेवी बनें

आज जब सभी कंप्यूटर के पीछे पड़े हैं, तो आपको उन सबसे आगे निकलना होगा. हाइ टेक्नोलॉजी से खुद का परिचय करवाइए, क्योंकि इससे न केवल आपको लाभ होगा बल्कि आपकी कंपनी भी लाभ में रहेगी. संभव हो तो ऐसे किसी कोर्स में दाखिला लीजिए. उसे अपने बायोडाटा में संलग्न कीजिए, कंपनी को भी बताइए कि आपने इस कोर्स में दाखिला लिया है. प्रतिदिन टेक वर्ल्ड में अपनी सीमाओं को बढ़ाते जाइए. नयी तकनीक का इस्तेमाल कंपनी के फायदे के लिए कैसे किया जा सकता है. इसके बारे में भी सोचें.

अपनी प्रोफेशनल छवि को बेहतर बनाने के लिए कुछ खास करना पड़ता है. अन्य सहयोगियों से बेहतर करने के लिए खुद को नयी चीजों और जानकारियों से अपडेट रखिए. अपनी प्रोफेशनल छवि को निखारने के लिए रखें इन बिंदुओं का ख्याल..